य एषु सुप्तेषु जागर्ति | वर्ष 20 | अंक 13 | पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 | नई दिल्ली, सोमवार, 05 अगस्त, 2024 | श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, संवत् 2081

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

ओलंपिक में भारत... आज

■ बैडमिंटन
लक्ष्य सेन, पुरुष एकल कांस्य पदक मुकाबला, शाम 6.00 बजे

■ कुश्ती
निशा दहिया 68 किग्रा वर्ग राउंड-16 मैच, देर रात 1.10 बजे

■ एथलेटिक्स
किरण पहल महिला 400 मीटर दौड़ हीट, दोपहर 3.57 बजे से

अविनाश साबले पुरुष 3000 मीटर स्टीपल चेज, रात 10.50 बजे से

■ टेबल टेनिस
महिला टीम, राउंड-16, दोपहर 1.30 बजे से

■ सेलिंग
पुरुष व महिला डिंगी, दोपहर 3.45 बजे से

भारतीय टीम लगातार दूसरी बार अंतिम-4 में

रविवार को क्वार्टरफाइनल में जीत दर्ज करने के बाद खुशी मनाते हुए राजकुमार और सुखजीत (बाएं)।

विवाह-एक दैविक अनुष्ठान

गुलाब कोठारी

आज एक समाचार पढ़ा- शीर्षक था- 'सही उम्र में शादी अच्छी पर देरी से होने पर भी हो सकते हैं बच्चे जीनियस।' खबर में आगे लिखा था-'25 साल से कम उम्र की महिलाओं के बच्चे अक्सर बिगड़ैल, जिद्दी एवं आरामतलब होते हैं। गर्भावस्था के दौरान मां की परिपक्वता, धैर्य और आत्मविश्वास का प्रभाव बच्चे पर भी पड़ता है। 35 या अधिक उम्र की माताओं से जन्मे बच्चों में 30 या उससे कम उम्र की माताओं के बच्चों की तुलना में जीनियस होने की संभावना 30 प्रतिशत अधिक होती है।'

'देश के महानगरों में उच्च शिक्षा, कॅरियर, लिव-इन-रिलेशन और विवाह पूर्व यौन सम्बन्धों के चलते शादी की औसत उम्र 26.4 वर्ष है। वुमन हेल्थ जनरल की रिपोर्ट के अनुसार लगभग18 प्रतिशत से अधिक लोग 30-32 वर्ष की उम्र तक विवाह करने लगे हैं। शहरी क्षेत्रों में 23.4 वर्ष, ग्रामीण क्षेत्रों में 22.3 वर्ष है- विवाह की औसत आयु।'

'डॉक्टरों का एक प्रश्न यह भी है कि 30 से अधिक उम्र में शादी से मां/संतान हाई रिस्क में पहुंच जाते हैं। महिलाओं को गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप-मधुमेह जैसे रोग हो जाते हैं। संतान न होना (इनफर्टिलिटी) भी एक समस्या है। बच्चे में भी अनुवांशिक असामान्यताएं होने का जोखिम रहता है। इनमें डाउंस सिंड्रोम और दुर्लभ गुणसूत्र संबंधी स्थितियां जैसे-एडवर्ड्स सिंड्रोम या पटाउज सिंड्रोम जैसी बीमारियां शामिल हैं। अतः सही उम्र में शादी करना मां-बच्चे दोनों के लिए अच्छा है।'

यह है आधुनिक विज्ञान की भाषा जो मात्र शरीर पर आधारित है। उपकरणों से जिसका नाप-तोल हो सकता है। कृष्ण कहते हैं कि आत्मा न पैदा हो सकता है, न ही मरता है। पुराने वस्त्रों की तरह शरीर बदलता है। माता-पिता उसका नहीं, मात्र शरीर का निर्माण करते हैं। शरीर-मन-बुद्धि और अहंकार, परा तथा अपरा प्रकृति द्वारा निर्मित होते हैं, जीव के कर्मफलों के अनुसार। कुछ योनियां केवल भोग योनियां होती हैं। उनका आत्मा नए कर्म नहीं करता। वे शरीर के लिए ही जीते हैं। उपरोक्त वैज्ञानिक आंकड़े ऐसे ही दंपतियों के लिए हैं, जो शरीर के लिए ही जीते हैं। उनकी संतानें भी अन्य योनियों की तरह जैविक ही होती हैं। सृष्टि में अनेक प्राणी, मानव से अधिक बुद्धिमान-बलवान होते हैं।

कृष्ण, गीता में कह रहे हैं-

'एवं प्रवर्तितं चक्रं नानुवर्तयतीह यः।
अघायुरिन्द्रियारामो मोघं पार्थ स जीवति' (गीता 3/16)

अर्थात-जो व्यक्ति लोक में सृष्टि चक्र के अनुकूल नहीं चलता, अपने कर्तव्य का पालन नहीं करता, वह इन्द्रियों के द्वारा भोगों में रमण करने वाला पापायु पुरुष व्यर्थ ही जीता है।

प्रकृति का यह चक्र क्या है? जीव, ईश्वर का अंश बनकर आता है। कर्मफलों के अनुसार फल भोगता है, योनियों में भटकता है।

सृष्टि की मूल शक्ति मां@पेज09

gulabkothari@epatrika.com

ओलंपिक हॉकी : 10 खिलाड़ियों के साथ खेले, सेमीफाइनल में पहुंचे

चक दे इंडिया... शूटआउट में अंग्रेजों को हराया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को पेरिस ओलंपिक खेलों में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से शिकस्त दी। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 से बराबर थीं। खास बात यह है कि भारतीय टीम ने 10 खिलाड़ियों से खेलने के बावजूद ब्रिटिश टीम को शिकस्त दी। भारतीय टीम ने टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में भी ब्रिटेन को मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

संबंधित@स्पोर्ट्स&गेमिंग

अमित रोहिदास को रेड कार्ड

मैच के 17वें मिनट में भारतीय डिफेंडर अमित रोहिदास का हाथ ब्रिटिश खिलाड़ी के चेहरे पर लगा और वह मैदान पर गिर गया। इस पर मैच रेफरी ने अमित को रेड कार्ड दिखा दिया। इसके बाद भारतीय टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

अब अर्जेंटीना या जर्मनी से मैच : भारतीय टीम का सेमीफाइनल में मुकाबला छह अगस्त को अर्जेंटीना और जर्मनी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल की विजेता टीम से होगा।

बैडमिंटन : लक्ष्य आज कांस्य पदक मैच खेलेंगे

पेरिस. भारतीय शटलर लक्ष्य सेन सोमवार को पुरुष एकल का कांस्य पदक मैच खेलने के लिए उतरेंगे। सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन डेनमार्क के विक्टर एक्सलेसन के खिलाफ हार झेलने वाले लक्ष्य के पास इतिहास रचने का मौका है। लक्ष्य कांस्य जीतते हैं तो ओलंपिक इतिहास में ऐसा करने वाले पहले भारतीय पुरुष शटलर बन जाएंगे।

पेनल्टी शूटआउट में इस तरह से जीते

भारत	ब्रिटेन	स्कोर
01	01	1-1
01	01	2-2
01	00	3-2
01	00	4-2

असंतोष की आग : हसीना सरकार के इस्तीफे की मांग पर अड़े आंदोलनकारी

बांग्लादेश में 93 मरे, पूरे देश में कर्फ्यू

इंटरनेट किया बंद, 14 पुलिसकर्मियों की भी मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों व सत्तारूढ़ अवामी लीग के समर्थकों के बीच रविवार को हुई भीषण झड़पों में 14 पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 93 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हो गए। अधिकारियों ने मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी। सेना तैनात कर दी गई है। शाम 6 बजे से अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा दिया। सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था के मुद्दे पर हुए बवाल को लेकर सरकार के इस्तीफे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी रविवार को, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के बैनर तले आयोजित 'असहयोग कार्यक्रम' में भाग लेने पहुंचे थे। तब अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया और फिर दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई।

बताया जाता है कि सिराजगंज के इनायतपुर पुलिस स्टेशन पर हमले में कम से कम 13 पुलिसकर्मी मारे गए।

शेष@पेज09

ढाका. बंगबंधु शेख मुजीब अस्पताल में रविवार को वाहनों में आग लगाने के बाद तोड़फोड़ करते प्रदर्शनकारी।

सोमवार को ढाका मार्च की घोषणा

छात्र आंदोलन के तहत प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को ढाका तक एक मार्च निकालने की घोषणा की है। प्रदर्शनकारियों ने नागरिकों से करों और अन्य सेवाओं के बिलों का भुगतान न करने और कार्यालयों में काम पर न आने का आग्रह किया है। प्रदर्शनकारियों ने रास्तों को अवरुद्ध कर दिया है।

छात्र नहीं, अपराधी : हसीना

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि जो लोग विरोध के नाम पर तोड़फोड़ कर रहे हैं, वे छात्र नहीं, अपराधी हैं। आंदोलन के बाद अब तक 11 हजार से गिरफ्तारियां की गई हैं। प्रधानमंत्री ने सुरक्षा मामलों की राष्ट्रीय समिति की बैठक बुलाकर प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के आदेश दिए हैं

भारतीय रहें अलर्ट

भारत ने बांग्लादेश में रहने वाले भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी है। भारत के सहायक उच्चायुक्त ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सिलहट में स्थित भारतीय सहायक उच्चायोग के अधिकार क्षेत्र में रहने वाले छात्रों सहित सभी भारतीय नागरिकों से अनुरोध है कि वे कार्यालय के संपर्क में रहें और सतर्क रहें। आपात स्थिति में 88-01313076402 पर संपर्क करें।

विरोध प्रदर्शन: प्रवासियों को बनाया निशाना

ब्रिटेन में भी दंगे, कई शहरों में आगजनी और तोड़फोड़

रॉदरहैम में रविवार को पुलिस से भिड़ते प्रदर्शनकारी।

लंदन@पत्रिका. इंग्लैंड के साउथपोर्ट में पिछले हफ्ते एक डांस क्लब में तीन लड़कियों की हत्या के विरोध में रविवार को दंगे भड़क गए। देश के कई शहरों व कस्बों में सैकड़ों प्रवासी विरोधी गुटों ने कई जगह आगजनी और तोड़फोड़ की। लिवरपूल, ब्रिस्टल, हल और ब्लैकपूल में हिंसा और तोड़फोड़ के बाद 87 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

शेष@पेज09

सोशल मीडिया पर अफवाह से फैली आग

देश में सोशल मीडिया पर एक अफवाह के बाद दंगे भड़के। सोशल मीडिया पर बताया गया कि संदिग्ध आरोपी कट्टरपंथी इस्लामी प्रवासी था। इसके बाद प्रवासियों व मुस्लिम समुदाय के लोगों को निशाना बनाया जाने लगा। बाद में सामने आया कि आरोपी का जन्म ब्रिटेन में ही हुआ था और वह ईसाई परिवार का सदस्य है।

एमपी के सागर में हादसा : दो घायल अस्पताल में

शिवलिंग बना रहे बच्चों पर जर्जर मकान की दीवार गिरी, नौ की मौत

सागर जिले के शाहपुर में हादसे के बाद जर्जर मकान के ढहाती जेसीबी।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. मध्यप्रदेश के सागर जिले में रविवार सुबह एक मंदिर में आयोजन के दौरान पास के जर्जर मकान की छत ढहने से नौ बच्चों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। बच्चों की उम्र 10 से 15 साल बताई गई है।

जिले के शाहपुर के हरदौर मंदिर में सावन महीने में कथा के आयोजन के साथ शिवलिंग बनाने का काम चल रहा था।

शेष@पेज09

नगर पालिका के दो अधिकारी सस्पेंड

जर्जर भवन 50 साल पुराना था। शाहपुर नगर पालिका सीएमओ और उपयंत्री को प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। आरोप है कि नपा अधिकारियों-कर्मचारियों ने जर्जर मकानों को गिराने में लापरवाही बरती। जिस मकान की दीवार ढही, वह अंदर से लकड़ी की बल्लियों पर टिका था।

सीईआरटी-इन

एपल गैजेट्स को लेकर फिर चेताया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सरकार की कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) ने एपल उत्पाद इस्तेमाल करने वाले यूजर्स के लिए फिर चेतावनी जारी की है। टीम ने एपल सॉफ्टवेयर अपडेट में कई खामियां पाई थीं। सीईआरटी-इन ने कहा कि एपल ने हालिया सिक्योरिटी अपडेट में इन खामियों का निदान कर दिया है। ऐसे में एपल उत्पाद यूजर्स अपने सॉफ्टवेयर अपडेट कर सकते हैं, ताकि उन्हें समस्याओं से निजात मिल सके। मई में भी सीईआरटी-इन ने इस तरह की चेतावनी जारी की थी।

कॉन्फ्रेंस : जस्टिस नागरत्ना ने बताया दुखद

'कुछ राज्यपाल ऐसा काम कर रहे हैं, जो नहीं करना चाहिए'

राज्यों को 'अक्षम या अधीनस्थ' नहीं माना जाना चाहिए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने राजयपालों की भूमिका को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राजयपाल वहां भूमिका निभा रहे हैं, जहां उन्हें नहीं निभानी चाहिए। जब उन्हें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, तब वह निष्क्रिय हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में राज्यपालों के खिलाफ मामले देश में राज्यपाल की संवैधानिक दशा की दुखद कहानी है। बेंगलूरु में एनएलएसआइयू पैक्ट कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि संविधान में राजयपाल को शामिल हैं, क्योंकि हमें लगता है कि राज्यपाल वास्तव में कर्त्तव्यों के प्रति सचेत हैं तो यह संस्था परस्पर विरोधी समूहों के बीच समझ और सामंजस्य लाएगी। राज्यपाल को पार्टी की राजनीति, गुटों से ऊपर रखा है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि भारतीय संविधानवाद को और मजबूत करने के लिए राष्ट्र को संघवाद, बंधुत्व, मौलिक अधिकारों और सैद्धांतिक शासन पर जोर देना चाहिए। केंद्र और विपक्ष शासित राज्यों के बीच बढ़ते टकराव के बीच नागरत्ना ने रेखांकित किया कि राज्यों को 'अक्षम या अधीनस्थ' नहीं माना जाना चाहिए। यही मंत्र संवैधानिक शासन कौशल का होना चाहिए।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना

कर्नाटक में विवाद

जस्टिस नागरत्ना की यह टिप्पणी कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत और कांग्रेस सरकार के बीच एमयूडीए (मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण) साइट आवंटन घोटाले को लेकर चल रहे विवाद के बीच आई है। इस मामले में सीएम सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती का नाम सामने आया है। गहलोत ने पिछले हफ्ते सिद्धारमैया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। कर्नाटक सरकार ने प्रस्ताव पारित कर राज्यपाल को नोटिस वापस लेने की सलाह दी थी।

न्यूज विंडो

■ क्रिप्टो घोटाले को लेकर ईडी के छापे

नई दिल्ली. ईडी की श्रीनगर इकाई ने क्रिप्टोकरेंसी घोटाले मामले में लेह, जम्मू और हरियाणा के सोनीपत में छह स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान एक करोड़ रुपए नकद, आपत्तिजनक दस्तावेज व संपत्ति रिकॉर्ड जब्त किए गए।

झरोखा

ट्रेंडिंग न्यूज

उत्तर प्रदेश

कांवड़ियों के दो गुट भिड़े, 21 गिरफ्तार

मेरठ@ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में मेरठ के इंद्रपुरा गांव में जलाभिषेक को लेकर कांवड़ियों के दो गुटों में मारपीट व फायरिंग हुई। दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अब तक 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 12 को बाद में थाने से जमानत दे दी गई।

विशाखापट्टनम

कोरबा एक्सप्रेस की 3 बोगियों में आग

विशाखापट्टनम@पत्रिका. विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पर खड़ी कोरबा एक्सप्रेस की तीन बोगियों में रविवार को आग लग गई। इनमें कोई यात्री नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन छत्तीसगढ़ के कोरबा से तिरुमला जा रही थी। आग एक बोगी में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

फैसला

शाहनवाज हुसैन को हाईकोर्ट से राहत

नई दिल्ली@पत्रिका. दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन के खिलाफ दर्ज बलात्कार के मामले में पुलिस की ओर से दायर क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। पीड़िताने ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

शोध में खुलासा | हमारा दायरा सतह से 10000, 'मामा' का सिर्फ 100 किमी तक

पृथ्वी के मुकाबले पतला और छोटा है चांद का वायुमंडल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. पृथ्वी के वायुमंडल के मुकाबले चांद का वायुमंडल काफी पतला व सीमित दायरे वाला है। चांद के वायुमंडल में मुख्य रूप से एरगॉन, हीलियम, नियॉन के साथ पोटेशियम, रुबिडियम व कुछ दूसरे तत्व हैं। इसका दायरा चांद की सतह से 100 किलोमीटर तक है। वहीं पृथ्वी के वायुमंडल का दायरा 10,000 किलोमीटर है। अमरीकी वैज्ञानिकों के शोध में यह खुलासा हुआ।

अर्थ डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक चांद की जमीन पर पहली बार कदम रखने वाले नासा के अंतरिक्ष यात्रियों ने उसके वायुमंडल का पता लगाया था, लेकिन तब यह जानकारी नहीं थी कि यह काफी कमजोर है। चांद की मिट्टी के नमूनों पर शोध के बाद पता चला कि चांद का वायुमंडल छोटे-बड़े धूमकेतुओं की टक्कर से बना। वायुमंडल में परमाणुओं की संख्या बहुत कम है। इससे ये आपस में टकराते नहीं हैं।

परमाणुओं की संख्या भी बहुत कम, आपस में नहीं टकराते

गर्मी से चट्टानें पिघलकर बन गईं भाप

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की वैज्ञानिक और शोध की मुख्य लेखक निकोल नी का कहना है कि धूमकेतु की टक्कर से बहुत ज्यादा गर्मी (2,000-6,000 डिग्री सेल्सियस) पैदा होती है। यह चांद की सतह की चट्टानों को पिघला कर भाप बना देती है। नासा के अपोलो अभियानों में चांद की सतह पर ऐसे उपकरण ले जाए गए थे, जिन्होंने उसके वायुमंडल में परमाणुओं का पता लगाया।

लगातार होती है धूमकेतुओं की टक्कर

चांद पर धूमकेतुओं की टक्कर लगातार होती रहती है। इसके कारण ही चांद की सतह पर गड्ढे बने। इसके वायुमंडल के निर्माण में धूमकेतुओं की टक्कर का योगदान 70% से ज्यादा, जबकि सौर हवाओं का 30% से कम है। चांद के परमाणुओं के परीक्षण की बजाय शोधकर्ताओं ने शोध के लिए इसकी मिट्टी के नमूनों का इस्तेमाल किया।

बड़ों की बड़ी बात : वॉरेन बफे की कंपनी ने एपल में 50 फीसदी हिस्सेदारी घटाई

गजब है... अमरीका के कुल नकदी रिजर्व से ज्यादा धन निजी कंपनी बर्कशायर हैथवे के पास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे इंक ने एपल में करीब 50 फीसदी हिस्सेदारी घटा दी है। इस निर्णय के बाद इतिहास में पहली बार बर्कशायर हैथवे के पास अमरीका के कुल नकदी रिजर्व से ज्यादा नकदी हो गई है।

एपल के शेयरों की भारी बिकवाली के कारण बफे के पास मौजूद नकदी 276.9 अरब डॉलर के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में हैथवे ने कई कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बेची हैं। कंपनी ने शनिवार को कहा था कि उस दौरान उसने 75.5 अरब डॉलर के शेयर बेचे। हालांकि हैथवे ने यह नहीं बताया कि एपल के कितने के शेयर बेचे।

शेष@पेज09

किस देश के पास कितनी नकदी (मिलियन डॉलर में)

क्र.	देश	नकदी	क्र.	देश	नकदी
1	चीन	35,82,000	8	हांगकांग	4,25,153
2	जापान	18,27,180	9	द.कोरिया	4,19,360
3	स्विटजरलैंड	7,95,438	10	मैक्सिको	3,64,192
4	भारत	6,70,857	11	सिंगापुर	3,57,345
5	रूस	6,11,300	12	ब्राजील	3,52,705
6	ताइवान	5,68,107	13	जर्मनी	3,39,800
7	सऊदी अरब	4,55,205	14	अमरीका	2,42,681

जयपुर . अजमेर रोड स्थित भांकरोटा पर फ्लाइओवर निर्माण की धीमी गति ने वाहन चालक और स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मुख्य सड़क से डामर गायब हो गयी, जिससे वाहन रेंगते हुए निकल रहे हैं। जाम के बीच वाहनों की लंबी कतार। फोटो: दिनेश डाबी

यह है राष्ट्रीय राजमार्ग 48... **हाईवे की जख्मी सड़कों से विस अध्यक्ष देवनानी व डिप्टी सीएम बैरवा भी लगातार गुजरते**

दो घंटे का सफर 6-7 घंटे में कराने का 'वादा'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर/नई दिल्ली. यह राष्ट्रीय राजमार्ग 48 है...। इस जख्मी हाईवे से राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा भी गुजरते हैं। देवनानी का क्षेत्र अजमेर और बैरवा का दूदू है। हाईवे के इस 130 किलोमीटर लम्बे हिस्से को सुगम बनाने के लिए पिछले डेढ़ साल से दस फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण की चाल ऐसी है कि काम खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा। कई जगह सड़कों से डामर गायब है तो कई हिस्सों से सर्विस रोड।

वाहन चालकों को इस दूरी तय करने के लिए 6 से 7 घंटे लग रहा है जबकि, फ्लाईओवर डवलपमेंट प्रोजेक्ट शुरू होने से पहले यही दूरी 2 से 3 घंटे में पूरी हो रही थी। जाम हो जाए तो ढूंढने से भी ट्रेफिक पुलिस नहीं मिलती। स्थानीय लोग ही जाम हटाने का असफल प्रयास कर रहे हैं।

दूसरे समानांतर वैकल्पिक रास्ते भी नहीं बनाए गए, ताकि आसानी से निकला जा सके। पडासोली, मौखमपुरा, भांकरोटा और कमला नेहरू नगर में निर्माणाधीन फ्लाईओवर की समय सीमा खत्म हो चुकी है, लेकिन काम अब भी अधूरा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और अनुबंधित कंपनी के गठजोड के चलते वाहन चालकों को अभी कई और महीने परेशानी झेलनी पड़ेगी। राजस्थान पत्रिका की इस रूट पर आंखों-देखी।

जख्मी सड़कें... खून के आंसू गिरा रहे राहगीर

पडासोली में निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास गड्ढों के बीच गुजरते वाहन।

इनके लिए जिम्मेदार कौन...

1. समय बर्बादी: तय समय से 2 से 5 घंटे तक ज्यादा समय लगने से निर्धारित काम प्रभावित हो रहे हैं।

2. आपातकालीन स्थिति: गंभीर मरीज, आगजनी, दुर्घटनाग्रस्त स्थितियों से भी जूझना पड़ रहा है। कई बार एंबुलेंस फंसने के कारण मरीज की जान सांसत में आ चुकी है।

3. प्रदूषण: जाम वाले हिस्से में वाहनों के धुएं से परेशानी बढ़ गई है। प्रदूषण लेवल ज्यादा है।

4. पेट्रोल-डीजल खपत: सामान्य स्थिति में कार से जयपुर से किशनगढ़ जाने के दौरान 800 से 900 रुपए का पेट्रोल खर्च होता है, लेकिन अभी पेट्रोल की खपत करीब 40 प्रतिशत बढ़ गई यानि 320 से 350 रुपए तक ज्यादा भार आ गया।

5. वाहन मेंटीनेंस: गड्ढों के कारण टायर खराब हो रहे हैं। कई वाहनों के टायर में कट लगने की घटना सामने आई है। इसका खर्चा अलग।

एक साल में वसूला 475 करोड़ रुपए टोल... इस रूट पर ठीकरिया और किशनगढ़ टोल है, जहां से हर दिन करीब एक लाख पीसीयू वाहन गुजरते हैं।यहां एक दिन में करीब 1.30 करोड़ रुपए टोल राशि ली जा रही है। इस तरह एक साल में ही करीब 475 करोड़ रुपए टोल वसूला जा रहा है। सवाल यह है कि जब रूट पर सुगम आवाजाही ही नहीं तो फिर टोल क्यों लेते रहे? दस में से छह फ्लाईओवर तो कुछ माह पहले पूरे हुए है, जबकि उससे पहले तो ज यादातर जगह हालात खराब ही रहे।

सुविधा बनाम वसूली: देश में 983 टोल नाके

राजस्थान में सर्वाधिक 142 टोल नाके, सबसे ज्यादा वसूली

शादाब अहमद
patrika.com

नई दिल्ली. देश में एक्सप्रेस वे, आठ लेन, सिक्स लेन, फोरलेन हाइवे के निर्माण से आवागमन सहज और सुविधाजनक हुआ है लेकिन जगह-जगह टोलवसूली लोगों को उतना ही 'दर्द' भी दे रही है। हाइवे पर वाहनों की रफ्तार के साथ नए टोल नाके भी खुलते जा रहे हैं। देश के नेशनल हाइवेज पर इस वक्त 983 टोल वसूली नाके चल रहे हैं। इनमें सर्वाधिक 142 नाके राजस्थान में हैं और टोल टैक्स चुकाने के मामले में भी राजस्थान टॉप पर है। केरल में मात्र नौ टोल नाके हैं। दिलचस्प (या हैरानी) यह भी है कि 983 टोल नाकों में से 457 नाके पिछले पांच साल में चालू हुए हैं। नए टोल नाके खुलने के मामले में भी राजस्थान आगे है।

बिना रुके टोल वसूली अभी दूर की कौड़ी

केंद्र सरकार ने टोल नाकों पर बिना रुके ऑटोमैटिक टोल वसूली की योजना बनाई है लेकिन इसे सब जगह लागू करना अभी दूर की कौड़ी है। नेशनल हाईवे के कुछ हिस्सों पर ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (ईटीसी) सिस्टम को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में फिलहाल कर्नाटक के बेंगलूरु-मैसूर हाइवे और हरियाणा के पानीपत-हिसार रूट पर परीक्षण किया गया है।

पांच साल में टोल वसूली

22, करोड़ रुपए राजस्थान | 13, करोड़ रुपए मध्यप्रदेश

5 साल में राजस्थान से 22000 करोड़ वसूले

राजस्थान में टोल वसूली की राशि साल-दर साल बढ़ रही है। जहां 2019 में यह राशि 3619 करोड़ रुपए थी, वहीं 2023-24 में बढ़कर 5954 करोड़ पर पहुंच गई। पांच साल में राजस्थान के टोल नाकों पर वाहनों से करीब 22097 करोड़ रुपए वसूले गए हैं। मध्यप्रदेश में टोल वसूली 2019 के 1809 करोड़ से बढ़कर 2023-24 में 3766 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। यहां पांच साल में 13236 करोड़ रुपए की वसूली हुई है।

टॉप टेन राज्य

राज्य	कुल नाके	पांच साल में नए खुले
राजस्थान	142	58
उत्तर प्रदेश	102	52
मध्यप्रदेश	86	57
महाराष्ट्र	81	41
आंध्र प्रदेश	68	29
तमिलनाडु	67	15
कर्नाटक	61	17
दिल्ली ईपीई	51	37
गुजरात	46	10
पंजाब	39	17

अजमेर-दिल्ली हाइवे कर रहा मालामाल

अजमेर-दिल्ली हाइवे पर भले ही वाहन चालक लंबे-लंबे जाम से परेशान होते हो, लेकिन कमाई के मामले में इसके दो टोल नाकों (शाहजहांपुर एवं ठीकरिया) ने रेकॉर्ड तोड़ रखा है। पिछले पांच साल में इन दोनों नाकों से करीब 3000 करोड़ रुपए टोल टैक्स वसूला गया। इसके बाद गुजरात का भरथाना टोल नाका है, जहां 2043.80 करोड़ रुपए वसूले हैं।

चंडीगढ़ में नए कानूनों के लिए ई-साक्ष्य, न्याय सेतु, न्याय श्रुति और ई- समन ऐप का किया लोकार्पण

किसी भी केस में 3 साल के अंदर सुप्रीम कोर्ट तक से मिल सकेगा न्याय: शाह

गृहमंत्री ने कहा -21वीं सदी का सबसे बड़ा रिफॉर्म साबित होगा 3 नए कानूनों से चलने वाला क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को चंडीगढ़ में तीन नए आपराधिक कानूनों के लिए ई-साक्ष्य, न्याय सेतु, न्याय श्रुति और ई-समन ऐप का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नए कानून और इनसे चलने वाला क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम 21वीं सदी का सबसे बड़ा रिफॉर्म साबित होगा। किसी भी केस में 3 साल के अंदर फरियादियों को सुप्रीम कोर्ट तक से न्याय मिल सकेगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की ओर से लाए गए तीनों नए कानूनों में देश की मिट्टी की सुगंध और हमारे न्याय के संस्कार हैं। ई-साक्ष्य, ई-समन, न्याय सेतु और न्याय श्रुति ऐप्प से पूरे तंत्र की टेक्निकल कंपिटेंसी को बढ़ावा मिलेगा।

टाइम बॉन्ड व्यवस्था

उन्होंने कहा कि नए कानूनों में इस प्रकार की टाइम बॉन्ड व्यवस्था की गई है कि किसी भी फरियाद पर 3 साल के अंदर सुप्रीम कोर्ट तक का जजमेंट आ जाएगा। गृह मंत्री ने सभी को अफवाहों से दूर रहने और नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए सक्रिय और रचनात्मक योगदान देने की अपील की। ई- साक्ष्य के तहत घटनास्थल की सभी वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और गवाही सर्वर हो जाएगी, जो तुरंत ही कोर्ट में भी उपलब्ध होगी।

पूरी प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक

गृहमंत्री ने बताया कि ई-समन के तहत कोर्ट से पुलिस स्टेशन और समन पाने वाले व्यक्ति तक की पूरी प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक होगी। 'न्याय सेतु' डैशबोर्ड पर पुलिस, मेडिकल, फॉरेन्सिक, प्रॉसीक्यूशन और प्रिज़न इंटरलिंक्ड हैं, जिससे जांच से संबंधित सभी जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। 'न्याय श्रुति' के माध्यम से न्यायालय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गवाहों की सुनवाई कर सकेगा। इससे केस का निपटारा जल्दी हो सकेगा।

चंडीगढ़. ऐप लोकार्पण समारोह के दौरान अभिवादन स्वीकार करते गृहमंत्री अमित शाह।

नए कानूनों का उद्देश्य लोगों को दंड नहीं, न्याय देना

गृहमंत्री ने कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य लोगों को दंड नहीं, न्याय देना है। इसीलिए, ये दंड संहिता नहीं, न्याय संहिता हैं। नए कानूनों के सम्पूर्ण क्रियान्वयन के बाद विश्व में सबसे आधुनिक और टेक्नोलॉजी से युक्त क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम भारत का होगा। इन तीनों नए कानूनों के सुगम अमल के लिए मोदी सरकार ने कई पहलें की हैं। इस दिशा में सीसीटीएनएस से लेकर एसएचओ की ट्रेनिंग और एफएसएल के इंटीग्रेशन तक बहुत काम किया जा रहा है। 2 महीने बाद चंडीगढ़ देश का पहला ऐसा एडमिनिस्ट्रेटिव यूनिट होगा, जिसमें तीनों नए कानूनों का शत प्रतिशत क्रियान्वयन हो चुका होगा।

रंगारंग राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम

बीकानेर हाउस में आज से तीज मेला

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. बीकानेर हाउस में सोमवार से तीज उत्सव शुरू होगा, जो 11 अगस्त तक चलेगा। तीज उत्सव के दौरान राजस्थानी हैंडीक्राफ्ट मेले की दुकानें दिल्ली वासियों के लिए खरीदारी का रोमांचक अनुभव देने के लिए तैयार हैं। इस मेले में आगंतुक राजस्थानी कला संस्कृति और प्रादेशिक अंचल से जुड़े हैंडीक्राफ्ट के सामान, महिलाओं के लिए राजस्थानी वेशभूषा, साड़ियां, बैंगल्स आदि की खरीदारी के साथ-साथ लजीज व्यंजनों का स्वाद भी उठा सकेंगे।

बीकानेर हाउस में चलने वाले इस सात दिवसीय उत्सव में सोमवार को राजस्थान पर्यटन की ओर से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें राजस्थान के प्रसिद्ध लोक कलाकार सवाई भट्ट गीत- संगीत के साथ मनोरंजन से भरपूर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसी दौरान 7 अगस्त को तीज की सवारी के साथ-साथ मेले के दौरान महिलाओं के लिए मेहंदी और राजस्थानी पोशाक के कंपटीशन और बच्चों के लिए कई तरह के आयोजन रखे गए हैं।

संघ के संपर्क विभाग के महाकुंभ का समापन

'सज्जन शक्ति' को जोड़ने के लिए टोली बनेगी

इंदौर@पत्रिका. संघ के संपर्क विभाग का महाकुंभ रविवार को समाप्त हो गया। दो दिनी मंथन में संघ के शताब्दी वर्ष 2025 में किए जाने वाले काम व संगठन के विस्तार की रणनीति बनाई गई। विभाग का पूरा फोकस समाज की 'सज्जन शक्ति' पर रहेगा। उन्हें जोड़ने के लिए अलग-अलग टोली बनाई जाएगी, जो संपर्क कर संघ के विचार सामने रखेगी। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने अपने बौद्धिक में इस पर जोर दिया। बैठक के बाद देशभर से आए प्रचारक इंदौर ही रुके, तो कुछ महाकाल और ओंकारेश्वर दर्शन करने चले गए।

संघ के संपर्क विभाग के महाकुम्भ में माना गया कि एक बहुत बड़ा वर्ग है जो संघ से अभी भी अछूता है। इसे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। ये भी माना गया कि जो संघ कार्यकर्ता नियमित शाखा में नहीं आ सकते, उन्हें साप्ताहिक शाखा या आयोजनों में बुलाया जाए।

मुख्यमंत्री से राजभाषा के मुद्दे पर आग्रह करेंगे केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

राजस्थानी को मिले राजभाषा का दर्जा: गजेन्द्र शेखावत

जोधपुर@पत्रिका. केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थानी को राजभाषा का दर्जा देने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से राजस्थानी भाषा को राजभाषा का दर्जा देने का आग्रह करूंगा।

रविवार को राम सिंह भाटी मेमोरियल सभागार में काव्य कलरव पुस्तक के विमोचन व अभिनंदन समारोह के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भोजपुरी भाषा को पांच देशों में मान्यता मिली हुई है। राजस्थानी भाषा को नेपाल में मान्यता मिली हुई है।

शेखावत ने कहा कि कोंकण प्रदेश की भाषा कोंकणी, सिंधी को बिना किसी लिपि के मान्यता मिली है तो राजस्थानी भाषा को मान्यता क्यों नहीं मिल सकती है? उन्होंने कहा कि यदि हम घर में मारवाड़ी नहीं बोलेंगे तो ये भाषा खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में राजस्थानी भाषा की मान्यता को लेकर वो लड़ाई लड़ रहे हैं।

राठौड़ ने फीडबैक लिया

जयपुर @ पत्रिका. भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों में लगे नेताओं की बैठक लेकर जमीनी फीडबैक लिया। इससे पहले राठौड़ ने सीएम भजनलाल शर्मा और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे से उपचुनाव को लेकर चर्चा की।

राज्यपाल बागड़े की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात

नई दिल्ली@पत्रिका ब्यूरो. राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उपराष्ट्रपति से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इसी तरह बागड़े ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की।

वैवाहिक विवाद में जमानत की असंभव शर्तें लगाना गलत: कोर्ट

नई दिल्ली@पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवाद मामलों में जमानतती अव्यवहारिक शर्तो पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि जब कोई अदालत आरोपी को जमानत देने के निष्कर्ष पर पहुंचती है कि तो ऐसी शर्ते नहीं रखी जानी चाहिए जिससे उसका पालन करना असंभव और अव्यावहारिक हो जाए। जस्टिस सी टी रविकुमार और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने दुख जताया कि गिरफ्तारी-पूर्व जमानत के लिए कठोर शर्ते लगाने की आलोचना करने वाले अनेक निर्णयों के बावजूद ऐसे आदेश पारित किए जा रहे हैं। अदालत ने पटना हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें वैवाहिक विवाद के मामले में पति को अग्रिम जमानत के लिए यह शर्त लगाई गई कि वह किसी भी पारिवारिक सदस्य के दखल के बिना पत्नी की सभी शारीरिक और वित्तीय जरूरतों को पूरा करेगा। कोर्ट ने कहा कि जमानत देते समय पालना योग्य शर्ते लगानी चाहिए।

जाप्ता नहीं या जज्बा **सिलीसेढ़ में दूसरी बार कार्रवाई की तिथि बढ़ाई**

प्रशासन की ढिलाई, अब कल हटेंगे अतिक्रमण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अलवर . सिलीसेढ़ के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने में प्रशासन ढिलाई बरत रहा है। अब जाप्ते के नाम पर कार्रवाई को एक दिन आगे खिसका दिया गया है। तर्क दिया जा रहा है कि 6 अगस्त को जाप्ता उपलब्ध हो सकेगा, जबकि इस समय न कोई चुनाव है और न ही कोई रैली–प्रदर्शन। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जाप्ता नहीं है या कार्रवाई करने का जज्बा नहीं है। कहीं प्रशासन इन अतिक्रमियों को

सिलीसेढ़ के बहाव क्षेत्र में बना एक होटल।

सिलीसेढ़ के बहाव क्षेत्र में कब्जा करने वाले 16 अतिक्रमियों के होटल, रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट आदि पर नोटिस चस्पा किए थे। कहा था, एक सप्ताह में खुद अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा 3 अगस्त को कार्रवाई करेंगे।

कल देंगे जाप्ता

यूआईटी को कुछ अतिक्रमण 30 जुलाई को हटाने थे, लेकिन वह 5 अगस्त को हटा रहे हैं। ऐसे में जाप्ता वहां जा रहा है। सिलीसेढ़ के अतिक्रमण के लिए जाप्ता 6 अगस्त को दे दिया जाएगा। **बीना महावर,** एडीएम सिटी

हम कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जैसे ही प्रशासन जाप्ता देगा, हम अतिक्रमण हटा देंगे। 16 में से किसी भी अतिक्रमी को अब तक कोर्ट से कोई स्टे नहीं मिला है। ऐसे में कार्रवाई होगी। **संजय खत्री,**

EESL एनर्जी एफिशियंसी सर्विसेज़ लिमिटेड
(ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार का संयुक्त उद्यम)
छठी और 7वीं मंजिल, कोर-III, स्कोप कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

आमंत्रण सूचना

भारतीय बाजार के लिए एनर्जी एफिशियंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के साथ नामांकन के लिए डिमांड एग्रीगेटर्स / चैनल पार्टनर्स चरण-III के रूप में कॉर्पोरेट सेल्स एजेंसी / डायरेक्ट सेल्स एजेंसी / डीलर्स, रिटेलर्स और अन्य के लिए आमंत्रण सूचना

एनर्जी एफिशियंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) कॉर्पोरेट सेल्स एजेंसी, डायरेक्ट सेल्स एजेंसी, डीलर्स और रिटेलर्स तथा अन्य को सक्सेस फी मॉडल के तहत कार्य के अपेक्षित दायरे के साथ चैनल पार्टनर / डिमांड एग्रीगेटर्स के रूप में सूचीबद्ध करने का इच्छुक है। ईईएसएल ने भारत में एलईडी बाजार में बदलाव का प्रमाणित रिकॉर्ड बनाया है। संगठन अब अपने विभिन्न मौजूदा और नए कार्यक्रमों (एसीएसी / उजाला / एनएमआरपी / आईईईएस / एसएलएनपी / इंडक्शन कुकटॉप (आईसी) / हीट पम्प / अन्य) के तहत ऊर्जा कार्यकुशल पंखे, एसईएसी, ईई मोटर्स, इंडक्शन कुकटॉप्स आदि के बाजार को विकसित करने और बदलने की रणनीति बना रहा है।

विस्तृत विवरण 5 अगस्त 2024 से हमारी वेबसाइट (www.eeslindia.org/enrollment/phase-III) पर उपलब्ध होंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
ई-मेल: services@eesl.co.in फोन: (011) 42519576 / 584 पता: ईईएसएल, कोर 3, 7वां तल, स्कोप कॉम्प्लैक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

Creating an Energy Efficient India.........

पोलमपोल भाया

धांधळ च्यारूमेर छे, सांगानेर नजीर।
फाइल नळ की अटक ज्या, लोग उड़ीके नीर!!

हरियाली अमावस्या मेला
पुष्कर घाटी जाम

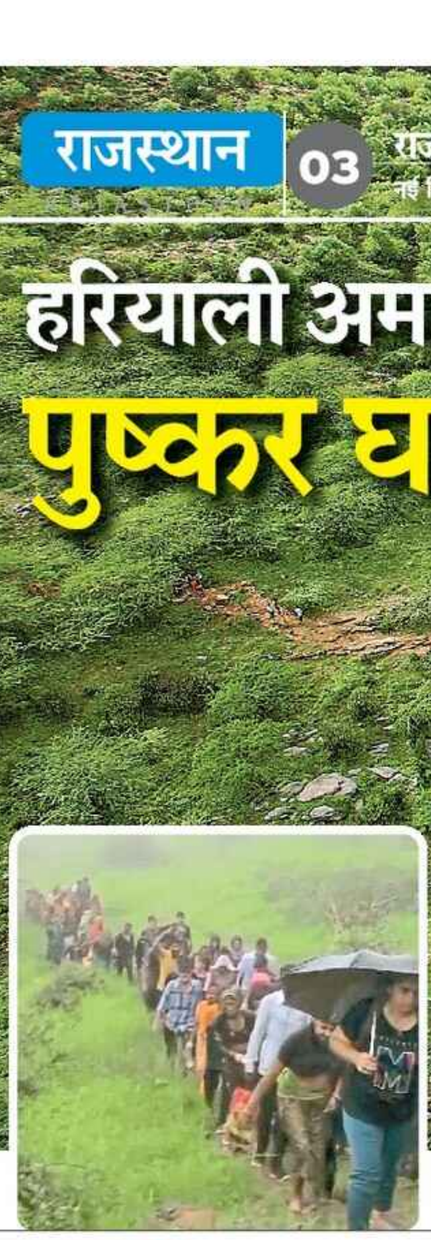

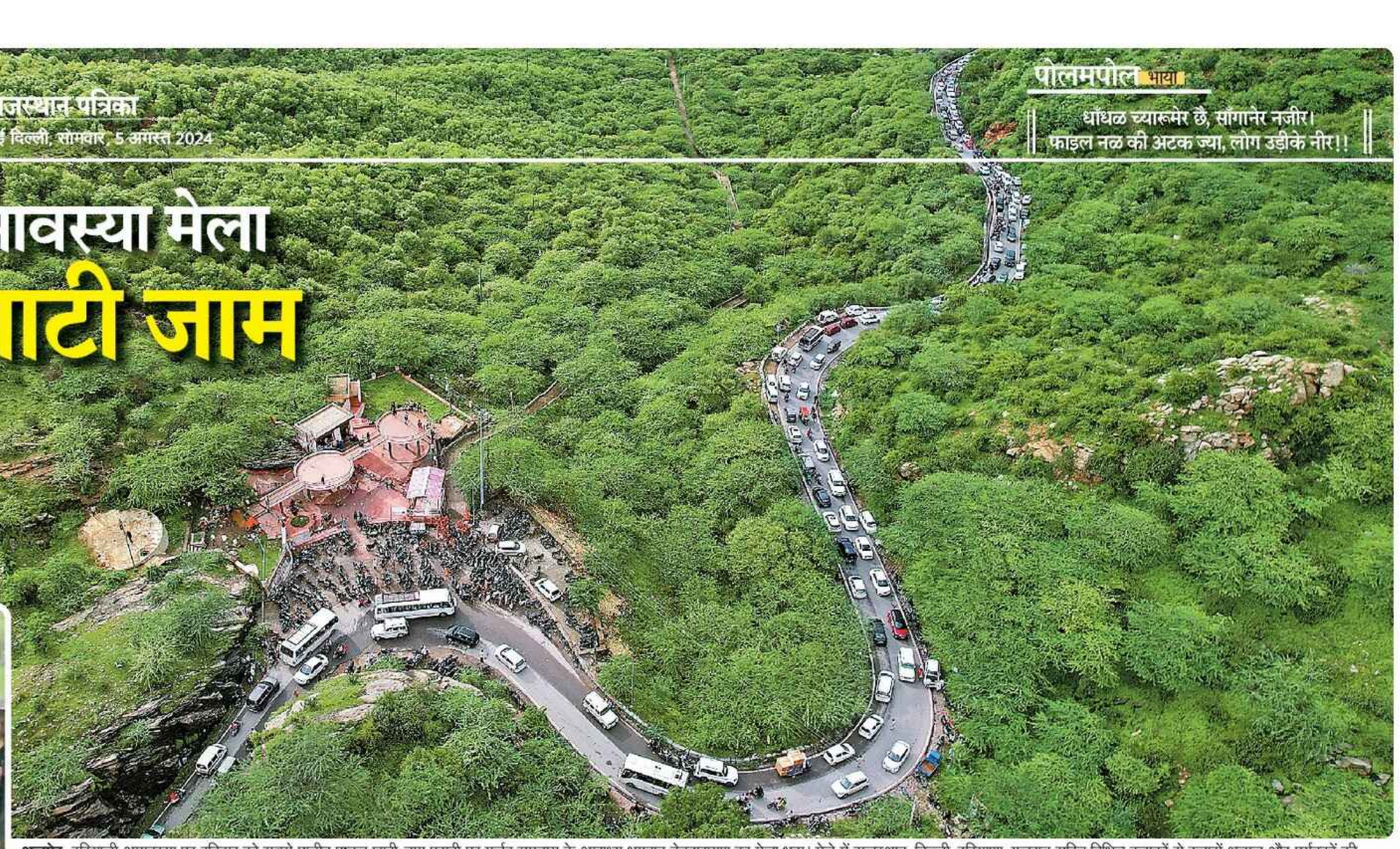

अजमेर. हरियाली अमावस्या पर रविवार को सबसे प्राचीन पुष्कर घाटी-नाग पहाड़ी पर गुर्जर समुदाय के आराध्य भगवान देवनारायण का मेला भरा। मेले में राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात सहित विभिन्न इलाकों से हजारों श्रद्धालु और पर्यटकों की आवाजाही रही। इससे महाराणा प्रताप स्मारक, सांझी छत और पुष्कर घाटी में वाहनों का जाम लग गया। देर शाम तक ट्रैफिक रेंगता रहा। इनसेट में नाग पहाड़ी पर पूजन के लिए जाते श्रद्धालु। ड्रोन फोटो : *जय माखीजा*

राजस्थान हाईकोर्ट

केस जिन पर रहेगी निगाह...
5 अगस्त से 11 अगस्त

□ तारीख-5 अगस्त
हाईकोर्ट: जयपुर पीठ
मामला : ओबीसी आरक्षण में शामिल जातियों के वर्गीकरण को लेकर जनहित याचिका पर बहस शुरू हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण की अनुमति देने से इस याचिका का महत्व बढ़ गया है।

□ तारीख-5 अगस्त
हाईकोर्ट: जयपुर पीठ
मामला : खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां होने को लेकर स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका। पिछले माह केंद्र व राज्य सरकार को सख्त कानून बनाकर मिलावट रोकने के निर्देश दिए थे।

□ तारीख-5 अगस्त
हाईकोर्ट: जयपुर पीठ
मामला : मेडिकल कॉलेजों में आवास सुविधा नहीं लेने पर भी महंगी हॉस्टल फीस वसूलने से विद्यार्थियों पर आने वाले अतिरिक्त आर्थिक भार का मामला। हाईकोर्ट ने कहा था, ऐसी फीस से अभिभावकों का बच्चों का पढ़ाना मुश्किल हो रहा है।

□ तारीख-5 अगस्त
हाईकोर्ट: जोधपुर प्रधानपीठ
मामला : प्रदेश की स्थायी लोक अदालतों में आठ साल से भर्ती नहीं। बिना स्टाफ स्थायी लोक अदालतों में हो रही परेशानी को लेकर जनहित याचिका।

□ तारीख-6 अगस्त
हाईकोर्ट: जोधपुर प्रधानपीठ
मामला : तालछापर अभयारण्य में कृष्ण मृगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उन्हें स्थानांतरित करने सहित अन्य पहलुओं को लेकर स्व प्रसंज्ञान से दर्ज याचिका की सुनवाई होगी।

प्रशासनिक हलचल...
5 अगस्त- हाईकोर्ट प्लेटिनम जुबली वर्ष पर जयपुर पीठ के कर्मचारियों का सम्मान।

10 अगस्त: राजस्थान बार कौंसिल की ओर से 'उभरते भारत में न्यायपालिका की भूमिका ' विषय पर सेमिनार। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि होंगे।

कोरोना इफेक्ट: खून के थक्के के बाद अब गलने लगी कूल्हे की हड्डी

पहले तो आर्थिक और मानसिक तौर पर तोड़ा... अब 'कमर' तोड़ रहा कोरोना

जयप्रकाश गहलोत
patrika.com

बीकानेर. कोरोना को गए तीन साल बीत गए, लेकिन इसके साइड इफेक्ट लोगों को आज भी दर्द दे रहे हैं। पहले हार्ट की आर्टिलरी में थक्के जमना और अब कूल्हे की हड्डी का गलना। डॉक्टरों के अनुसार राजस्थान भर में कोरोना से पीड़ित रहे लोगों में एवस्कुलर नेक्रोसिस (एवीएन) यानि बोन डेड के हजारों मामले देखने को मिल रहे हैं। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा बीकानेर संभाग में ऐसे मामले ज्यादा देखे गए हैं। बीकानेर संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल के अस्थि रोग विभाग की बात करें, तो साढ़े तीन साल में कूल्हे की हड्डी गलने के 171 मरीज रिपोर्ट हो चुके हैं। इनके स्वास्थ्य संबंधी हिस्ट्री का पता करने पर सामने आया कि यह सभी लोग कोरोना की चपेट में आए थे, जिन्हें स्टेरॉयड की हैवी डोज दी गई थी।

पत्रिका डे-स्पेशल मंडे मेगा स्टोरी

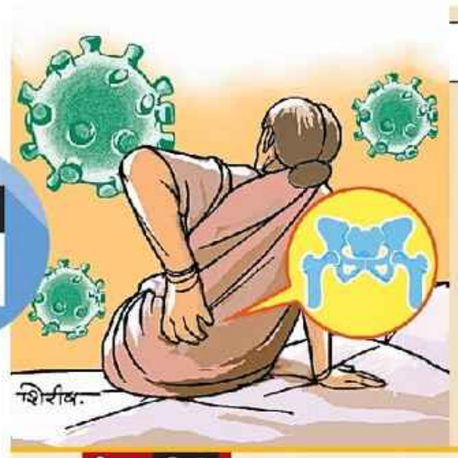

एवस्कुलर नेक्रोसिस के लक्षण

पीबीएम अस्पताल के अस्थि रोग विभाग के डॉ. संजय तंवर के मुताबिक, कोरोना के बाद मरीजों में फाइब्रोसिस, म्यूकर माइकोसिस, ऑस्टियोमोलाइटिस, पोस्ट कोविड इंफ्लेमेंट्री सिंड्रोम, इरेक्टाइल डिस्फंक्शन, पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसॉर्डर जैसी असामान्य बीमारियों के साथ डायबिटीज, हार्ट डिजीज, जोड़ों मे दर्द, यूरिन इंफेक्शन, लिवर इंफेक्शन, आंतों में इंफेक्शन, कमजोरी, भूख न लगना, सांस फूलना, ब्लड प्रेशर, वजन घटना या बढ़ना, सुन्नपन होना, आंखों की रोशनी कम होना, पेट दर्द और बुखार जैसी समस्याएं हो रही हैं।

केस 01

बीकानेर के खाजूवाला निवासी 40 वर्षीय माया के कल्हों में तेज दर्द रहता था। पीबीएम अस्पताल के अस्थि रोग विभाग के चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया कि कूल्हे की हड्डी खराब हो रही है। चिकित्सकों ने महिला का ऑपरेशन कर दोनों कूल्हे नए प्रत्यारोपित किए। महिला कोराना ग्रस्त हुई थी और दवा की हैवी डोज दी गई थी।

क्या है एवस्कुलर नेक्रोसिस

जांघ की हड्डी के ऊपरी गोल हिस्से हेड में खून का प्रवाह बंद होने से हड्डियों के ऊतक मर जाते हैं, जिसे एवस्कुलर नेक्रोसिस कहते हैं। खून न मिलने से गोल हड्डी चपटी होने लगती है, जिससे मूवमेंट बंद हो जाता है। अंतिम स्टेज पर हिप रिप्लेसमेंट इसका इलाज है।

केस 02

श्रीगंगानगर के 42 वर्षीय धर्मपाल के दाएं कूल्हे की हड्डी गलने के साथ-साथ दरक गई, जिससे असहनीय दर्द रहता था। मरीज ने श्रीगंगानगर और जयपुर में कई चिकित्सकों को दिखाया। बाद में वह बीकानेर के पीबीएम अस्पताल आया। यहां डॉ. बीएल खजोटिया की टीम ने जांच के बाद कूल्हे का प्रत्यारोपण किया।

आंकड़े बयां करते हकीकत

पीबीएम अस्पताल के अस्थि रोग विभाग के आंकड़ों के मुताबिक स्टरॉयड, शुगर, बीपी के कारण हड्डी के रोग उत्पन्न होते हैं। वर्ष 2018 में 10, 2019 में 12, 2020 में पांच कूल्हे की हड्डी गलने के मामले आए थे। कोरोना के बाद 2021 में 31 मामले, 2022 में 33, 2023 में 37 मामले सामने आए। 2024 के शुरुआती छह महीनों में 43 मरीज सामने आ चुके हैं। इनमें 101 के कूल्हे प्रत्यारोपित किए जा चुके हैं।

बदला पैटर्न

कूल्हे की हड्डी खराब होने की बीमारी 45 की उम्र के बाद लोगों में देखने को मिलती है। कोरोनाकाल के बाद अब यह बीमारी 20 से 40 उम्र तक के लोगों में भी रिपोर्ट हुई है। इन्हें कोरोनाकाल में पीड़ित होने पर हेवी डोज दी गई थी। **डॉ. बीएल खजोटिया,** वरिष्ठ आचार्य, अस्थि रोग विभाग, पीबीएम अस्पताल

एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

चालक को झपकी आई, कार आगे चल रहे ट्रक में घुसी

सवाईमाधोपुर. सूरवाल थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुरा टापरी गांव के पास हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार व मौजूद लोग।

त्रिलोकपुरा टापरी गांव के पास हादसा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सवाईमाधोपुर / मलारना डूंगर / सूरवाल. दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा रविवार सुबह छह बजे सूरवाल थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुरा टापरी गांव के पास हुआ। बनास नदी पुलिया पर सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार जनों की मौत हो गई, जबकि चालक सहित छह जने गंभीर घायल हो गए। घायलों में एक महिला को गंभीर हालत में कोटा रेफर कर दिया। शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया हैं। सूरवाल थानाधिकारी जयप्रकाश ने बताया कि चालक को झपकी लगने से कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। दुर्घटना के दौरान चालक ट्रक को दौड़ाता रहा। कार ट्रक में फंसकर करीब एक किलोमीटर तक घिसटते हुए चली गई। कार में सवार सभी लोग अपनी रिश्तेदार महिला का ऋषिकेश (उत्तराखंड) में क्रियाकर्म कर मध्यप्रदेश के विक्रमगढ़ आलोट लौट रहे थे। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

इनकी हुई मौत

हादसे में विक्रमगढ़ आलोट रतलाम निवासी राजन (22) , मोनिका (24), श्यामगढ़ मंदसौर निवासी रेखा (40) एवं तलोट उज्जैन निवासी धापू (65) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मोनिका और राजन भाई-बहन थे। शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं।

ये हुए घायल: घायलों में विक्रमगढ़ आलोट रतलाम निवासी चालक शकील खान (24), पायल (26) , कृष्णा (40) , एक साल की अदिति , बुलबुल (22) , ज्योति (37) हैं। गंभीर हालत में पायल को कोटा रेफर कर दिया।

काजीपुरा गंगा: अजमेर में पर्यटन के साथ जैव विविधता को मिलेगा संरक्षण

भैरव घाटी में 18 करोड़ रुपए से बनेगी लेपर्ड सफारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अजमेर. काजीपुरा भैरव घाटी में जल्द लेपर्ड सफारी बनाई जाएगी। इससे शहर में पर्यटन के साथ-साथ जैव विविधता को संरक्षण मिलेगा। रविवार को मुख्य वन संरक्षक शारदा प्रतापसिंह और अन्य अधिकारियों ने मौका-मुआयना किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर 18 करोड़ रुपए की लागत से काजीपुरा गंगा भैरव घाटी में लेपर्ड सफारी विकसित की जानी है। इसके लिए मुख्य वन संरक्षक शारदा प्रताप सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सिंह पूर्व में जयपुर में आमागढ़ लेपर्ड सफारी विकसित कर चुके हैं। रविवार को क्षेत्रीय वन अधिकारी बालूराम, वनरक्षक ओमप्रकाश, वन्य जीव प्रेमी कल्याण सिंह रावत, जय सिंह रावत ने गंगा भैरव घाटी कंजर्वेशन रिजर्व का दौरा किया। वन विभाग की मानें तो काजीपुरा वनखंड चामुंडा देवी एवं इसके आस-पास के क्षेत्रों में कई बार पैंथर विचरण करते दिख चुके हैं। इनके लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के लिए लेपर्ड सफारी विकसित की जा सकती है।

मुख्य वन संरक्षक सिंह ने बताया कि राज्य सरकार की काजीपुरा स्थित गंगा भैरव घाटी कंजर्वेशन रिजर्व में लेपर्ड सफारी बनाने की योजना है। यहां प्राकृतिक सौंदर्य, हरियाली, सम्राट पृथ्वीराज चौहान कालीन घुड़साल, सैनिक विश्राम गृह, भोज बगड़ावत की कर्म स्थली ,साधु-महात्माओं की धूनी एवं पहाड़ी दर्रे हैं। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

काजीपुरा स्थित गंगा भैरव घाटी, जहां बनेगी लेपर्ड सफारी।

यों बनेगी सफारी

- 5000 हेक्टेयर भूमि पर बनेगी सफारी
- 18 करोड रुपए आएगी लागत
- जापान से मिलेगा जेआइसीए प्रोजेक्ट में फंड
- केंद्र सरकार के कैंपा फंड से मिलेगी राशि

एनआइटी-ट्रिपलआइटी सीएसएबी काउंसलिंग

प्रथम राउंड का सीट आवंटन आज

कोटा @ पत्रिका. देश की एनआइटी, ट्रिपलआइटी, जीएफटीआइ के 98 कॉलेजों की 13466 खाली सीटों के लिए करवाई जा रही सीएसएबी काउंसलिंग के प्रथम राउंड का सीट आवंटन 5 अगस्त सुबह 10 बजे जारी किया जाएगा। ऐसे विद्यार्थी जिन्हें प्रथम राउंड में पहली बार किसी भी कॉलेज सीट का आवंटन होगा, उन्हें 7 अगस्त शाम 5 बजे तक इंस्टीट्यूट एडमिशन फीस जमा कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर ऑनलाइन रिपोर्टिंग करनी होगी। यह सीट असेप्टेंस फीस सामान्य व ओबीसी के लिए 35000 एवं एससी-एसटी के लिए 12500 रुपए रखी गई है।

बाखासर के भाडा पोस्ट के वॉच टॉवर पर था तैनात

बीएसएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बाड़मेर. भारत-पाक बॉर्डर के बाखासर क्षेत्र की भाडा पोस्ट पर तैनात बीएसएफ के जवान ने रविवार सुबह ड्यूटी के दौरान सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर बीएसएफ व पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई।

बाखासर थाना पुलिस के अनुसार जम्मू कश्मीर निवासी कांस्टेबल बनारसी लाल (50) बीएसएफ की 83 बटालियन में पदस्थापित था, जो भाडा पोस्ट के वॉच टॉवर पर ड्यूटी कर रहा था। रविवार सुबह सर्विस राइफल से खुद को गोली मार दी। गोली गर्दन व सीने पर लगने से मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर बीएसएफ व पुलिस अधिकारियों ने जवान का शव राजकीय अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया। जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम हुआ। जवान के आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

एसडीएम की पहल **तहसीलदार, विकास अधिकारी, चिकित्सक हर शनिवार अपने क्षेत्र के स्कूलों में लेंगे एक-एक कालांश**

अब सरकारी स्कूलों में क्लास लेंगे अफसर...बच्चे पढ़ेंगे-आगे बढ़ेंगे

अब्दुल माहिर
patrika.com

मलारना डूंगर(सवाईमाधोपुर). प्रदेश के अधिकांश सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के पद रिक्त होने से पढ़ाई ठप हो रही है। ऐसे में मलारना डूंगर क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को तहसीलदार, विकास अधिकारी, चिकित्सक, इंजीनियर, कृषि अधिकारी पढ़ाते नजर आएंगे। क्षेत्र के उपखंड अधिकारी बद्रीनारायण विश्नोई की पहल पर अब ये अधिकारी अपने पदस्थापित कार्यक्षेत्र के निकट स्कूलों में प्रत्येक शनिवार को जाएंगे और अपने-अपने विषय से संबंधित कम से कम एक कालांश लेंगे। उपखंड अधिकारी का कहना है कि वे छात्रों को हिंदी और राजनीति शास्त्र पढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में इन अधिकारियों से चर्चा की गई। इसके बाद ही निर्णय किया गया कि वे स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे। इसके अलावा अधिकारी विद्यार्थियों से बातचीत कर काउंसलिंग करेंगे। साथ ही उन्हें सही विषय चुनने और कॅरियर गाइडेंस में मदद करेंगे।

मलारना डूंगर. राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तारनपुर में छात्रों से संवाद करते उपखंड अधिकारी बद्रीनारायण विश्नोई।

जिले में शैक्षणिक स्टाफ के 1935 पद रिक्त

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की साइट पर प्रदर्शित आंकड़ों की मानें तो जिले में विभिन्न श्रेणियों के विषयवार 6893 शैक्षणिक स्टाफ के पद स्वीकृत हैं। इनमें 4958 पदों पर शैक्षणिक स्टाफ कार्यरत हैं। मलारना डूंगर में विभिन्न विषयों सहित 483 शैक्षणिक स्टाफ के पद स्वीकृत हैं। 369 कार्यरत है। उपखंड क्षेत्र में शैक्षणिक स्टाफ के 114 पद रिक्त हैं। मलारना डूंगर उपखंड क्षेत्र में प्रधानाचार्य के 38 प्रतिशत, उप प्राचार्य के 55 प्रतिशत, व्याख्याता के 30 प्रतिशत और वरिष्ठ अध्यापकों के 22 प्रतिशत पद रिक्त चल रहे हैं।

इसलिए उठाया यह कदम

ज्यादातर सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। ऐसे में सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की पढ़ाई में परेशानी को देखते हुए मलारना डूंगर उपखंड अधिकारी ने उपखंड क्षेत्र में कार्यरत तहसीलदार, विकास अधिकारी, चिकित्सक, इंजीनियर, कृषि अधिकारी, पत्रकारिता और सूचना प्रौद्योगिकी के अधिकारियों से चर्चा कर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार की पहल की है।

विद्यार्थी हित में ब्लॉक के युवा तहसीलदार, चिकित्सक, इंजीनियर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अपने पसंद के विषय को सरकारी विद्यालयों में पढ़ाने की पहल से विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी।

बद्रीनारायण विश्नोई, उपखंड अधिकारी मलारना डूंगर

शिक्षा के क्षेत्र में यह नवाचार नींव का पत्थर साबित होगा। यह सच है स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद होने से पढ़ाई प्रभावित होती है।

- हरकेश मीना, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, मलारना डूंगर

स्कूलों में नामांकन बढ़ाने की पहल

बीकानेर: विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का होगा सर्वे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का सर्वे किया जाएगा। इसके बाद यह सूची संबंधित संस्था प्रधान को सौंपी जाएगी। ताकि विद्यालयों में नामांकन बढ़ाया जा सके। इसे लेकर सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में दिव्यांगता की सभी 21 श्रेणियों के विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का सर्वे, चिह्निकरण कर स्कूलों में नामांकन तथा विभिन्न पोर्टल पर प्रविष्टि का कार्य किया जाएगा। इसके लिए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के अधीन कार्यरत विशेष शिक्षकों एवं संदर्भ व्यक्ति को विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के सर्वे एवं चिह्निकरण करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ये कार्मिक संबंधित परिक्षेत्र के विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का सर्वे, चिह्निकरण एवं विद्यालय में नामांकन तथा विभिन्न पोर्टल पर प्रविष्टि का कार्य भी करेंगे। सूची के अनुसार संस्था प्रधान आउट ऑफ स्कूल, ड्रॉप आउट तथा अनामांकित विशेष आवश्यकता वाले प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन कराने की कार्रवाई करेंगे।

'वंचितों को बधाई!' पर प्रतिक्रियाएं

वास्तविक हकदारों की पहचान ही दिला पाएगा वंचितों को हक

*अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग में आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले को वंचितों के हक में बताते हुए पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी के अग्रलेख 'वंचितों को बधाई' को प्रबुद्ध पाठकों ने फैसले की पालना की जरूरत पर ध्यान दिलाने वाला बताया है। पाठकों का कहना है कि जिस उद्देश्य से आरक्षण का प्रावधान हमारे संविधान निर्माताओं ने किया था उसे पूरा करने के काफी प्रयास हुए हैं, लेकिन यह भी सही है कि इसके बावजूद आरक्षित वर्ग का एक हिस्सा इसका फायदा लेने में ज्यादा सफल हुआ तो एक बड़ा हिस्सा इससे वंचित रहा। सामाजिक न्याय का सिद्धांत यही कहता है कि समान रूप से सबको इसका लाभ दिया जाना चाहिए। **पाठकों की प्रतिक्रियाएं विस्तार से-***

अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण में उपवर्गीकरण किस तरह से हो सकेगा इसको लेकर अभी सब कुछ साफ नहीं है। वर्गीकरण की व्यवस्था जातिगत जनगणना के आधार पर ही हो सकती है। मौजूदा परिदृश्य में केन्द्र सरकार जातिगत जनगणना के पक्ष में लगती नहीं। हालांकि यह साफ है कि वर्गीकरण ठीक तरीके से हुआ तो वंचित वर्ग को फायदा मिलेगा। **-घनश्याम सिंह,** एडवोकेट, जयपुर

आरक्षण का प्रावधान जिस उद्देश्य से किया गया था वह पूरा नहीं हो पाया है। राजनीति के चक्कर में एक वर्ग आरक्षण का लाभ पाने से वंचित रहता आया है। अब तक का अनुभव बताता है कि आरक्षण का एक बार जो फायदा ले चुके हैं उन्हीं के परिजन आगे भी फायदा लेते रहे हैं। समृद्ध और जरूरतमंदों के बीच अंतर तो होना ही चाहिए। **-सुरेश सैनी,** जयपुर

यह लम्बे समय से महसूस किया जा रहा है कि आरक्षण का फायदा वास्तविक हकदारों तक नहीं पहुंच पा रहा। इसकी वजह यह है कि आरक्षण की सीढ़ी चढ़कर कुछ लोग तो ऊपर पहुंच गए पर अधिकांश अब भी जहां के तहां हैं। अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में कोटे में कोटा को सही ठहराते हुए सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देश भी इसी भावना से दिए गए हैं ताकि जरूरतमंदों को आरक्षण दिया जा सके। अब यह राज्यों पर निर्भर है कि वे इसे कैसे लागू करें, करें भी या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला तो दे दिया है पर इसकी पालना में अड़चनें आना तय है। समुचित व स्पष्ट दिशा-निर्देश ही इस समस्या के समाधान की राह निकाल सकते हैं। **-नरेश चन्द्र शर्मा,** जयपुर

उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ का फैसला वाकई अजा व जजा वर्ग के वंचित समाजों के लिए राहत देने वाला है। समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए इन वर्गों को आरक्षण की सुविधा दी गई थी। आजादी के 75 साल बीत जाने पर भी हालात बदले नहीं हैं। चंद लोग ही इसका फायदा उठा रहे हैं और जो वंचित हैं, उनके हालात आज भी वैसे ही हैं जैसे पहले थे। अग्रलेख में सही कहा है कि यह फैसला वंचितों को आगे लाने में सहायक बनेगा। **-डॉ. सतीश शर्मा,** श्रीगंगानगर

उच्चतम न्यायालय ने तो अपना फैसला दे दिया। अब यह केन्द्र व राज्य सरकारों का दायित्व बनता है कि वह इस फैसले का फायदा वंचितों को ही दिलवाएं। आरक्षण का फायदा लेकर जो लोग समृद्ध हो चुके हैं वे आगे भी फायदा लेते रहने की गली निकालेंगे। सीधी बात यह कि इन वर्गों में आरक्षण का लाभ लेकर जो उच्च पदों पर आसीन हो गए उनके परिवार की बजाय उस परिवार के बच्चे को आरक्षण मिलना चाहिए जो दो जून की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है। **-प्रताप सिंह** शेखावत, अधिवक्ता, श्रीगंगानगर

अग्रलेख आरक्षण प्रावधानों के बावजूद आरक्षित वर्ग में ही ऊंच-नीच की खाई को दर्शाता है। यह सही भी है कि जिन लोगों को वास्तव में आरक्षण की जरूरत थी वे इसका फायदा ले ही नहीं पाए। शिक्षा, नौकरी व राजनीति तक में आरक्षण से वंचित वर्गों का एक हिस्सा ही आगे आ सका है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला निश्चित ही कोई नई राह खोलेगा। **-राजेश भगत,** बुरहानपुर

सही मायने में आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था ने आरक्षित वर्ग को ही बांटने का काम किया है। आरक्षण का फायदा जिसने एक बार ले लिया उसे दोबारा क्यों दिया जाए? अब तक तो आरक्षण का लाभ लेने वाले भी दूसरों की चिंता करने के जगह अपने परिवारों में ही सिमटते दिखते हैं। **-उमेश जैन,** सिवनी

अग्रलेख में यह सही कहा कि अनुसूचित व जनजाति वर्ग में आरक्षण की व्यवस्था वंचित लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने की जो राह सुप्रीम कोर्ट ने खोली है उससे राजनीति में बड़ी हलचल मचेगी। अब देखना यह है कि राज्यों में इस आदेश को किस रूप में लागू करने की तैयारी होती है। **-भगत सिंह,** सागर

आरक्षण लागू करते वक्त जो हालात थे उनमें काफी-कुछ बदलाव आया है। फिर भी यह कहा जा सकता है कि जिस वर्ग के लिए आरक्षण लागू हुआ था, उसी वर्ग का एक तबका आरक्षण के लाभ से वंचित हो रहा है। आरक्षण नीति और इसकी प्रक्रिया की समीक्षा नितांत आवश्यक है, तभी इसका लाभ उन लोगों को मिल पाएगा जिन्हें वास्तव में इसकी अवश्यकता है। **-रोशनी प्रसाद मिश्रा,** सीधी

आरक्षण अब खास तौर से राजनीति का प्रमुख हथियार बन गया है। कई अवसरों पर हमारी प्रतिभाएं आरक्षण के कारण अवसरों से वंचित हो जाती हैं। हमारे यहां से प्रतिभा पलायन की एक वजह यह भी है। आरक्षण की व्यवस्था पर ही पुनर्विचार करने का वक्त आ गया है। **-अरविंद दुबे,** जबलपुर

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय देश को समानता की गारंटी देने वाला हैं। यह सही है कि अजा व जजा वर्ग में भी अत्यंत पिछड़े लोग हैं जो आज तक आरक्षण का फायदा ले ही नहीं पाए। आरक्षण सिर्फ सरकारी नौकरी देने के मकसद से ही नहीं होना चाहिए। **-सोमेश वर्मा,** रतलाम

यह सही है कि देश में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व पिछड़े वर्ग को जिस सोच व मकसद से आरक्षण का लाभ दिया गया था, वह अभी भी पूरा नहीं हुआ है। आज भी इन वर्गों के कल्याण के लिए आरक्षण की महती आवश्यकता है, इसे जारी रखा जाना चाहिए। यह भी सही है कि इन वर्गों में कुछ जाति के लोग अभी भी बेहद पिछड़े हुए हैं, उनके भी कल्याण की आज बेहद आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट का हाल ही का निर्णय भी उसी भावना के अनुरूप है। **-नरेंद्र सलूजा,** इंदौर

आरक्षण के नाम पर कुछ राजनीतिक संगठनों की ओर से कई वर्षों तक सियासी रोटी सेंकी गईं। लेकिन जब न्यायालय में असली वंचितों की बात हुई तो कई ने चुप्पी साध ली। वंचितों की आवाज को अग्रलेख के जरिए मजबूती से उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में निश्चित तौर पर समानता के साथ सामाजिक गारंटी का भाव है। **-भंवर सिंह,** शिक्षक, सीकर

सुप्रीम कोर्ट को वंचितों को समानता की गारंटी देने के लिए खुद गाइडलाइन तय करनी होगी। ऐसे किए बिना वंचितों की आवाज मजबूत नहीं हो सकेगी। अग्रलेख में आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था के बारे में काफी सटीक लिखा है। यदि अब भी राज्य सरकारों पर छोड़ दिया तो कई वर्षों तक यह लागू ही नहीं हो सकेगा। **-धर्मेन्द्र शर्मा,** सीकर

पाली : बांडी नदी में उपखण्ड स्तर या प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने नहीं दिए निर्देश

बिना इजाजत बांडी नदी में बुलडोजर, कहीं दाग तो साफ नहीं कर रहे!

ट्रीटमेंट प्लांट संख्या चार के आगे नदी में चल रहा था बुलडोजर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली. बांडी नदी में बुलडोजर से निकाली जा रही मिट्टी व खड़ा डम्पर।

पाली. शहर की बांडी नदी में बुलडोजर से मिट्टी खोदकर डम्पर में भरी जा रही थी। जबकि इसकी इजाजत उपखण्ड स्तर से नहीं ली। प्रदूषण नियंत्रण मण्डल की ओर से भी नदी में बुलडोजर चलाकर कार्य करने को नहीं कहा गया। यह कार्य चल रहा था ट्रीटमेंट प्लांट संख्या चार के निकट नदी में। इससे यह आशंका होती है कि प्रदूषण के दाग हटाने के लिए यह कार्य किया जा रहा था।

सीइटीपी पर हाल ही में प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से ट्रीटमेंट संख्या छह से नदी में अंडरग्राउंड पाइप के माध्यम से प्रदूषित पानी छोड़ने पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। उसके ट्रीटमेंट प्लांट संख्या चार के संचालन की अनुमति की अवधि समाप्त हो गई है। जहां से पानी नदी में छोड़ा जा सकता था। अब प्लांट चार के पास बुलडोजर व डम्पर से मिट्टी निकालने पर सवाल खड़े हो रहे है। बड़ा सवाल यह है कि यह प्रदूषित पानी छोड़ने के बाद छुटे निशान हटाने की कवायद तो नहीं है। इस सवाल का कारण यह है कि नदी में सफाई के लिए इस बार प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से नहीं कहा है।

उपखण्ड स्तर से भी अनुमति नहीं ली है। दूसरा कारण यह है कि जब जेडएलडी प्लांट संख्या छह से प्रदूषित पानी छोड़ा जा सकता है तो प्लांट चार से ट्रीटेड पानी छोड़ने की अनुमति होने पर प्रदूषित पानी भी आसानी से छोड़ा जा सकता है।

किसानों ने जताई थी नाराजगी

किसानों ने बरसात से पहले नदी में प्रदूषित पानी आने से बांडी नेहड़ा बांध का पानी खराब होने पर नाराजगी जताई थी। उस समय नदी में सफाई करवाकर बरसात के समय बांध भरने व सिंचाई होने तक प्रदूषित पानी को रोकने को कहा था। इसके बाद नदी में सफाई करवाई थी।

खुदाई या सफाई की अनुमति नहीं दी

नदी में बुलडोजर से खुदाई या सफाई को लेकर कोई अनुमति नहीं दी है। बिना अनुमति नदी में मिट्टी निकालना गलत है।
अशोक कुमार बिश्नोई, उपखण्ड अधिकारी, पाली

बांडी नदी में बरसात से पहले सफाई के लिए कहा था। अभी हमारी तरफ से ऐसा कुछ भी करने को नहीं कहा गया है।
राहुल शर्मा, आरओ, प्रदूषण नियंत्रण मंडल, पाली

राजस्थान से भेजी डीपीआर पर हरियाणा की मंजूरी बाकी

शेखावाटी में यमुना के पानी पर हरियाणा चुनाव का संकट!

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

डीपीआर में हुई डेढ़ महीने की देरी

सीकर @ पत्रिका. शेखावाटी में यमुना के पानी का प्रोजेक्ट नाजुक मोड़ में पहुंच गया है। केंद्र, हरियाणा व राजस्थान सरकार के बीच फरवरी में हुए समझौते के बाद राजस्थान सरकार ने तो प्रोजेक्ट की डीपीआर (डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाकर हरियाणा सरकार को भेज दी है, लेकिन प्रोजेक्ट में तीन जिले शामिल होने की वजह से हरियाणा सरकार भी उस पर मंथन करेगी। जिसके लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। अब चूंकि हरियाणा में अक्टूबर में ही विधानसभा चुनाव संभावित हैं। ऐसे में हरियाणा से डीपीआर की मंजूरी करीब डेढ महीने के भीतर मिलना जरूरी हो गया है। क्योंकि इसके बाद पहले चुनावी आचार संहिता में ये काम अटक सकता है। फिर यदि हरियाणा में सत्ता परिवर्तन हो गया तो भी राजस्थान से अलग दल की सरकार होने पर प्रोजेक्ट के खटाई में पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

शेखावाटी में यमुना के पानी के लिए 17 फरवरी को नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर व राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के बीच समझौता हुआ था। जिसमें करीब 30 हजार रुपए के प्रोजेक्ट के लिए नई डीपीआर चार महीने में तैयार किया जाना तय हुआ था। पर समझौते के साढ़े पांच महीने बाद भी डीपीआर फाइनल नहीं हो पाई है।

शेखावाटी को मिलना है 1917 क्यूसेक पानी

समझौते के तहत शेखावाटी के सीकर, चूरू,झुंझुनूं व नीमकाथाना जिले को यमुना नदी की बाढ़ का 1917 क्यूसेक पानी भूमिगत पाइन लाइनों से मिलना है। ये पानी बरसात के जुलाई से अक्टूबर महीनों में 123 दिन दिया जाना प्रस्तावित है। जिसके भंडारण की योजना है।

पहले हरियाणा के तीन जिलों की पूर्ति, फिर शेखावाटी को मिलेगा पानी

शेखावाटी के चार जिलों के अलावा प्रोजेक्ट में हरियाणा के भी तीन जिलों को शामिल किया गया है। ये जिले भिवानी, चरखी-दादरी व हिसार हैं। जिनमें पानी की पूर्ति के बाद यमुना की बाढ़ का अतिरिक्त पानी शेखावाटी को दिया जाएगा।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने विधानसभा के बाद पिछले सप्ताह जयपुर में भी कहा था कि हरियाणा के लिए जरूरी 24 हजार क्यूसेक पानी की पूर्ति के बाद बचा हुआ पानी राजस्थान को दिया जाएगा।

बाइक फिसलने से दो घायल

पोकरण @ पत्रिका . क्षेत्र के रामदेवरा गांव के पास बाइक फिसलने से एक महिला सहित दो जने घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, एक बाइक पर सवार स्थानीय निवासी आदित्यराज (18) पुत्र जयप्रकाश व माधुरी (23) पत्नी रोहित रंगा रामदेवरा की तरफ जा रहे थे। रामदेवरा से पोकरण रोड पर गोशाला के पास अचानक संतुलन बिगड़ जाने से बाइक रपट गई और दोनों घायल हो गए। एम्बुलेंस से घायलों को पोकरण के राजकीय अस्पताल लेकर आए।

ट्रैक्टर की टक्कर से बालक घायल

भीनमाल @ पत्रिका. कोरा गांव में बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मोटरबाइक पर जा रहे चाचा-भतीजे को टक्कर मार दी। हादसे में बालक गंभीर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, बाबूलाल (30) व उसका भतीजा हरीश कुमार चौधरी (10) को कोरा गांव में बाइक खड़ी करते ही बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी। करीब 15 मिनट तक दोनों घटना स्थल पर तड़पते रहे। लोगों ने दोनों को भीनमाल के निजी अस्पताल में पहुंचाया। यहां से घायल हरीश कुमार को जोधपुर एम्स के लिए रेफर कर दिया।

निजी अस्पताल पर लगाया किडनी निकालने का आरोप, पोस्टमार्टम में दोनों मिली

सुमेरपुर/पाली @ पत्रिका. सुमेरपुर शहर में संचालित एक निजी हॉस्पिटल में मरीज के ऑपरेशन के दौरान किडनी गायब करने का आरोप मृतक के परिजनों ने लगाया है। मामले को लेकर परिजनों और समाजबंधुओं ने थाने के बाहर प्रदर्शन कर डॉक्टर के गिरफ्तारी की मांग की। मृतक का पाली जिला मुख्यालय पर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दोनों किडनियां मिली हैं।

सुमेरपुर निवासी मुकेश कुमार सरगरा ने रिपोर्ट दी कि उसके ससुर रमेश कुमार सरगरा के पेट में दर्द होने पर 3 जुलाई को एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया कि मरीज में पेट में पथरी और पित्त की थैली में कैंसर है। उसे भर्ती किया गया तथा तीन दिन के उपचार के बाद धीरे-धीरे ठीक होने का बताकर छुट्टी दे दी। दर्द कम नहीं होने पर 8 जुलाई को वापस अस्पताल लाए चिकित्सकों ने मरीज को भर्ती कर इलाज शुरू किया। डॉक्टरों ने बताया कि पित्त की थैली से कैंसर की गांठ निकालने के लिए ऑपरेशन करना पड़ेगा। परिजनों की सहमति देने पर 9 जुलाई को डॉ एसएस दास ने ऑपरेशन किया। 15 जुलाई को डॉ दास ने कहा कि कैंसर शरीर में फैला है इन्हें घर लेकर जाओ और सेवा करो।

आज धरनास्थल के नजदीक होगी जनसभा

चनाना को तहसील बनाने की मांग, धरना जारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कस्बे को तहसील बनाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण।

चनाना . चनाना को तहसील बनाने की मांग को लेकर चनाना तहसील संघर्ष समिति के बैनर तले दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता मानोता जाटान सरपंच भादरमल ने की। धरने में वक्ताओं ने चनाना को तहसील बनाने की मांग रखी। वहीं संघर्ष समिति पदाधिकारियों ने चनाना व्यापार मंडल के सदस्यों से चर्चा की। इसमें सोमवार को धरना स्थल के पास जनसभा रखने का निर्णय लिया गया। इसके लिए व्यापार मंडल ने पूर्ण समर्थन देते हुए सोमवार को एक बजे तक स्वैच्छिक बंद रखने की बात कही। चनाना के निजी विद्यालयों ने भी जनसभा को पूरा समर्थन दिया। तहसील की मांग को लेकर विद्यार्थियों द्वारा प्रभात फेरी व रैली निकाली जाएगी। जनसभा में चनाना के आस-पास के ग्रामवासी व चनाना के व्यापारी शामिल होकर पुरजोर तरीके से चनाना को तहसील बनाने की मांग रखेंगे।

उधर, धरने में वक्ताओं ने कहा कि चनाना के विकास के लिए तहसील का दर्जा दिया जाना बहुत जरूरी है। इस मौके पर झुंझुनूं भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष शीशराम नेहरा, शिक्षक नेता राजकुमार मूंड, रिसालसिंह, रविंद्र पायल मानोता जाटान, अभय सिंह मूंड, दिलीप नेहरा, यशपाल धींवा, अजीत कुल्हरी, जयकरण बराला, नरोत्तम शर्मा, मनोज केडिया, मांगीलाल कुल्हरी, अमीचंद नेहरा, जयनारायण धींवा, विद्याधर धींवा, अंकित कुमार, महावीर नेहरा, विनोद जांगिड़, प्रताप स्वामी, देवेंद्र धींवा, राधा कृष्ण केडिया, नेकीराम कस्वां, नरेश स्वामी, सुनील स्वामी, कैलाश कुमावत, केसर डिग्रवाल, भालाराम लोदीपुरा, लोकेश खटाना, दिनेश कुमार, राजेंद्र शर्मा, राकेश धींवा, प्रमोद, विकास कुमार, सुनील कुमार, संदीप सोमरा आदि मौजूद थे।

बस परिचालक के साथ मारपीट, केस दर्ज

पोकरण @ पत्रिका . क्षेत्र के भणियाणा गांव में एक निजी बस परिचालक के साथ हुई मारपीट को लेकर पुलिस में मामला दर्ज किया गया है। भणियाणा पुलिस के अनुसार जीयासर झलोड़ा निवासी उम्मेदसिंह ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि उसकी एक निजी बस फलसूंड से पोकरण के बीच गत 2005 से संचालित होती है। गत 31 जुलाई को चालक व परिचालक का फोन आया कि भणियाणा बस स्टैंड पर दूधासर निवासी अरशदखां, पन्नासर निवासी इकबालखां व दो अन्य ने बस को रुकवाया और हफ्ता देने की मांग की। परिचालक दुर्गाराम ने रुपए देने से मना किया तो उन्होंने उसके साथ धक्का-मुक्की कर मारपीट की। चालक रावलसिंह ने बीच बचाव कर छुड़ाया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और बस को रवाना किया।

आज का राशिफल सोमवार, 05 अगस्त 2024

मेष	चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ कार्यों में रुकावट आ सकती है। कार्य स्थल पर खराब हो रही मशीनरी के लिए वास्तु अनुसार परिवर्तन कराने से लाभ होगा।
वृषभ	ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो मांगलिक कार्यों में खर्च होगा। विरोधी सक्रिय होंगे। कारोबार में विस्तार होगा। नए मित्र बनेंगे। रिश्तों में दरार संभव है।
मिथुन	क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह पारिवारिक सौहार्द बना रहेगा। किसी रिश्तेदार की मदद से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार में परिवर्तन के योग हैं।
कर्क	हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो प्रोफेशन से ना खुश हैं, समय के साथ स्थिति आप के अनुकूल बनेगी। जीवनसाथी का व्यवहार मनोबल बढ़ाएगा।
सिंह	मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे सहकर्मियों से बातों में नर्मी लाएं। विदेश में व्यापार स्थापित करने का विचार सफल होगा। नौकरी बदल सकती है।
कन्या	टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो हितकारी समय चल रहा है। सप्रयोजन यात्रा से लाभ होगा। महत्वपूर्ण अनुबंध आज हो सकते हैं। नेत्र रोग से पीड़ित रहेंगे।
तुला	रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते समय की अनुकूलता रहेगी। परिवारजनों के सहयोग से बड़ा काम हो सकता है। जमीन जायदाद मामले सुलझ सकते हैं।
वृश्चिक	तो, ना, नी, नू, या, यी, यू दिन की शुरुआत में आलस के चलते कुछ न करने का मन होगा। जरूरी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें।
धनु	ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे कारखाने में नई मशीनरी के लगने से लाभ होगा। समय अपने पराये की पहचान करा देगा। वाहन सुख संभव।
मकर	भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी आप की चंचलता के चलते सम्बन्ध कमजोर होंगे। कार्य को करने से पहले उसे समझें उसके प्रति समर्पित रहें।
कुम्भ	गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा समय रहते कार्यों को पूर्ण करें। लम्बे समय से भूमि सम्बन्धी कार्य रुका हुआ है, उसके प्रति आप लापरवाही कर रहे हैं।
मीन	दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि किसी भी कार्य को करने के लिए आत्मविश्वास होना चाहिए। हिम्मत से आगे बढ़ें, सफलता मिलेगी। घरेलू खर्च बढ़ेंगे।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	वर्षा
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	मुहर्रम-29	मास:	श्रावण
शाके सम्वत:	1946	अयन:	दक्षिणायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

सोमवार, 05 अगस्त, 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से प्रात: 07-36 तक अमृत, प्रात: 09-11 से पूर्वाह्न 10-54 तक शुभ तथा दोपहर बाद 02-10 से सूर्यास्त तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 12-06 से दोपहर 12-59 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

शुभ तिथि: प्रतिपदा नन्दा संज्ञक तिथि सायं 06-04 तक, तदन्तर द्वितीया भद्रा संज्ञक तिथि है। वैसे शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा में शुभ व विवाहादि अन्य मांगलिक कार्य शुभ नहीं माने गये है, पर द्वितीया में सभी शुभ व मांगलिक कार्य करने चाहिए। शुक्ल प्रतिपदा में देवी कार्य व नवरात्रा सम्बन्धी कार्य शुभ कहे गए हैं।

नक्षत्र: अश्लेषा "तीक्ष्ण व अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र अपराह्न 03-21 तक, तदुपरान्त मघा "उग्र व अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र है। अश्लेषा व मघा दोनों गण्डान्त मूल संज्ञक नक्षत्र भी हैं। अश्लेषा नक्षत्र में शत्रु मर्दन, व्यापार, साहस आदि व मघा नक्षत्र में पैतृक कार्य, तालाब, कुआं व विवाह आदि कार्य करने योग्य हैं।

योग: व्यातिपात नामक नैसर्गिक अशुभ योग प्रात: 10-38 तक तदुपरान्त वरियान नामक नैसर्गिक शुभ योग है।

विशिष्ट योग: कुमार योग दोपहर बाद 03-21 से सायं 06-04 तक। कुमार योग में शिक्षा-दीक्षा, लेना-देना, मैत्री करना और व्रतादि शुभ होते हैं।

करण: बव नामकरण सायं 06-04 तक, तदन्तर बालवादि करण हैं।

व्रतोत्सव: व्यतिपात पुण्यं, तीसरा श्रावण वन सोमवार व्रत तथा गण्डमूल सम्पूर्ण दिवरात्रि है।

चंद्रमा : चंद्रमा अपराह्न 03-21 तक कर्क राशि में तदन्तर सिंह राशि में होगा।

ग्रह वक्री-मागी : बुध वक्री प्रात: 10-25 से।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज मघा नक्षत्र में सगाई व रोका, बोरिंग करवाना, कुआं बनवाना तथा विवाह का अतिआवश्यकता में मृत्यु पंचक दोष युक्त मुहूर्त है।

दिशाशूल: सोमवार को पूर्व दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार अपराह्न 03-21 तक उत्तर दिशा की व इसके बाद व पूर्व दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यममान से): प्रात: 7-30 बजे से प्रात: 9-00 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (डे, डो, म, मी, मू) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। अपराह्न 03-21 तक जन्मे जातकों की जन्म राशि कर्क व इसके बाद जन्मे जातकों की जन्मराशि सिंह हैं। कर्क राशि के स्वामी चन्द्रमा व सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं। सामान्यत: ये जातक नेकी व बुराई की परवाह नहीं करने वाले, तीक्ष्ण स्वभाव, शत्रुजयी, व्यापार से लाभ उठाने वाले और महत्वाकांक्षी होते हैं। इनका भाग्योदय 25 वर्ष की आयु के बाद होता है। कर्क राशि वाले जातकों की कार्य-व्यवसाय की स्थिति में सुधार होगा। नौकरी पेशा वाले जातकों की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में प्रगति भी होगी।

कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के मथुरा रोड स्थित पेट्रोल पंप पर हाईटेंशन लाइन से हादसा, दो गंभीर

करंट की चपेट में आने से 5 कर्मचारी झुलसे, एक मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हाथरस. कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के मथुरा रोड हतीसा के निकट रविवार दोपहर पेट्रोल पंप पर काम कर रहे पांच कर्मचारी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से झुलस गए। इससे अफरा-तफरी मच गई। झुलसे कर्मचारियों को इलाज के लिए बागला संयुक्त जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने एक को मृत घोषित कर दिया। दो लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें रेफर कर दिया गया। दो कर्मचारियों की प्राथमिक उपचार देने के बाद छुट्टी कर दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

करंट से घायल युवक को जिला अस्पताल ले जाते हुए

पेट्रोल पंप पूर्व ऊर्जा मंत्री राम उपाध्याय के भाई का है। यहां तैनात कर्मचारी लोहे की सीढ़ी से कुछ काम कर रहे थे। इसी दौरान हाईटेंशन लाइन से संपर्क हो गया। इससे पूरी सीढ़ी में करंट उतर आया जिससे गिरीश (35), विष्णु (21), आशिक (30), पंप मैनेजर राजेश गौतम व कोमल सिंह झुलस गए। सभी को इलाज के लिए बागला जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने सेल्समैन गिरीश को मृतक घोषित कर दिया जबकि विष्णु व आशिक की हालत गंभीर होने पर उपचार के लिए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। राजेश व कोमल को उपचार देने के बाद छुट्टी दे दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

करंट की चपेट में आकर लाइनमैन की मौत

प्रतापगढ़ @ पत्रिका. उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में रविवार को पोल पर चढ़कर बिजली का तार खोलते समय करंट की चपेट में आने से संविदा पर काम कर रहे लाइनमैन अजय पाल की मौत हो गई। मृतक अजय पाल पट्टी पावर हाउस के पट्टी ग्रामीण में कार्यरत था वह नेवादा गांव में बिजली का तार खोलने के लिए गया था। सहयोगी लाइनमैन उसे करंट लगने के बाद सीएचसी पट्टी ले गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, अस्पताल में परिजन और संविदा कर्मचारी मौजूद है। लोगों का कहना कि शटडाउन लेकर जब लाइनमैन पोल पर तार खोलने चढ़ा था तो काम पूरा होने से पहले व लाइनमैन के सूचना देने से पहले लाइन क्यों चालू कर दी गई, यह एक बड़ा सवाल है। अभी एक महीने पहले भी एक लाइनमैन की जान जा चुकी है।

गल्ला व्यापारी से दिनदहाड़े 7 लाख रुपए की लूट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

फिरोजाबाद. उत्तर प्रदेश के सिरसागंज में रविवार को सुबह एक गल्ला व्यापारी से तीन नकाबपोश बदमाशों ने हथियारों के बल पर 7 लाख रुपए की लूट की घटना को अंजाम दिया। पुलिस बदमाशों के तलाश में जुट गई है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ग्रामीण रणविजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि सिरसागंज के एमजी पुरम निवासी गल्ला व्यापारी राकेश कुमार अपनी स्कूटी से सुबह गल्ला मंडी के लिए जा रहे थे तभी गल्ला मंडी से कुछ पहले ही तीन नकाबपोश बाइक सवार सशस्त्र बदमाशों ने उन्हें घेर लिया।

बदमाशों द्वारा फायरिंग भी की गई बदमाश उनकी स्कूटी में रखा सात लाख रुपए का बैग और एक सोने का आभूषण निकाल ले गए। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से बदमाशों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं दिनदहाड़े हुए इस घटना से व्यापारियों में रोष है। व्यापारियों द्वारा घटना का खुलासा होने तक गल्ला मंडी को बंद रखने की भी चेतावनी दी गई है।

झांसी : आइटीआइ में प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक वर्कशॉप तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

झांसी. उत्तर प्रदेश और टाटा समूह के बीच हुए एक समझौते के तहत वीरांगना नगरी के झांसी स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आइटीआइ) में अत्याधुनिक वर्कशॉप बनकर तैयार हो गई है।

संस्थान के प्रधानाचार्य एस के श्रीवास्तव ने कहा कि टाटा टेक्नोलॉजी के साथ हमारे संस्थान ने जो एमओयू किया है उसके तहत हमारे विभाग में 150 आइटीआइ हैं जिसमें से 149 में टाटा के वर्कशॉप बन गई हैं और लगभग 90 प्रतिशत में अत्याधुनिक मशीनरी का भी इंस्टॉलेशन हो चुका है।उन्होंने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया के बाद टाटा टेक्नोलॉजी के वर्कशॉप में प्रशिक्षण शुरू हो जाएगा। हमारे परंपरागत कोर्स हैं।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सड़क दुर्घटना

हादसे में सात की मौत

कार से टकराई स्लीपर बस, 45 लोग घायल

बस में सवार चार की और कार सवार तीन लोगों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इटावा. उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के उसराहार इलाके में माइल स्टोन 129 पर आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर डबल डेकर बस की कार से हुई जोरदार टक्कर में सात लोगो की मौत हो गई जब की 45 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में सभी घायलों को इटावा के जिला प्रशासन और डॉक्टर को निर्देशित किया है कि घायलों का बेहतरी से इलाज करें।

इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बताया कि देर रात एक बजे अमेठी से नई दिल्ली जा रही डबल डेकर बस दूसरी दिशा से आ रही कार से टकरा गई, जिससे बस और कार में सवार सात लोगो की मौत हो गई। बस में सवार चार और कार में सवार तीन ही लोगों की मौत हुई है।

राहुल, प्रियंका ने जताया शोक: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। राहुल ने ट्वीट कर कहा,"आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिजनों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए सभी घायलों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

हादसे में बाद बचाव, राहत कार्य में जुटे जवान।

दो मृतकों की पहचान नहीं

हादसे में कन्नौज के तालग्राम वासी 24 साल के प्रद्युम, 25 साल के मोनू और उसकी मां चंदा देवी की मौत हो गई है, जबकि डबल डेकर बस में सवार 50 साल के ओमप्रकाश निवासी भरसरीया खीरी, जिला लखीमपुर खीरी ओर दो अन्य लोगों की मौत हो गई। मरने वाले दो लोगों की फिलहाल पहचान नहीं हो पा रही है। शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बस में सवार थे करीब 80 लोग

घायलों को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कर दिया गया है जहां डॉक्टरों की टीम सभी का उपचार करने में जुटी हुई है। हादसे की शिकार बस में करीब 80 लोग सवार थे। डबल डेकर बस की जी कार से टक्कर हुई है वह कार राजस्थान के बालाजी से दर्शन करके लौट रही थी। कार को कन्नौज के तालग्राम पर उतरना था, लेकिन उससे पहले कार चालक के नींद आ जाने के कारण कार बेकाबू होकर दूसरी दिशा में रेलिंग तोड़ कर बस से जा टकराई। हादसे के बाद बस करीब 50 फीट गहरे खेत में गिर गई।

पिकअप-ट्रक की भिड़ंत, दो की मौत, पांच लोग घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

संभल. चंदौसी कोतवाली क्षेत्र के बहजोई मार्ग स्थित अजीत एनक्लेव के सामने पेट्रोल पंप के नजदीक रविवार सुबह करीब चार बजे पिकअप और लकड़ी से भरे ट्रक में भिड़ंत हो गई। इसमें पिकअप चालक बहजोई थाना क्षेत्र के गांव मंडलपुर निवासी सुमित (28) और बदायूं के थाना फैजगंज अंतर्गत गांव खेड़ादास निवासी विष्णु (18) की मौत हो गई। विष्णु की मां किरन और बहन गीता घायल हुई हैं।

वहीं ट्रक चालक को भी गंभीर चोट आई है। ट्रक में सवार अन्य दो लोगों को मामूली चोट लगी है। विष्णु नोएडा से घरेलू सामान लेकर गांव लौट रहा था। पिकअप में मां और बहन भी सवार थीं। जैसे ही बहजोई मार्ग पर पहुंचे तो तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप को टक्कर मार दी। इसमें विष्णु और पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक के क्लीनर ने बताया कि वह रामपुर जिले से लकड़ी भरकर ला रहे हैं और राजस्थान जा रहे थे।

रास्ते में अचानक से हादसा हो गया। वहीं हादसे की सूचना पर कोतवाली और बनियाठेर थाना पुलिस पहुंच गई। घायलों को अस्पताल भर्ती कराया गया है। इसमें मृतक विष्णु की मां और बहन के साथ ट्रक चालक की हालत गंभीर बनी हुई है। जिनका उपचार हायर सेंटर कराने के लिए रेफर किया गया है।

बाबा बड़े शिव धाम में गूंज रहे कांवड़ियों के जयकारे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भदोही. जिले के गोपीगंज नगर स्थित प्रमुख धार्मिक स्थल बाबा बडा शिव धाम सावन मास में कांवड़ियों के जयकारों से गुंजायमान है। प्रयागराज से जल भरकर बाबा विश्वनाथ धाम जाने वाले शिव भक्त बाबा बड़े शिव के दरबार में हाजिरी लगाने के बाद ही गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं।

बड़े शिव धाम सेवा समिति के सचिव रामकृष्ण खड्ढ ने बताया कि पावन पवित्र सावन माह के तीसरे सोमवार को देवाधिदेव का जलाभिषेक करने के लिए बड़ी संख्या में कांवड़िए प्रयागराज से जल भरकर काशी विश्वनाथ धाम के लिये निकल पड़े हैं। कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने से राजमार्ग जहां गेरूआमय नजर आ रहा, वहीं काशी प्रयाग के मध्य गोपीगंज नगर स्थित बाबा बड़े शिव धाम में भी कांवड़ियों का हुजूम उमड़ रहा है।

बाटी-चोखा का भी लुत्फ

बाबा बड़े शिव धाम सेवा समिति की ओर से अनवरत कांवड़ियों की सेवा की जा रही है। समिति की ओर से उनके रहने खाने स्नान व दवा आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। हरा भरा बाबा बड़े शिव मंदिर परिसर कांवड़ियों को अपनी ओर अनायास आकर्षित कर रहा है। मंदिर परिसर में कांवड़िए बाटी-चोखा का भी लुत्फ उठाकर आगे बढ़ रहे हैं। वैसे तो वर्ष भर शिव भक्तों से गुलजार रहने वाला बाबा बड़े शिव धाम श्रावण मास में कांवडियों से पट गया है।

गंगाजल भरने आ रहे थे फर्रुखाबाद

मोटरसाइकिल से आ रहे तीन कांवड़िए हुए घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

फर्रुखाबाद. फर्रुखाबाद जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र में शाहजहांपुर जिले से फर्रुखाबाद गंगा पांचाल घाट से गंगाजल भरने के लिए एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आ रहे तीन कांवड़िए अनियंत्रित होकर खड्ड में गिरने से घायल हो गए हैं।

सावन माह में शुरू कांवड़ यात्रा के लिए शाहजहांपुर जिले से कई अलग-अलग मोटर साइकिलों से सवार कांवड़िए फर्रुखाबाद गंगा पांचाल घाट से जल भरने के लिए जा रहे थे। शनिवार देर रात बरेली-इटावा हाईवे पर फर्रुखाबाद जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डबरी के समीप से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन कांवड़ियों की मोटरसाइकिल अचानक असंतुलित होकर सड़क समीप वर्ती खडड् में जा गिरने से तीनों का कांवड़िए घायल हो गए।

उपचार कराने के बाद अपने-अपने घर सकुशल चले गए

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल कांवड़ियों में अमन राठौर (19), रवि उर्फ अजय राठौर (35) तथा अनुराग शर्मा (28) निवासी गाना पकड़िया हकीम थाना पुवाया जनपद शाहजहांपुर को चिकित्सा उपचार के लिए फर्रुखाबाद के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचाया। खबर है कि आज सुबह सभी कांवड़िए चिकित्सा उपचार कराने के बाद अपने-अपने घर सकुशल चले गए।

वरुणा नदी में शिशु का शव मिलने से सनसनी

भदोही @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में भदोही जिले के चौरी क्षेत्र में शनिवार देर शाम वरुणा नदी में एक शिशु का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के चौरी थाना क्षेत्र के मई हरदोपट्टी गांव के पास वरुणा नदी में वाराणसी जनपद की सीमा पर लगभग दो वर्षीय शिशु का शव उतराया मिला। कड़ी मशक्कत के बाद भी शव की पहचान नहीं हो सकी।

शंटिंग के दौरान ट्रेन का एक डिब्बा बेपटरी

सहारनपुर @ पत्रिका. सहारनपुर रेलवे स्टेशन के पास माल गोदाम पर रविवार दोपहर 01619 दिल्ली-शामली यात्री गाडी पटरी से उतर गई। स्टेशन अधीक्षक अनिल त्यागी के अवकाश पर होने के कारण कार्यवाहक अधीक्षक और आरपीएफ के पुलिस निरीक्षक मोहित त्यागी ने बताया कि हादसे के दौरान ट्रेन खाली थी और धुलाई के लिए जा रही थी इसी दौरान उसका एक डिब्बा पटरी से उतर गया।

सांसद किशोरी लाल गवर्निंग बॉडी के सदस्य

रायबरेली @ पत्रिका. अमेठी से कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा उत्तर प्रदेश के रायबरेली के मुंशीगंज स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की गवर्निंग बॉडी के निर्विरोध सदस्य निर्वाचित हुए हैं। अमेठी के कांग्रेस से निर्वाचित सांसद किशोरी लाल शर्मा को रायबरेली स्थित एम्स की गवर्निंग बॉडी का निर्विरोध सदस्य निर्वाचित किया गया है।

मायावती ने उठाए सवाल | कहा, किसी भी तरह के बदलाव की कोशिश न हो

'सुप्रीम कोर्ट का फैसला आरक्षण को खत्म करने जैसा'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में प्रेस वार्ता के दौरान सुप्रीम कोर्ट के अनुसूचित जातियों को उपजातियों में विभाजित करने के फैसले पर सवाल उठाया। मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट की ओर से किए गए एससी जाति में उपजाति विभाजन करने के फैसले से सहमत नहीं है। मायावती ने कहा कि आरक्षण पर नई सूची बनाने से कई तरह की परेशानियां सामने आएंगी।

उन्होंने कहा कि पंजाब राज्य के मामले में 20 साल पहले के फैसले पर सुनवाई सही नहीं। साथ ही एससी एसटी के बीच उपजाति का विभाजन करना सही फैसला नहीं होगा। फैसला कहीं न कहीं आरक्षण को खत्म करने के प्लान जैसा है। उन्होंने क्रीमीलेयर के मानक पर भी सवाल उठाए। मायावती ने दो टूक लहजे में कहा कि भविष्य में आरक्षण में किसी भी तरह के बदलाव की कोशिशें न हों। संविधान के नौवीं अनुसूची में इसे शामिल किया जाए।

विधानसभा उपचुनाव की तैयारी में बसपा

11 को मायावती करेंगी रणनीति का खुलासा

लखनऊ @ पत्रिका. बसपा सुप्रीमो मायावती इन दिनों जोनवार पदाधिकारियों से फीडबैक ले रही हैं। इसके बाद वह 11 अगस्त को प्रदेश पदाधिकारी, मुख्य जोन इंचार्ज और जिलाध्यक्षों के साथ बैठक करेंगी। इसमें विधानसभा उप चुनाव की तैयारियों पर मंथन करने के साथ ही रणनीति का खुलासा करेंगी। इसके साथ ही उप चुनाव वाली सीटों के लिए प्रभारी बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। बसपा सुप्रीमो ने जोनल इंचार्जों से विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव के लिए उम्मीदवारों का पैनल मांगा था। सीटवार उम्मीदवारों का पैनल बसपा मुख्यालय में जमा कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि फूलपुर विधानसभा सीट का प्रभारी शिवबरन पासी को बनाया गया है।

बैठक में आकाश आनंद और आनंद कुमार रहेंगे मौजूद

उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर, करहल, सीसामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, खैर और मीरापुर सीट पर विधानसभा उपचुनाव होना है। मायावती ने विधानसभा उप चुनाव से पहले बूथ वार कमेटियों का गठन करने का निर्देश भी दिया है। 11 अगस्त को मायावती बैठक में उपचुनाव के लिए दिशा-निर्देश देंगी। इस बैठक में उनके साथ भतीजे आकाश आनंद के साथ भाई आनंद कुमार मौजूद रहेंगे।

हम की बैठक

रांची. हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा सेकुलर की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक रांची में संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के मुख्य संरक्षक सह केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के नेतृत्व में सात प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन, बिहार के विधायक प्रफुल्ल मांझी, अनिल कुमार, ज्योति देवी समेत बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

हत्याकांड में पुलिस को मिली कामयाबी, एक गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड में अधिवक्ता गोपाल कृष्ण हत्याकांड में रांची पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने हत्याकांड के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रोशन मुंडा की गिरफ्तारी अनगड़ा से हुई है। हालांकि उसका सहयोगी संदीप कालिंदी फायरिंग करते हुए भाग छूटा।

वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपी कृष्ण के हत्यारे की पहचान शुक्रवार को ही कर ली गई थी। एसआइटी की टीम उसकी तलाश में जुटी हुई थी। इसी बीच शनिवार की देर रात सूचना मिली कि वकील के हत्या में शामिल एक आरोपी रोशन कुमार रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र के महेशपुर में छुपा हुआ है। सूचना कंफर्म होते ही अनगड़ा थाना क्षेत्र के महेशपुर के पास स्थित बागान टोली के घर को पुलिस ने घेर लिया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को रोशन ने अपने अन्य साथी के साथ मिलकर अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

पुलिस की एक गोली अपराधी को जा लगी

पुलिस की टीम ने अपराधी को सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन उसने पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस की तरफ से भी कई राउंड फायर किया गया। इसी बीच पुलिस की एक गोली अपराधी को जा लगी। गोली लगने के बावजूद अपराधी मौके से फरार होने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस की टीम ने उसे दबोच लिया। मुठभेड़ में घायल अपराधी के पास से पिस्टल भी बरामद किया गया है। वहीं उसके दूसरे साथी की तलाश में पुलिस की टीम छापेमारी कर रही है। पुलिस के साथ हुए मुठभेड़ में घायल अपराधी का नाम रोशन कुमार है। वह रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र का ही रहने वाला है। फिलहाल पुलिस की देखरेख में उसका अस्पताल में इलाज करवाया जा रहा है।

आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय की स्थापना होगी : कुलपति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दरभंगा. बिहार के प्रतिष्ठित कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर लक्ष्मीनिवास पांडे ने कहा कि राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विश्वविद्यालय में संचालित संकायों के अलावा एक नया संकाय 'आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय' की स्थापना होगी, जिसके अस्तित्व में आते ही स्नातकोत्तर डिप्लोमा समेत अन्य कई कोर्स स्वतः इस संकाय के अधीन आ जाएंगे। विश्वविद्यालय के दरबार हॉल में आयोजित विद्वत परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो लक्ष्मी निवास पांडेय ने कहा कि इतिहास में यह व्यवस्था पहली बार होगी कि अब आमजनों को मांगलिक कार्यों एवं संस्कारों को संपादित करने के लिए कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय विशेषज्ञ पुरोहित उपलब्ध कराएगा। इसके लिए अब इधर उधर भटकने की जरूरत नहीं है। सिर्फ आमजनों को पुरोहित के मानदेय की राशि ही जमा करनी होगी।

मुजफ्फरपुर : पीट-पीट कर युवक की हत्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुजफ्फरपुर. बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के नगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि शुक्ला रोड से एक युवक का शव बरामद किया गया है, जिसकी पीट-पीटकर हत्या की गई है। मृतक की पहचान मिठनपुर थाना क्षेत्र के तीनकोठिया मुहल्ला निवासी आकाश कुमार (22) के रूप में की गई है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

बिहार में मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि गत 16 जुलाई को मुख्यमंत्री कार्यालय पटना को ईमेल भेज कर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए सचिवालय थाना में थानेदार संजीव कुमार के स्वलिखित बयान के आधार पर ईमेल भेजने वाले के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही ईमेल भेजने वाले की पहचान कर ली गई है। ईमेल भेजने वाले की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। अनुसंधान में यह भी बात सामने आई है कि ईमेल भेजने वाले व्यक्ति ने अपने परिचितों को फंसाने के लिए ऐसा किया है।

दर्ज प्राथमिकी में यह कहा गया है

दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि मैं संजीव कुमार पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष सचिवालय थाना, जिला पटना के पद पर पदस्थापित हूं। 2 अगस्त 2024 को सचिवालय थाना में अपना बयान दर्ज करता हूं कि 16 जुलाई 2024 को सीएमओ पटना के कार्यालय के ई-मेल आइडी पर एक मेल आया, जिसमें सीएमओ को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस मेल में एक स्थान पर 'अलकायदा ग्रुप' भी लिखा हुआ है। इस प्रकार की धमकी सोशल मीडिया के माध्यम से दिया जाना एक संज्ञेय अपराध है। इस अपराध के लिए ईमेल भेजने वाले के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

पंडई नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत

बेतिया @ पत्रिका. बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के गौनाहा थाना क्षेत्र में रविवार को पंडई नदी में स्नान करने के दौरान दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान बैरटवा निवासी रंकू चौरसिया के आठ वर्षीय पुत्र कृषक कुमार एवं नवलपुरथाना के नवलपुर निवासी अशोक यादव की नौ वर्षीय पुत्री नेहा कुमारी के रूप में हुई है। इस बीच थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया भेज दिया गया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

नदी में मिट्टी लेने गए थे: बताया जाता है कि नेहा अपनी मां रीता देवी एवं कृषक अपनी नानी गालो देवी के साथ बैरटवा गांव से पूरब पंडई नदी में मिट्टी लेने गए थे। इन दोनों मिट्टी खोदने में मग्न हो गए। इसी दौरान नेहा और कृषक नदी में स्नान करने लगे, तभी रीता देवी अपनी बच्ची को डूबते देख बचाने के लिए नदी में कूद पड़ी लेकिन पानी अधिक होने के कारण दोनों डूबने लगे। ग्रामीणों की मदद से मां को तो बचा लिया गया लेकिन बच्ची डूब गई। काफी मशक्कत से दो घंटे बाद कृषक का भी शव बरामद किया गया।

वाहन से कुचल कर कांवड़िए की मौत

भागलपुर @ पत्रिका. बिहार में भागलपुर जिले के सबौर थाना क्षेत्र में रविवार को कंटेनर वाहन से कुचल कर एक कांवरिया की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

मृत कांवरिया की पहचान सागर ग्वाला (45) रूप में हुई है। सबौर क्षेत्र के बंशीटीकर गांव के निकट पीछे से तेज गति से आए कंटेनर ने टक्कर मार दी। कुचल जाने से सागर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि घायल सौरभ कुमार को ग्रामीणों के सहयोग से भागकर के जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पटना के बापू सभागार में रविवार को जन सुराज युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर कहा कि जन सुराज बिहार के किसी भी काबिल युवा को जो राजनीति में आना चाहता है, उसे चुनाव लड़ने में मदद करेगा। बिहार के युवा ऐसे लोगों के नेतृत्व में काम नहीं करना चाहते जो 10वीं फेल हो गए हैं।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

मध्य-पूर्व में नया टकराव टालना दुनिया के हित में

इजरायल और फिलिस्तीन के बीच करीब सात महीने पहले भड़की टकराव की आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। इसी बीच ईरान में हमास के बड़े नेता इस्माइल हानिया की हमले में मौत ने इस आग में घी डाल दिया है। बदला लेने के लिए ईरान की इजरायल पर हमले की चेतावनी से मध्य-पूर्व में संघर्ष का नया मोर्चा खुलने की आशंका हो गई है। इसने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। हालात इतने गंभीर हैं कि भारत के साथ अमरीका, ब्रिटेन और फ्रांस ने लेबनान में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा एडवायजरी जारी की है। एयर इंडिया ने इजरायल की राजधानी तेल अवीव के लिए उड़ानें रद्द कर दी हैं।

जाहिर है, ईरान और इजरायल में संघर्ष शुरू होता है तो इसकी आंच से भारत पर भी परोक्ष रूप से असर पड़ेगा। दोनों देशों से भारत के दोस्ताना रिश्ते हैं। दोनों से हमारी प्रमुख व्यापारिक साझेदारी भी है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि ईरान और इजरायल के बीच टकराव टालने की अंतरराष्ट्रीय पहल नहीं हो रही है। संयुक्त राष्ट्र को इस्माइल हानिया की मौत के बाद ही सक्रिय हो जाना चाहिए था। बड़े देशों से सलाह-मशविरा कर ईरान और इजरायल को समझाने के फौरी प्रयास होते तो शायद पानी इस तरह सिर के ऊपर से गुजरने की नौबत नहीं आती। अमरीका का जोर अपने दोस्त इजरायल की सैन्य मदद करने पर है तो रूस, चीन, तुर्की, लेबनान, कतर, ओमान और पाकिस्तान जैसे देश 'तुम लड़ो, हम तुम्हारे साथ हैं' की मुद्रा में ईरान का समर्थन कर रहे हैं। ईरान अगर इजरायल पर हमले करता है तो दुनिया में संकट का घनत्व क्या होगा, इसकी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। हैरानी की बात है कि उदारवादी माने जाने वाले हमास नेता इस्माइल हानिया को मध्यस्थ बनाकर कल तक इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के हल तलाशने की कोशिश कर रहे अमरीका ने भी अब हाथ खड़े कर दिए हैं। दुनिया के शक्तिशाली देश जब इस तरह हाथ खड़े करते हैं तो संकट टालने की संभावनाएं क्षीण होती दिखती हैं। वैसे भी अमरीकी नेताओं का ध्यान मध्य-पूर्व के घटनाक्रम के मुकाबले नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव पर ज्यादा है। डॉनल्ड ट्रंप खुलकर इजरायल का पक्ष ले रहे हैं तो कमला हैरिस इजरायल और फिलिस्तीन में संतुलन साधने की कोशिश कर रही हैं।

बड़े देशों की उदासीनता के बीच मध्य-पूर्व पर मंडरा रहे संकट को टालने के लिए घूम-फिरकर नजरें संयुक्त राष्ट्र पर ही टिकती हैं। उस पर दुनिया में अमन-चैन बनाए रखने की जिम्मेदारी है। उसे सभी देशों को भरोसे में लेकर ईरान और इजरायल को समझाने-बुझाने में देर नहीं करनी चाहिए।

निजी क्षेत्र में आरक्षण: उचित कौशल व शिक्षा के पर्याप्त अवसरों से स्थानीय लोगों को सशक्त बनाएं सरकारें

संविधान के विपरीत हैं राज्यों के ऐसे प्रयास

मिलिंद कुमार शर्मा
एमबीएम विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर
@patrika.com

स्थानीय लोगों के लिए निजी क्षेत्र में आरक्षण के प्रावधान करने वाले विधेयक भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19(1)(डी) एवं अनुच्छेद-19(1)(ई) के भी प्रतिकूल हैं, जो प्रत्येक नागरिक को भारत के किसी भी क्षेत्र में स्वंतत्रापूर्वक विचरण, निवास और बसने को अधिकृत करते हैं।

कुछ दिन पहले कर्नाटक राज्य की केबिनेट की ओर से उद्योग कारखाने एवं अन्य प्रतिष्ठान विधेयक-2024 का लाया जाना और विरोध के बाद इस विधेयक को रोका जाना देश में चर्चा एवं वाद-विवाद का विषय बना। इस विधेयक में कर्नाटक की राज्य सरकार की ओर से निजी क्षेत्र में संचालित उद्योग-धंधों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों में प्रबंधकीय स्तर पर एवं उससे नीचे के स्तरों पर स्थानीय लोगों के लिए क्रमशः 50 एवं 70 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था। पूर्व में इस प्रकार के प्रयास हरियाणा, आंध्रप्रदेश एवं झारखंड की राज्य सरकारें भी कर चुकी हैं।

कर्नाटक राज्य में स्थानीय होने का तात्पर्य उस व्यक्ति से है जिसका जन्म कर्नाटक राज्य में हुआ है और वह उस राज्य का 15 वर्षों से निवासी है तथा उसने स्थानीय भाषा कन्नड़ (एक विषय के रूप में) में कक्षा 10 उत्तीर्ण की है या उसने कन्नड़ भाषा से संबंधित कोई योग्यता अर्जित कर रखी है। हरियाणा और आंध्रप्रदेश राज्य में इस प्रकार के विधेयक क्रमशः वर्ष 2020 एवं 2019 में पारित हुए थे। इन दो राज्यों में स्थानीय लोगों के लिए निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान रखा गया था एवं राज्य का निवासी होना ही एक मात्र मानदंड था। इन राज्यों में स्थानीय भाषा में प्रवीणता होना आवश्यक नहीं था।

जहां एक ओर हरियाणा के इस विधेयक को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया था वहीं दूसरी ओर आंध्रप्रदेश का प्रकरण वहां के उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। झारखण्ड राज्य में भी विधेयक अभी तक लागू नहीं हो पाया है। वहां तृतीय एवं चतुर्थ क्षेणी के राजकीय सेवा के पदों की नियुक्तियों में शत-प्रतिशत स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रावधान करने की अनुशंसा की गई है।

यह उल्लेखनीय है कि ये विधेयक कई प्रकार से भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत होते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-16(1) के अनुसार राज्याधीन नौकरियों अथवा पदों पर नियुक्ति के संबंध में सभी नागरिकों के लिए समान अवसर की अनुशंसा की गई है। साथ ही अनुच्छेद-16(2) के अनुसार मात्र धर्म, मूल वंश, जाति, लिंग, जन्म-स्थान, निवास, उद्भव अथवा इनमें से किसी के आधार पर किसी नागरिक के लिए राज्याधीन किसी नौकरी या पद के विषय में अपात्रता न होगी और न ही विभेद किया जाएगा। यद्यपि अनुच्छेद-16(3) निवास-स्थान के आधार पर नियोजन या नियुक्ति हेतु आरक्षण का प्रावधान करता है किन्तु इस आरक्षण का प्रावधान मात्र सरकारी क्षेत्र की नियुक्तियों पर ही लागू होता है एवं इस हेतु आवश्यक कानून बनाने का अधिकार मात्र संसद को है। राज्य की विधानसभाएं इस कानून को बनाने के लिए सक्षम नहीं हैं। चूंकि यह कानून कर्नाटक, आंध्रप्रदेश व हरियाणा राज्यों की सरकारों ने अपने स्तर पर ही और वह भी निजी क्षेत्र की नियुक्तियों के लिए किया था, अतः संवैधानिक दृष्टि से इनका टिक पाना कठिन प्रतीत होता है।

पहले भी वर्ष 2002 में इसी प्रकार का राजस्थान राज्य में क्षेत्र विशेष में निवास करने वाले लोगों को शिक्षा के क्षेत्र में नियोजित करने वाला कानून न्यायालय द्वारा अमान्य करार दिया गया था। यहां यह रेखांकित करना उचित होगा कि निजी क्षेत्रों को बाध्य करने वाले इस प्रकार के विधेयक एवं अनुशंसाएं भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19(1)(जी) का भी उल्लंघन करते हैं जिसके अनुसार राष्ट्र के नागरिक कोई भी पेशा, व्यवसाय, व्यापार या कारोबार करने को स्वंतत्र हैं। इस प्रकार के विधेयक भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19(1)(डी) एवं अनुच्छेद-19(1)(ई) के भी प्रतिकूल हैं जो प्रत्येक नागरिक को भारत के किसी भी क्षेत्र में स्वंतत्रापूर्वक विचरण, निवास और बसने को अधिकृत करता है। चूंकि कर्नाटक में राज्य सरकार की ओर से प्रस्तावित किया गया विधेयक वहां के स्थानीय निवासियों एवं बाहर से आए व्यक्तियों में तथा स्थानीय भाषा कन्नड़ में प्रवीणता रखने वाले व्यक्तियों में भेद करता है, अतः यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद-14 का भी उल्लंघन है जिसके तहत राज्य भारत के राज्यक्षेत्र में किसी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता से या समान संरक्षण से वंचित नहीं कर सकता है।

नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनी (नैसकॉम) ने इस दिशा में कर्नाटक सरकार को चेताया है कि इस प्रकार के कदम निजी क्षेत्रों को हतोत्साहित करते हैं एवं इससे व्यापारिक गतिविधियों के अन्य राज्यों में पलायन करने की सभांवनाएं रहती हैं।

अतः श्रेयस्कर होगा कि राज्य सरकारों को दूरदृष्टि रखते हुए उप-राष्ट्रवाद एवं लोकलुभावनवाद की भावना को त्याग कर निजी क्षेत्र में स्थानीय निवासियों की नौकरी के लिए बलपूर्वक आरक्षण के प्रावधान करने की बजाय उन्हें उचित कौशल एवं शिक्षा के प्रचुर अवसर उपलब्ध कराने चाहिए और उन्हें सशक्त बनाना चाहिए। केंद्र सरकार के हाल ही के बजट में इसके लिए कई प्रावधान भी किए गए हैं जैसे कि 1000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान विकसित करना, शीर्ष 500 औद्योगिक प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षण के लिए युवाओं को स्टाइपेंड उपलब्ध करवाना आदि। राज्य सरकारें यदि ऐसी योजनाओं को अपने राज्यों में सफलतापूर्वक क्रियान्वित करें तो स्थानीय एवं बाहरी कार्यबल के मध्य भेद मिटाकर नागरिकों में राष्ट्रवाद की भावना को प्रबल कर सकती हैं।

नेतृत्व

जुनून-संवेदनशीलता दो आवश्यक गुण हैं

ऐसे लीडर महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य तय करने के साथ टीम को प्रेरित भी करते हैं

आधुनिक परिदृश्य में, टीमों-संगठनों को सफलता की ओर ले जाने के लिए दो गुण आवश्यक हैं – जुनून और संवेदनशीलता। ये दोनों ही गुण न केवल प्रेरणा देते हैं, बल्कि कार्यस्थल में ऐसा माहौल भी निर्मित करते हैं जहां सभी मूल्यवान महसूस करते हैं। जुनून और संवेदनशीलता के माध्यम से लीडर अपने अधीनस्थों से तालमेल बनाने में सफल होते हैं, जिससे व्यक्तिगत और संगठनात्मक विकास दोनों संभव होते हैं। उदाहरण के लिए, मैंने स्वयं अपने जुनून का पालन करते हुए सफल कॉर्पोरेट करियर से शिक्षण में आधिक संतोषजनक भूमिका में परिवर्तन किया, और इससे मैंने दूसरों को उनकी वास्तविक क्षमता का अनुभव करने में मदद की। मेरा यह बदलाव दूसरों के जीवन पर सार्थक प्रभाव डालने की मेरी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शिक्षा और व्यक्तिगत विकास के लिए मेरा जुनून मुझे प्रेरित करता है और मेरा समर्पण मेरे विद्यार्थियों के कौशल को बढ़ाने के साथ मुझे और उन्हें सीखने के प्रति जिज्ञासु बने रहने के लिए प्रोत्साहित भी करता है।

प्रो. हिमांशु राय
निदेशक,
आइआइएम इंदौर
@patrika.com

इसी प्रकार, एक संवेदनशील लीडर न केवल सफलता के प्रति उत्साही होता है बल्कि संगठन के मिशन व मूल्यों में भी निवेश करता है। इससे अन्य अधीनस्थ भी अनुसरण करने के लिए उत्सुक होते हैं। जुनून प्रदर्शन को प्रेरित करता है, संवेदनशीलता टीम में स्थिरता व सामंजस्य सुनिश्चित करती है। संवेदनशील लीडर विचारशील होते हैं, जो टीम के सदस्यों की जरूरतें, भावनाएं और परिस्थितियां समझते हैं। उदाहरण के लिए, मैं अपने शुरुआती दिनों में एगोनी अंकल कॉलम लिखता था, जो परिणाम था एक अखबार के संपादक द्वारा मुझ में करुणा की पहचान का। विचारशील मार्गदर्शन से मैंने दूसरों के संघर्षों और चुनौतियों की समझ का प्रदर्शन किया। यही करुणा अब मेरे पेशेवर जीवन में भी दिखाई देती है, जहां मैं अपनी टीम या विद्यार्थियों की भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक भलाई को हर चीज से ज्यादा प्राथमिकता देता हूं।

मेरा मानना है कि जो लीडर जुनून से पूर्ण होते हैं, वे स्वतः ही संवेदनशील बन जाते हैं। एक ओर जहां वे साहसिक पहल करने, बाधाओं को दूर करने और उत्साह के साथ अपनी टीम को प्रेरित करने में सक्षम होते हैं, वहीं वे महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य भी तय कर पाते हैं। वे एक संतुलित नेतृत्व दृष्टिकोण से पूर्ण होते हैं। यह दृष्टिकोण संगठनात्मक प्रदर्शन बढ़ाने के साथ व्यक्तिगत प्रभावशीलता को भी मजबूत करता है। इससे लीडर और उनकी टीम, दोनों के लिए स्थायी सफलता और सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं।

मध्य एशियाई परंपरा:

घुड़सवारी और चील के साथ शिकार की स्पर्धा

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक से 213 किलोमीटर (132 मील) दक्षिण-पूर्व में, इस्सिक-कुल झील के दक्षिणी तट पर शनिवार को पारंपरिक ईगल शिकार महोत्सव सालबुरून के दौरान किर्गिज शिकारी प्रतिस्पर्धा करते हुए। सालबुरून, किर्गिस्तान और मध्य एशिया में शिकार का एक पारंपरिक उत्सव है, जिसमें तीरंदाजी के साथ-साथ बाज और कभी-कभी मंगोलियाई ताइगा कुत्तों के साथ शिकार की स्पर्धाएं शामिल की जाती हैं। सालबुरून प्रतियोगिताओं के अंत में, विजेताओं को पुरस्कृत किया जाता है। शिकार करने और भेड़ियों जैसे शिकारियों से झुंड की रक्षा करने की खानाबदोश परंपरा से सालबुरून की शुरुआत मानी जाती है। 1997 से मध्य एशिया में ऐसे महोत्सवों का आयोजन किया जा रहा है। 2006 के बाद, आयोजन के दौरान हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं ने सालबुरून संघ को नियमों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया था।

पेट्रोल-डीजल जीएसटी में शामिल कब होंगे

विनय कुमार

पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल करने का भारत के नागरिक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक हुई जीएसटी काउंसिल की बैठकों में इस मामले पर विचार नहीं किया गया है। जीएसटी में पेट्रोल और डीजल को शामिल करने के कारण राजस्व कम हो तो इस घाटे की राशि को शराब या विलासिता की दूसरी वस्तुओं पर ज्यादा टैक्स लगाकर पूरा किया जा सकता है।

सभी भलीभांति जानते हैं कि पेट्रोल-डीजल एक ऐसी वस्तु है, जिसका उपयोग एक मजदूर से लेकर एक उद्योगपति, एक विद्यार्थी से लेकर एक अधिकारी, एक चपरासी से लेकर एक मंत्री तक करता है। पेट्रोल और डीजल लग्जरी वस्तुओं में शामिल नहीं हैं, ये बहुत आवश्यक वस्तुएं हैं। तेल उद्योग बर्बाद हो रहा है। पेट्रोल-डीजल के काफी महंगे होने से जनता परेशान है। कुछ महीनों के दौरान, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों का वित्तीय प्रदर्शन बहुत खराब दिखाया जा रहा था। वित्तीय विश्लेषण करने पर पाया कि इन सभी कंपनियों का सकल रिफाइनिंग मार्जिन दबाव में है। सरकार पेट्रोल-डीजल पर अधिक कर संग्रह का आनंद ले रही है लेकिन इन कंपनियों को भारी घाटा या बहुत कम मार्जिन हो रहा है। पिछले 1-2 साल के दौरान निवेशकों का ऑयल मार्केटिंग और रिफाइनरी कंपनियों से भरोसा-सा उठ रहा है।

भारत में पेट्रोल-डीजल पर टैक्स की दरें पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल करना अब अत्यंत आवश्यक हो गया है। अगर पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल नहीं किया गया तो तेल कंपनियां टिक नहीं पाएंगी। भारत के ज्यादातर राज्यों में बीजेपी या उसके सहयोगी दलों का शासन है। जीएसटी काउंसिल में भाजपा और उसके सहयोगी दलों का बहुमत है। इसलिए ऐसा कोई बहाना स्वीकार्य नहीं है कि अन्य दल पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल करने पर सहमत नहीं हैं। पेट्रोल डीजल को जीएसटी में शामिल करने पर फैसला लेना होगा। जनता को यह बहाना स्वीकार नहीं है कि राज्य सरकारें तैयार नहीं हैं। जनता को राहत देने के लिए जीएसटी काउंसलिंग की अगली बैठक में पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल करने का निर्णय लिया जाना चाहिए। इसमें देरी से जनता की मुश्किलें बढ़ेंगी।

(ईमेल पर प्राप्त आलेख)

ये भी जानें अब 'कोई भी व्यक्ति' 2021 के अधिनियम के उल्लंघन पर प्राथमिकी दर्ज करा सकता है

यूपी सरकार के नए धर्मांतरण कानून पर विवाद क्यों

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने धर्मांतरण कानून में बड़ा बदलाव किया है। चार साल पहले उत्तर प्रदेश गैर-कानूनी धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम-2021 लागू हुआ था। अब विधानसभा में संशोधन विधेयक पारित किया गया है जिसमें सजा और जुर्माना राशि दोनों बढ़ाई गई हैं। साथ ही इसे अधिक व्यापक रूप से लागू करने योग्य बनाया गया है।

20 वर्ष की सजा हो सकती है नाबालिग लड़कियों या एससी/एसटी समुदाय की महिलाओं का धर्म परिवर्तन करने वालों को। ऐसे मामलों में उम्रकैद भी हो सकती है

10 *वर्ष की सजा और 50 हजार रुपए जुर्माने का प्रावधान था पुराने कानून में जबरन धर्मांतरण पर*

संशोधन करने की जरूरत क्यों पड़ी

विधानसभा में सरकार द्वारा पेश किए गए इस संशोधन विधेयक के उद्देश्यों को लेकर कहा गया है कि यह विधेयक कुछ समूहों, जिनमें नाबालिग, दिव्यांग, महिलाएं, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के लोग शामिल हैं, की सुरक्षा के उद्देश्य से लाया गया है। सरकार के अनुसार अभी के दंडात्मक प्रावधान इन समूहों से जुड़े लोगों का 'एकल धर्मान्तरण और सामूहिक धर्मांतरण को रोकने और नियंत्रण' करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। विधेयक में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश रोहित रंजन अग्रवाल के 01 जुलाई को दिए आदेश की रोशनी भी झलकती है। अपने आदेश में एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज करते हुए न्यायाधीश ने कहा था- 'उत्तर प्रदेश में एससी/एसटी और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को ईसाई धर्म में धर्मांतरण की अवैध गतिविधियां बड़े पैमाने पर चल रही हैं।' यह संशोधन पूर्व में उत्पन्न कठिनाइयों का भी समाधान करेगा जो धारा 4 के तहत दर्ज हुई थी। धारा 4 'किसी भी पीड़ित व्यक्ति, उसके माता-पिता, भाई-बहन या किसी भी अन्य व्यक्ति को जो रक्त सम्बंधी, विवाह या गोद लेने से सम्बंधित हैं, को ही रिपोर्ट दर्ज कराने की अनुमति देने से जुड़ी थी।'

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2023 में कम से कम दो मौकों पर यह निर्धारित किया है कि 'किसी भी पीड़ित' का मतलब यह नहीं है कि कोई भी गैरकानूनी धर्मांतरण के लिए एफआइआर दर्ज करा सकता है। सितम्बर 2023 में, जोस पापाचेन बनाम उप्र सरकार मामले में कोर्ट ने निर्धारित किया था- 'केवल पीड़ित व्यक्ति ही' और 'उसका परिवार माता-पिता, भाई-बहन आदि' ही धर्मांतरण मामले में प्राथमिकी दर्ज करा सकते हैं। फरवरी 2023 में भी हाईकोर्ट ने फतेहपुर सामूहिक धर्मांतरण मामले में भी इसी तरह का आदेश दिया था।

संशोधन के जरिए क्या बदलाव

संशोधन के जरिए 'एफआइआर कौन दर्ज करा सकता है' के शब्दों में भी बदलाव किया गया है। धारा 4 के शब्दों में बदलाव कर उन कठिनाइयों को सम्बोधित किया गया है जो उत्पन्न हुई हैं। संशोधित प्रावधान में उल्लेखित है- 'कोई भी व्यक्ति' 2021 के अधिनियम के उल्लंघन पर प्राथमिकी दर्ज करा सकता है जैसा कि नए आपराधिक प्रक्रिया कानून, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 (बीएनएसएस) में प्रावधान है। बीएनएसएस की धारा 173 में एफआइआर दर्ज कराने के प्रावधानों में है कि कोई भी व्यक्ति किसी भी थाने में अधिनियम के तहत कथित अपराधों के लिए रिपोर्ट दर्ज करा सकता है।

जमानत के लिए कड़ी व्यवस्था

2021 के अधिनियम की धारा 3 'गलत तरीकों, बलपूर्वक, अनुचित दबाव, लालच' आदि से धर्म परिवर्तन को दंडनीय अपराध बनाने से सम्बद्ध है। धारा 3 के तहत आरोपित लोगों के लिए कठोर जमानत शर्तों को उसी तरह लागू करने का प्रावधान है जिस तरह मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम 2002 और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 में है। अब एक नई धारा 7 के तहत किसी भी आरोपी को जमानत पर तब तक रिहा नहीं किया जा सकता, जब तक दो शर्तें पूरी न हो जाएं। इसमें पहली शर्त है -पब्लिक प्रॉसीक्यूटर को जमानत अर्जी का विरोध करने का अवसर दिया जाना चाहिए। दूसरी शर्त है कि कोर्ट को इस बात से संतुष्ट होना चाहिए कि 'ऐसा विश्वास करने के लिए उचित आधार है कि व्यक्ति ऐसे अपराध का दोषी नहीं है और जमानत पर रहने के दौरान कोई अपराध नहीं करेगा।'

दंड व जुर्माना राशि में कितनी वृद्धि

धारा 5 के तहत अपराध में दो नई श्रेणियों को जोड़ा गया है। पहला-अवैध धर्म परिवर्तन के लिए आरोपी ने किसी विदेशी या अवैध संस्थाओं से धन लिया हो, उसे सात से चौदह वर्ष के कठोर कारावास से दंडित किया जाएगा और उसे न्यूनतम 10 लाख रुपए का जुर्माना भी देना होगा। दूसरा- धर्मांतरण के लिए किसी को डराने, विवाह का वादा करने या फिर महिला या व्यक्ति की तस्करी करने या उन्हें बेचने की साजिश रचने पर कम से कम 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा का प्रावधान है, जिसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। 2021 में पारित कानून में अधिकतम सजा 10 साल थी ।

अब आगे क्या

भाजपा शासित अन्य राज्यों जैसे उत्तराखंड, गुजरात और मध्य प्रदेश में भी धर्मान्तरण विरोधी कानून बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के संशोधन विधेयक की तर्ज पर अन्य राज्यों में भी ऐसे ही विधेयक पेश किए जा सकते हैं। राजस्थान विधानसभा के इसी सत्र में धर्म परिवर्तन पर रोकथाम के लिए सख्त कानून बनाने की मांग उठी है। इन कानूनों का विरोध भी हो रहा है। यही वजह है कि व्यक्तिगत रूप से अनेक लोगों, सिटिजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस (सीजेपी) तथा जमीयत-उलेमा-ए-हिन्द जैसे एनजीओ ने ऐसे कानूनों को विभिन्न अदालतों में चुनौती दी है। सीजेपी ने ऐसी सभी चुनौतियों को सुप्रीम कोर्ट में स्थानान्तरण के लिए याचिका लगाई है। शीर्षस्थ अदालत को अभी निर्णय करना बाकी है।

भूखे श्वान करते हैं हमला

आपकी बात

श्वानों का यदि पेट भरा रहे तो आमतौर पर वे किसी पर हमला नहीं करते। इसलिए उनके खाने-पीने की व्यवस्था पर ध्यान दिया जाना चाहिए। विभिन्न स्थानों पर चल रहे रेस्टोरेंटों के बचे हुए खाने को निगम, एनजीओ और पशु-प्रेमियों की मदद से श्वानों तक पहुंचाया जा सकता है।

-वीर बहादुर सिंह हाड़ा, कोटा

बधियाकरण और टीकाकरण हो

श्वानों के बढ़ते हमलों को रोकने के लिए प्रशासन को उन्हें पकड़ने की कार्रवाई करनी चाहिए। उन्हें पकड़कर शहर से दूर छोड़ना चाहिए। इसके अलावा इनका बधियाकरण भी करना चाहिए। श्वानों के टीकाकरण पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए, जिससे यदि कोई श्वान किसी को काट ले तो रेबीज न हो।

-रवि खवसे, मुलताई, मप्र

आज का सवाल

आधार में संशोधन में देरी से जुड़ी शिकायतें कैसे कम हो सकती हैं?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'श्वानों के बढ़ते हमलों की समस्या का हल कैसे किया जा सकता है?' कई प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। कुछ ऑनलाइन भी दी जा रही हैं।

इसे स्कैन करें

https://shorturl.at/7DLRk

हिदायत

कलेक्टर समय पर भेजें दिवंगत सांसद व विधायकों की जानकारी

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को समय पर दिवंगत सांसद और विधायकों की जानकारी भेजने की हिदायत दी हैं। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने कड़ा निर्देश भी जारी किया हैं। साथ ही इस बात को लेकर नाराजगी जाहिर की हैं कि दिवंगत सांसद व विधायकों की जानकारी विधानसभा सचिवालय को नहीं मिल पाती हैं। इससे ऐसा प्रतीत होता हैं कि कहीं न कहीं प्रभावी व्यवस्था का अभाव हैं। यह स्थिति ठीक नहीं हैं। इससे गरिमामयी कार्यप्रणाली प्रभावित होती हैं। दरअसल, विधानसभा के मानसून सत्र में एक दिवंगत विधायक की जानकारी समय पर नहीं मिली थी। इसके लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की थी। इसके बाद सामान्य प्रशासन ने परिपत्र जारी किया हैं।

डोंगरगढ़ की 6 लोकल ट्रेनें 19 अगस्त तक कैंसिल

रायपुर @ पत्रिका. रेलवे अमला राजनांदगांव-कलमना रेल खंड के बीच तीसरी रेलवे लाइन तैयार करने के लिए रविवार को पटरी पर उतर गया। इस लाइन पर रेलवे ने 19 अगस्त तक मेगा ब्लॉक लिया हैं। इसके साथ ही रायपुर-डोंगरगढ़ के बीच हर दिन चलने वाली छह लोकल ट्रेनें कैंसिल रहेंगी। कलमना रेलवे स्टेशन से जोड़ने का कार्य के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का कार्य किया जा रहा हैं। ऐसे में सबसे अधिक लोकल ट्रेनों के यात्री परेशान होंगे। क्योंकि उन्होंने किसी न किसी एक्सप्रेस में किसी तरह सफर करना पड़ेगा। इस ब्लॉक के चलते रेलवे प्रशासन ने कुल 72 ट्रेनें कैंसिल करना घोषित किया था। परंतु रद्द की गई, कुछ गाड़ियों को पहले जैसा चलाने का निर्णय लिया हैं, जिसमें 05 एवं 08 अगस्त को पुरी से चलने वाली 20823 पुरी-अजमेर एक्सप्रेस और 6, 8 एवं 13 अगस्त को अजमेर से पुरी के लिए चलने वाली यह ट्रेन चलती रहेगी। इस ट्रेन का कैंसिलेशन रेलवे ने निरस्त कर दिया हैं।

समता एक्सप्रेस रायपुर नहीं आएगी: राजनांदगांव-कलमना रेलवे लाइन पर ब्लॉक की वजह से 8 अगस्त को विशाखापट्टनम से चलने वाली 12807 विशाखापट्टनम-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस रायपुर, दुर्ग स्टेशन होकर नहीं चलेगी, बल्कि परिवर्तित मार्ग विशाखापट्टनम -विजयवाड़ा-नागपुर-निज़ामुद्दीन पहुंचेगी। इसी तरह 9 अगस्त को निज़ामुद्दीन से चलने वाली 12808 निज़ामुद्दीन-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग नागपुर से विजयवाड़ा होकर विशाखापट्टनम पहुंचेगी। जबकि 6, 8 एवं 13 अगस्त को ट्रेन नंबर 20824 अजमेर-पुरी एक्सप्रेस को अजमेर से 8 घंटे देरी से रवाना करने का निर्णय लिया गया है। हादसे की जगह की विगत दिनों दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल के जिस बड़ाबाम्बो स्टेशन में 30 जुलाई को 12810 हावड़ा-सीएसएमटी मुंबई मेल जबरदस्त दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, उस जगह की रेल पटरी अभी पूरी तरह से नहीं सुधरी हैं।

ग्रामीण संस्कृति की झलक के साथ हरेली के रंग में रंगा सीएम हाउस

हरेली पर सेहत की सौगात

535 चिकित्सा अधिकारियों की हुई संविदा नियुक्ति, सीएम की पहल पर

पदस्थापना आदेश जारी

किसानों को ट्रेक्टर, हार्वेस्टर सहित अन्य कृषि यंत्रों का किया वितरण

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर हरेली तिहार के दिन राज्य के लोगों को एक बड़ी सौगात मिली हैं। प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में राज्य में 535 चिकित्सा अधिकारियों की संविदा नियुक्ति की गई हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर इनका पदस्थापना आदेश जारी हो गया हैं। इन चिकित्सकों की नियुक्ति से राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भी बेहतर और गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के द्वारा चिकित्सा स्नातक एमबीबीएस पाठ्यक्रम 2018 बैच के चिकित्सा स्नातकों को निष्पादित अनुबंध अनुसार दो वर्ष की संविदा सेवा का अवसर दिया गया हैं।

इन जिलों में इतने चिकित्सक होंगे तैनात: इन चिकित्सा अधिकारियों में दुर्ग में 55, रायपुर व रायगढ़ जिले में 42-42, महासमुंद में 34, कोरबा व सरगुजा जिले में 32-32, बालोद, बिलासपुर व राजनांदगांव में 22-22, जशपुर में 21, कबीरधाम में 20, कांकेर व बलरामपुर में 19-19, बस्तर में 17, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 16, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 15, दंतेवाड़ा में 13, जांजगीर-चांपा में 12, सुकमा में 11, बेमेतरा में 10, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 8, कोण्डागांव में 7, धमतरी,कोरिया, सूरजपुर व गरियाबंद में 6-6, बीजापुर में 5, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बलौदाबाजार-भाटापारा व मुंगेली जिले में 3-3, गौरेला-पेण्ड्रा-मारवाही में 4 व सक्ती व नारायणपुर में 1-1 स्नातक चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति की गई हैं।

सीएम ने खुमरी पहन पत्नी संग किया राउत नाचा

सीएम हाउस में रविवार को ग्रामीण संस्कृति और परिवेश के बीच धूमधाम से हरेली का त्योहार मनाया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय खुमरी पहने धर्मपत्नी कौशल्या साय के संग राउत नाचा भी करते दिखाई दिए। सीएम और धर्मपत्नी पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। सीएम ने सपरिवार विधिवत रूप से तुलसी माता, नांगर, कृषि उपकरणों, गेड़ी की पूजा कर अच्छी फसल, किसानों और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सीएम हाउस में रविवार को परंपराएं और संस्कृति पूरी तरह से जीवंत हो उठीं। मुख्यमंत्री निवास को छत्तीसगढ़ी ग्रामीण परिवेश में ढालते हुए, पारंपरिक सजावट की गई और छत्तीसगढ़ी संस्कृति के अनुरूप सजाया गया है। इस मौके पर छत्तीसगढ़ी संगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक गड़वा बाजा, राउत नाचा और गेड़ी नृत्य का भी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इस मौके पर परंपरागत कृषि उपकरणों के स्टॉल से छत्तीसगढ़ के कृषि संस्कृति जीवन्त हो उठी है। राउत नाचा के कलाकारों के आग्रह पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक वेशभूषा धारण कर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया, जिससे हरेली के इस महोत्सव में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ।

डिप्टी सीएम ने की कृषि औजारों और गेड़ी की पूजा

डिप्टी सीएम अरुण साव ने अपने शासकीय निवास में कृषि औजारों और गेड़ी की पूजा कर परंपरागत रूप से हरेली त्योहार मनाया। उन्होंने पूजा-अर्चना कर अच्छी फसल और किसानों की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। डिप्टी सीएम साव ने कलाकारों के साथ नृत्य किया। साथ ही गेड़ी का भी आनंद लिया।

कोरबा : अंबिकापुर- बिलासपुर एनएच पर दुर्घटना

बेंगलूरु जा रही कार को ट्रक ने मारी टक्कर, 4 लोगों की हालत गंभीर

रफ्तार बनी दुर्घटना की वजह

पुलिस ने प्रारंभिक जांच में बताया है कि घटना के समय दोनों गाड़ियों की रफ्तार अधिक थी। घटनास्थल बंजारी मोड़ पर दोनों गाड़ियों के चालक खुद को संभाल नहीं सके और आपस में टकरा गए।

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

कोरबा. उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ से बेंगलूरु जा रहा एक परिवार बिलासपुर- अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। चार लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया हैं। घटना रविवार सुबह 6.50 बजे हुई। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती किया गया। वहां से हायर सेंटर रेफर किया गया। उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ से अजीत पाल (46), पत्नी जयंती पाल (42), पुत्र नवीन (15) और अभिनव (18) के साथ कार में सवार होकर बेंगलूरु के लिए निकले थे। बनारस, अंबिकापुर बिलासपुर-नागपुर के रास्ते अजीत को बेंगलूरु जाना था। रास्ते में अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय मार्ग पर उनकी कार को बांगो थाना क्षेत्र में विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने सामने से टक्कर मार दिया। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। कार चला रहे अजीत पाल स्टीयरिंग में फंस गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद अजीत और उनकी पत्नी जयंती सहित परिवार के दो अन्य सदस्यों को बाहर निकाला।

राज्य सरकार से मिलने वाली 50% टैक्स की छूट 25 अगस्त से खत्म

महंगी होगी ईवी : अब खरीदने वालों को देना पड़ेगा 50 प्रतिशत रोड टैक्स

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने वालों को 25 अगस्त से 50 फीसदी रोड टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा। राज्य सरकार के निर्देश पर परिवहन विभाग द्वारा छूट को समाप्त कर दिया गया है। जारी आदेश के बाद दोपहिया और तीन पहिया से लेकर कार की कीमत 3 हजार से 40 हजार रुपए मंहगी हो जाएगी। यह राशि खरीदार को वाहन की कीमत के साथ रोड टैक्स के रूप में देना पड़ेगा। ईवी पॉलिसी के तहत 25 अगस्त 2022 से 24 अगस्त 2024 तक रोड टैक्स नहीं देना पड़ता था। इसकी अवधि समाप्त होने के बाद नए आदेश के तहत 25 अगस्त 2024 से 24 अगस्त 2026 तक दोपहिया खरीदी करने पर 4 फीसदी और कार खरीदने पर 5 फीसदी रोड टैक्स देना पड़ेगा। इसके बाद 25 अगस्त 2026 से 24 अगस्त 2027 तक केवल 25 फीसदी की छूट मिलेगी। राडा के अध्यक्ष विवेक गर्ग ने बताया कि परिवहन विभाग की ओर से सभी ऑटोमोबाइल डीलरों को जारी किया गया है। इसमें टैक्स के नए प्रावधान की जानकारी दी गई है। बता दें कि ईवी को प्रोत्साहन देने के लिए 2022 में राज्य सरकार द्वारा 5 साल के लिए ईवी पॉलिसी लागू की गई हैं।

दोपहिया से लेकर कार खरीदी पर देना होगा अब 3 हजार से 40000 रुपए अतिरिक्त

छूट का लाभ 24 तक मिलेगा

रोड टैक्स में छूट केवल 24 अगस्त तक वाहन खरीदने वालो को मिलेगा। ईवी पॉलिसी के तहत निर्धारित अवधि के बाद वाहन खरीदने पर 2 साल तक 50 फीसदी और उसके बाद 75 फीसदी टैक्स की राशि देना पड़ेगा।जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि प्रावधानों के परिपालन में पंजीकृत की गई ई-रिक्शा और ई-गाड़ी तथा इलेक्ट्रिक वाहनों की समयावधि के पश्चात मोटरयान कर की वसूली की कार्रवाई छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम नियम 1991 के प्रावधानों के तहत करने कहा गया है।

इतना देना पड़ता है रोड टैक्स

दोपहिया वाहन की कुल कीमत का 8 फीसदी और कार में 10 फीसदी रोड टैक्स देना पड़ता है। वहीं तीन पहिए वाहनों पर डेढ़ से तीन प्रतिशत और मालवाहक में 5 से छह प्रतिशत वाहन पर टैक्स देना होगा। बता दें कि मोटरयान अधिनियम के तहत जारी किए गए आदेश में अब तक खरीदे गए निजी वाहन के मालिकों को टैक्स नहीं पडेगा। वहीं कमर्शियल वाहनों को उसकी क्षमता के अनुसार टैक्स जमा करना पड़ेगा।

बलौदाबाजार हिंसा : कोई भी व्यक्ति आयोग को जानकारी भेज सकता है

जांच आयोग को शपथ पत्र में देनी होगी जानकारी

रायपुर @ पत्रिका. बलौदाबाजार हिंसा मामले में जांच के लिए गठित एकल सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग घटना के कारणों की जानकारी के लिए तेजी से कार्य करने में जुट गया हैं। जांच निष्पक्ष हो और जानकारी देने वाले अपनी बातों से पलट नहीं जाए, इसलिए आयोग शपथ पत्र के साथ जानकारी लेगा। कोई भी व्यक्ति आयोग को स्वयं या पंजीकृत डाक के माध्यम से जानकारी भेज सकता हैं। जानकारी देने के लिए शपथ पत्र का प्रारुप भी आयोग ने जारी कर दिया हैं।

बलौदाबाजार हिंसा मामले में राज्य सरकार सेवानिवृत्त न्यायाधीश सीबी बाजपेयी की अध्यक्षता में जांच आयोग का गठन किया हैं। आयोग का मुख्यालय बलौदाबाजार जिला होगा। आयोग की प्रक्रिया को लेकर राजपत्र में पूरी जानकारी विस्तार से जारी कर दी गई हैं। इसकी खास बात यह हैं कि आयोग की कार्रवाई आम जनता के लिए खुली रहेगी। विशेष परिस्थिति में आयोग चाहे तो कैमरा प्रोसेसिंग भी कर सकता हैं। बता दें कि बलौदाबाजार जिले की हिंसा धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ के बाद भड़की थी। भीड़ ने जिला कलेक्ट्रेट और एसपी ऑफिस में पथराव किया और उसे आग के हवाले कर दिया। इसके बाद इसे लेकर जमकर सियासत भी हुई थीं। सरकार ने मंत्रियों ने घटना के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। वहीं कांग्रेस का आरोप था कि यह घटना सरकार के सूचना तंत्र के फेल होने पर हुई हैं।

सरकारी संपत्ति को पहुंचाया नुकसान

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों के विकास पर दिया प्रेजेंटेशन

रायपुर@पत्रिका. राज्यपाल रमेन डेका ने 1 से 3 अगस्त तक नई दिल्ली में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन में भाग लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में राज्यपाल डेका ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों के आकांक्षी जिलों, ब्लॉक और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास पर अपनी प्रस्तुति दी।उन्होंने छत्तीसगढ़ में जनजातीय विकास के लिए शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी।

मौसम : प्रदेश में औसतन 16 तो रायपुर में 14 दिन होता है रेनी डे

10 सालों में अगस्त में भारी बारिश का ट्रेंड, इस बार भी ऐसा ही

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. प्रदेश में पिछले 10 सालों में अगस्त में भारी से अतिभारी बारिश का ट्रेंड रहा है। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना हो तो 3 से 4 दिनों तक कई स्थानों पर भारी पानी गिरता है। इस माह औसतन 16 दिन रेनी डे होता है। जबकि रायपुर में 14 दिन बारिश होती है और एक माह में 334 मिमी पानी गिर जाता है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार भी ऐसा ही ट्रेंड रहने की संभावना है। यानी अगस्त में पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होगी। मानसून का सीजनल कोटा 1050 से 1100 मिमी इस माह पूरा होने की संभावना है। अगस्त में भारी बारिश होने की शुरुआत इस साल भी हो गई है। इस माह के पिछले तीन दिनों में अच्छी बारिश हुई है। यही कारण है कि प्रदेश में औसत से ज्यादा बारिश हो चुकी है। इस बार बादल दक्षिण छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा बरस रहा है। हालांकि अभी छत्तीसगढ़ यानी सरगुजा संभाग में औसत से 40% कम बारिश हुई है। रायपुर में भी सामान्य से 7% ज्यादा बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार अगस्त में गर्जना का औसत दिन 2 से 3 है। यानी इस माह ज्यादा गड़गड़ाहट भी होती है। इससे बिजली गिरने की संभावना बढ़ जाती है।

प्रदेश में बारिश के अगस्त में 10 सालों के आंकड़े

वर्ष	2014	2015	2016	2017	2018
मासिक वर्षा	189.2	426.9	229.3	199.7	448.3
वर्ष	2019	2020	2021	2022	2023
मासिक वर्षा	302.7	448.6	124.7	426.9	278.7

अगस्त में अब तक सर्वाधिक वर्षा 1947 में 795.3 मिमी हुआ था।

24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश 4 अगस्त 1910 में 370.3 मिमी हुई थी

ऐतिहासिक महोत्सव | 19 अक्टूबर को मावली माता की डोली की विदाई आखिरी रस्म

पाट जात्रा के साथ 77 दिवसीय बस्तर दशहरा विधान शुरू

पत्रिका धर्म कर्म

अजय श्रीवास्तव
patrika.com

जगदलपुर. 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर दशहरा महोत्सव की पहली रस्म पाट जात्रा विधान रविवार को हुई। इस रस्म के लिए बिलोरी गांव से साल के तने को जगदलपुर लाया गया। इसे राजमहल की ड्योढ़ी के सामने रखकर पूजा विधान किया गया। इस साल दशहरा की सबसे खास बात यह है कि इसकी पूरी रस्म जो 75 दिन में पूरी होती थी। इस साल यह 77 दिन में पूरी होंगी। दंतेश्वरी मंदिर के प्रधान पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी ने बताया कि मावली माता की डोली मंगलवार और शनिवार को जगदलपुर से विदा होती हैं। लेकिन इस साल कुटुंब जात्रा विधान बुधवार को पड़ रहा है। इसलिए गुरुवार को माता को विदाई नहीं की जाएगी। बुधवार और शनिवार के बीच में दो दिन का अंतराल होने से यह पर्व 77 दिन चलेगा।

इस बार 77 दिनों का होगा दशहरा महोत्सव

दशहरा पूजन विधान क्रार्यक्रम

- 4 अगस्त , पाट जात्रा पूजा विधान
- 16 सितंबर, डेरी गड़ाई पूजा विधान
- 2 अक्टूबर, काछनगादी पूजा विधान
- 3 अक्टूबर, कलश स्थापना पूजा विधान
- 4 अक्टूबर,जोगी बिठाई पूजा विधान
- 5 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक फूल रथ परिक्रमा विधान
- 10 अक्टूबर, बेल पूजा विधान
- 11 अक्टूबर, निशा जात्रा पूजा विधान
- 12 अक्टूबर, जोगी उठाई पूजा विधान और मावली परघाव पूजा विधान
- 13 अक्टूबर, भीतर रैनी पूजा विधान
- 14 अक्टूबर, बाहर रैनी पूजा विधान
- 15 अक्टूबर, काछन जात्रा पूजा विधान और मुरिया दरबार
- 16 अक्टूबर, कुटुंब जात्रा पूजा विधान और देवताओं की विदाई
- 19 अक्टूबर , मावली माता जी की डोली की विदाई

616 साल पुरानी परंपरा है बस्तर दशहरा

वर्ष 1408 में काकतीय शासक पुरुषोत्तम देव को ओडिशा के जगन्नाथपुरी में रथपति की उपाधि दी गई थी। यहा से उन्हें 16 पहियों वाला एक विशाल रथ भेंट किया गया था। राजा पुरुषोत्तम देव ने जगन्नाथ पुरी से वरदान में मिले 16 चक्कों के रथ को चार चक्कों और 12 चक्कों वाले रथ में बांट दिया था।

कवर्धा : रानीदहरा जलप्रपात में नहाने के दौरान युवक डूबा

कवर्धा. रानीदहरा जलप्रपात में नहाने के दौरान 21 वर्षीय युवक की डूबने से लापता हो गया। बताया जा रहा है लापता युवक तुषार साहू डिप्टी सीएम अरुण साव का भांजा हैं। जानकारी के मुताबिक युवक अपने कुछ दोस्तों के साथ रविवार को चिल्फी सरोदादादर गया था। वहां से दोपहर को रानीदहरा घूमने के लिए चले गए। वहां पर नहाने के दौरान तुषार साहू (21) निवासी सिंघौरी बेमेतरा अचानक लापता हो गया। बोड़ला पुलिस शाम करीब 4 बजे से गोताखोरों के साथ युवक की तलाश कर रही है। देर रात तक युवक का पता नहीं चला। बताया जा रहा है लापता युवक तुषार साहू डिप्टी सीएम अरुण साव का भांजा है।

हे! एजेंसियों... आपकी सड़कें गड्ढों में : बारिश बाद जब फिर शुरू होगा निर्माण, तब होगी बंदरबांट भी

सड़कें हमारी, जैसे ऊंट की सवारी

- वादा किया गया है कि राज्यव्यापी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए एक लाख किमी की सड़कें बनाएंगे
- प्रदेश के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख प्रदेश राजमार्गों को चार लेन अपग्रेड करने का वादा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. सड़कों की क्वालिटी बतानी हो तो एक मशहूर फिल्म अभिनेत्री के गालों से तुलना कर दी जाती है। देश-प्रदेश के नेता ही-ही करते हुए गैरजिम्मेदाराना तरीके से जब-तब ऐसी बयानबाजी करते रहे हैं... कभी जनता से भी तो पूछिए कि उन्हें कैसी सड़कें चाहिए। लोगों को न हीरोइन के गालों जैसी चिकनी सड़कें चाहिए और न ही अमरीका जैसी... उन्हें सड़कें ऐसी चाहिए कि उनमें गड्ढे न हों, गड्ढों से जानलेवा हादसे न हों और सड़क गारंटी पीरियड से पहले जर्जर न हो...।

पता ही होगा कि डिंपल रूपी गड्ढे गालों पर ही अच्छे लगते हैं, सड़कों पर बिल्कुल नहीं। इसके उलट बारिश के सीजन में प्रदेश में जगह-जगह सड़कें गड्ढों में समाहित हो चुकी हैं। इन सड़कों पर वाहन चलाना ऊंट की सवारी करने के समान है। बारिश बाद सड़क निर्माण एजेंसियों, ठेकेदारों और संबंधित अफसरों की जेबें मरम्मत के नाम पर और भर जाएंगी। बंदरबांट भी होगी। सड़क मरम्मत के नाम पर धरती का सीना खोखला कर पत्थर निकाले जाएंगे। गिट्टी की एक और लेयर सड़कों पर चढ़ाकर मोटाई बढ़ा दी जाएगी। सरकारें आईं और गईं, लोक निर्माण जैसे विभागों का बजट भी बढ़ा, लेकिन सड़कों की गुणवत्ता घटिया से घटिया होती गई।

मप्र की किरकिरी

कहने को तो मप्र में सड़कों का जाल बिछा है, लेकिन इनमें से आधी की गुणवत्ता इतनी खराब है कि हर साल बारिश के बाद सर्दी के सीजन में मप्र की किरकिरी होती है। धूल और उसके कणों के कारण एयर क्वालिटी इन्डेक्स 350 से 400 के पार पहुंच जाता है। यह 50 या उससे नीचे होना चाहिए। असल में जो सड़कें बारिश में खराब हो चुकी हैं या होंगी, वे धूप निकलने पर वायु प्रदूषण का बड़ा कारण बनेंगी। यह प्रदूषण आधुनिक स्टेशनों में दर्ज होता है। यहीं से बनती हैं देश के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों और राज्यों की सूची। इसमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर कई बार शामिल रहे हैं।

आम जनता की सड़क

भोपाल में भाजपा कार्यालय के पास

वीआइपी की सड़कें

लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह के बंगले के सामने की सड़क।

ये चकाचक सड़क है मुख्यमंत्री निवास के सामने की।

पड़ चुकी है फटकार

वायु प्रदूषण को लेकर खराब स्थिति बनने पर मध्यप्रदेश की खिंचाई होती रही है। कई मौकों पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने संज्ञान लिया तो अफसरों ने सड़कों की खराब स्थिति को सामने रखा। तब भी निर्माण एजेंसियों ने सबक नहीं लिया।

बजट की बात

- **1,01,19,82,59** हजार रुपए: विभाग का कुल बजट
- **1788** करोड़ : प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए
- **1500** करोड़: ग्रामीण सड़कों एवं अन्य जिला मार्गों के निर्माण या उन्नयन के लिए
- **1150** करोड़: केंद्रीय सड़क निधि के लिए
- **1100** करोड़: सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए
- **750** करोड़: मुख्य जिला मार्गों तथा अन्य नवीनीकरण, डामरीकरण
- **730** करोड़: सड़कों की साधारण मरम्मत के लिए
- **675** करोड़: बड़े पुलों के निर्माण के लिए
- **300** करोड़: मुख्य जिला मार्गों के निर्माण, उन्नयन
- **2001-02** में सड़कों की लंबाई मात्र 60 हजार किमी थी, अब यह पांच लाख किमी+ हो गई है।

जिलों में ऐसे हाल

रीवा

रतलाम

अनूपपुर

बुरहानपुर

तालमेल ही नहीं

विभिन्न एजेंसियों में तालमेल नहीं होने का खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ता है। कई मौके ऐसे भी आए जब सड़क निर्माण के चंद महीनों बाद ही स्थानीय निकाय या अन्य विभाग की एजेंसी अपने कार्य के लिए सड़क खोदना शुरू कर देती है।

प्लास्टिक का प्रयोग

भोपाल के फंदा में प्लास्टिक वेस्ट मिलाकर सड़क निर्माण किया गया जो सफल रहा। इसमें प्लास्टिक वेस्ट को मशीन से छोटे-छोटे टुकड़े कर तय मात्रा में डामर में मिलाया जाता है। प्लास्टिक मिक्स वाली सड़कें बारिश में कम खराब होती हैं।

जर्जर सड़कें करेंगी बीमार, हादसे बढ़ेंगे और वाहन भी होंगे खराब

खराब सड़कों की वजह से लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष नुकसान उठाना पड़ता है। गिट्टियां फैलने और गड्ढों के कारण हादसे होते हैं। शुरुआत हो भी चुकी है। वायु प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों पर विपरीत असर डालता है। लंबे समय तक वायु प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले सामान्य नागरिक भी बीमार हो जाते हैं। गड्ढों के कारण रीढ़ की हड्डी में अक्सर दर्द की शिकायतें बढ़ जाती हैं। धूल की वजह से आंखों में खुजली, जलन होती है। इसके अलावा बारिश के दौरान और उसके बाद वाहनों में बहुत काम निकलता है।

10 साल में 7 हजार करोड़ से ज्यादा बढ़ा बजट

वित्तीय वर्ष 2013-14 में लोक निर्माण विभाग का बजट 2523.41 करोड़ था। अब 2024-25 में बढ़कर 10119.82 करोड़ हो गया है। यानी दस साल में सात हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की वृद्धि।

नर्मदापुरम रोड

जनता का दर्द...

दिखावे का लोकपथ ऐप

पीडब्ल्यूडी ने गड्ढों के सात दिन में निवारण के लिए लोकपथ ऐप लॉन्च किया। इसमें लोकेशन के साथ खराब सड़क की फोटो डालने पर निराकरण का दावा था। शुरू में तो ऐप ठीक चला, लेकिन बारिश का स्वरूप तेज हुआ तो ऐप पर शिकायतें भी बढ़ गईं। बीते 30 दिन में 1600 से ज्यादा शिकायतें पहुंचीं। विभाग का दावा है कि 1400 से ज्यादा शिकायतों का निराकरण करवा दिया गया है।

फोटो अपलोड ही नहीं होती

लोगों का कहना है कि ऐप में उनके मोहल्ले की न तो लोकेशन ली जा रही है और न ही फोटो अपलोड होती है। धीरेंद कुमार के अनुसार काफी प्रयास के बाद भी फोटो अपलोड नहीं हुई। दरअसल, ऐप में चुनिंदा सड़कों के ही विकल्प हैं।

- **1611:** कुल शिकायतें
- **1441:** निराकरण
- **170:** लंबित

(स्थिति- 31 जुलाई तक)

रोड नहीं तो टैक्स भी नहीं

नया वाहन खरीदते समय मालिक से रोड टैक्स वसूला जाता है। टैक्स इसलिए होता है कि सड़कें बेहतर मिलें। इस टैक्स का उपयोग सड़क निर्माण के लिए ही है। रोड टैक्स के साथ अब आमजन से बीओटी की सड़कों पर चलने के लिए भी टैक्स वसूला जाता है। इसे टोल टैक्स भी कह सकते हैं। डबल टैक्स के बावजूद ऊबड़-खाबड़ सड़कों से ही सामना हो रहा है।

जलभराव ही है जड़

बारिश के सीजन में सड़कें खराब होने का प्रमुख कारण जलभराव ही है, क्योंकि डामर और पानी एक-दूसरे के दुश्मन हैं। निर्माण के समय यदि सड़क से जल निकासी का इंतजाम नहीं किया तो सड़क खराब होना तय है। जल निकासी के लिए दोनों ओर नालियां बनाई जाती हैं। समय के साथ यह चोक हो जाती हैं। बारिश के पहले सफाई जरूरी है। निर्माण के समय यदि मटेरियल की गुणवत्ता ठीक नहीं या उसका अनुपात सही नहीं हो तो भी सड़कें जल्दी खराब हो जाती हैं। इसके लिए निर्माण के समय ही मॉनिटरिंग जरूरी है।

जेके तिवारी, रिटायर्ड इंजीनियर, लोक निर्माण विभाग

पॉलिटिक्स & एडमिनिस्ट्रेशन
POLITICS & ADMINISTRATION

भगवान सहस्त्रबाहु का इतिहास पढ़ेंगे स्कूली बच्चे : सीएम

भोपाल@ पत्रिका. अब स्कूली बच्चे भगवान सहस्त्रबाहु का इतिहास भी पढ़ सकेंगे। सरकार उनके इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल करेगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इसकी घोषणा की। वे अखिल भारतीय हैहय कलचुरि महासभा के समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंदाकिनी नगर में आयोजित महासभा के 89वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में सीएम ने समाज के गणमान्य नागरिकों के साथ सहस्त्र-दीप और कलचुरि समाज का विमोचन किया। इस मौके पर महापौर मालती राय व अन्य लोग मौजूद रहे।

तस्कर कार्तिक की जमानत याचिका खारिज

भोपाल@ पत्रिका. विदेशी जीवों की तस्करी में पकड़ाए सरगना कार्तिक की जमानत याचिका हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने खारिज कर दी है। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने उसे 25 मई को दिल्ली से पकड़ा था। उसके पास से विदेशी गिरगिट और बिच्छू मिले थे। पूर्व में वह कुछ जीवों की बिक्री भी कर चुका था।

जो दुकान के सामने नाम नहीं लिखेगा, वह हिन्दू नहीं : प्रज्ञा

भोपाल@ पत्रिका. पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने ट्वीट किया कि अपनी दुकान, अपने-अपने प्रतिष्ठान पर अपना नाम अवश्य लिखें। अब जो लिखेगा वही हिन्दू और जो नाम न लिखे वह हिन्दू नहीं। मामले में कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बारोलिया ने कहा कि प्रज्ञा सिंह नफरत फैलाना चाहती हैं। वे सुप्रीम कोर्ट से भी खुद को ऊपर मान रही हैं। सरकार को उनके बयान पर संज्ञान लेना चाहिए।

आठ अगस्त को दक्षिण भारत के उद्योगपतियों से सीएम करेंगे चर्चा

बेंगलूरु इंडस्ट्री मीट में खनिज उद्योगों के लिए भी निवेश जुटाएगी सरकार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए बेंगलूरु में आठ अगस्त को होने वाले इंटरेक्टिव सत्र में आइटी के साथ ही खनन के क्षेत्र में भी निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा। खनिज संपदा की ब्रांडिंग की जाएगी। इसके लिए सीएम डॉ. मोहन यादव दो दिवसीय प्रवास पर बेंगलूरु जाएंगे। वे इंटरेक्टिव सेशन में प्रदेश में उपलब्ध खनिज संपदा पर उद्योगपतियों का ध्यान आकर्षित कर निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। यहां बता दें कि मिनरल ऑक्शन के लिए मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर पहला पुरस्कार भी मिल चुका है।

खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार मध्यप्रदेश में जल्द ही एल्युमिनियम, लेटराइट, बॉक्साइट, बेस मेटल, डायमंड, गोल्ड, लाइमस्टोन, मैंगनीज के 33 ब्लॉक की नीलामी होने जा रही है। कोयले के भी 17 ब्लॉक की नीलामी की प्रक्रिया जारी है। प्रमुख खनिजों के 20 ब्लॉक की नीलामी पहले से चल रही है। इनमें मैंगनीज, डायमंड बॉक्साइट, लेटराइट, गोल्ड, बेस मेटल और लाइमस्टोन हैं। पिछले साल एक साथ 51 ब्लॉक का आक्शन हुआ था, जो अब तक का रेकॉर्ड है। इन सबको ध्यान में रखते हुए सीएम दक्षिण भारत के निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा करेंगे। इसमें आइटी के साथ ही खनिज संपदा और उसकी संभावनाओं, निवेशकों को दी जा रही सुविधाओं, रियायतों की जानकारी भी देंगे। इस दौरान खनिज विभाग के अधिकारी भी प्रेजेंटेशन देंगे।

74 प्रतिशत तांबा मप्र में

खनिज विभाग के अनुसार देश में 163.9 मीट्रिक टन तांबे का भंडार है। इसमें से मप्र में 120.4 मीट्रिक टन है, जो देश का 73% है। इसी तरह मप्र में मैंगनीज अयस्क देश का 26 प्रतिशत, बॉक्साइट तीन प्रतिशत, रॉक फॉस्फेट 29 प्रतिशत मौजूद है।

थर्मल पावर और सीमेंट उद्योग की अच्छी संभावनाएं

मध्यप्रदेश देश का चौथा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक राज्य है। सिंगरौली, सीधी, छिंदवाड़ा, बैतूल, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया और नरसिंहपुर में भरपूर कोयला भंडार है। कोयले का उपयोग थर्मल पावर प्लांट्स और कोल गैसीफिकेशन प्लांट्स में होता है। इनसे संबंधित उद्योगों के लिए निवेश की अच्छी संभावनाएं हैं। चूना पत्थर का भी बड़ा भंडार है। इस दृष्टि से सीमेंट उद्योग के लिए मप्र अच्छा निवेश स्थान है।

युवा क्रांति कार्यक्रम में शामिल हुए पदाधिकारी व कार्यकर्ता

ग्राम पंचायत और वार्ड में भी टीम गठित करेगी युवा कांग्रेस

30 को सीएम हाउस घेराव की बनी रणनीति

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा पंचायतों के ग्राम एवं वार्ड स्तर पर भी अध्यक्षों का गठन किया जाए, क्योंकि युवा कांग्रेस संगठन का वह हिस्सा है, जिसमें जोश और उत्साह की भावना समाहित होती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मप्र युवा कांग्रेस के युवा क्रांति कार्यक्रम में पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

रविवार को बैठक में पदाधिकारियों ने प्रस्ताव पर सहमति जताई। कार्यक्रम के लिए विचारशील बौद्धिक लोगों की टीम तैयार करने का प्रस्ताव भी दिया गया। पटवारी ने युकां की सहूलियत के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने की भी बात की। युकां के राष्ट्रीय सचिव और मप्र प्रभारी शेषनारायण ओझा ने कहा कि हाल ही में जो 45 नए विधानसभा अध्यक्ष बनाए गए हैं वे एक माह में अपने क्षेत्र की हर पंचायत और वार्ड में अध्यक्षों का गठन सुनिश्चित करें।

मप्र की प्रदेश सह-प्रभारी प्रियंका पटेल ने संगठनात्यक गतिविधियां बताईं। कहा कि 9 अगस्त को युकां का स्थापना दिवस है। प्रदेश के हर ब्लॉक में युकां के झंडे के साथ ध्वजारोहण करें। स्वतंत्रता दिवस पर भी महिला द्वारा ध्वजारोहण कराया जाए। 20 अगस्त को राजीव गांधी के जन्म दिवस पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान किया।

अभियान की समीक्षा: बैठक की अध्यक्षता कर रहे मप्र युकां के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह ने कहा कि युवा कांग्रेस ने 30 अगस्त को सीएम हाउस के घेराव की घोषणा की है। आमजनों को शामिल करने आमंत्रण, जिसमें 'यदि बहरों को जगाना है तो... डरो मत' पोस्टर भी जारी किया गया।

दो किस्तों में 5000 करोड़ रुपए का कर्ज लेगी सरकार

3.75 लाख करोड़ का कर्जा, अब फिर कर्ज लेने की तैयारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. कर्ज में डूबी सरकार न तो नया जेट प्लेन खरीदने से पीछे हट रही है और न ही मंत्रियों की सुख-सुविधाओं के मामले में कदम पीछे खींचे जा रहे हैं। अब फिर कर्ज लिया जा रहा है। यह 5000 करोड़ रुपए का होगा। इसे दो किस्तों में लेने की तैयारी है। खुले बाजार से कर्ज लेने के लिए सरकार ने वित्तीय संस्थाओं के ऑफर मंगाए हैं। इस वित्तीय वर्ष में मोहन सरकार पहली बार कर्ज ले रही है। पिछले वित्तीय वर्ष तक राज्य पर 3.75 लाख करोड़ के कर्ज का बोझ था। अब यह बढ़कर 3.80 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा।

खर्चों को कम करने की बात तो सरकार में होती है, लेकिन खर्च कम होने के बजाय बढ़ रहे हैं। मंत्रियों के लिए नई लग्जरी कार आ चुकी हैं। सरकार के लिए नया जेट प्लेन खरीदने की तैयारी है। इसके लिए बजट में राशि का प्रावधान हो चुका है। मंत्रियों के बंगलों की साज सज्जा, रखरखाव के लिए भी बजट की कमी नहीं। जनहितैषी योजनाओं को चलाते रहना भी जरूरी हैं इसलिए इनके बजट की भी चिंता है। लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी, तीर्थ दर्शन योजना, पीएम आवास योजना सहित अन्य योजनाओं के लिए बजट प्रावधान किए गए हैं। चिंता यह भी है कि अन्य जरूरी खर्च भी चलते रहें। कर्ज लेकर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। 5000 करोड़ कर्ज भी विकास कार्यों के लिए है। दो किस्तों में 2500-2500 करोड़ का कर्ज 7 अगस्त तक सरकार ले लेगी। इसी को ध्यान में रखकर प्रक्रिया शुरू की गई है।

ऐसी है सरकार के खजाने की स्थिति

- **बाजार से कर्ज:** 234812.63 करोड़
- **केंद्र से प्रतिपूर्ति:** 5888.44 करोड़
- **वित्तीय संस्थाओं से कर्ज:** 15248.01 करोड़
- **कर्ज एवं केंद्र सरकार से अग्रिम:** 62012.72 करोड़
- **अन्य देनदारियां:** 19195.00 करोड़
- **विशेष सुरक्षा कोष के लिए रकम:** 38421.73 करोड़

रीवा और सागर जिले की घटना पर कांग्रेस ने घेरा

पटवारी ने बच्चों की मौत को बताया सरकारी हत्या, श्वेत-पत्र की मांग

भोपाल @ पत्रिका. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि प्रदेश में 10 साल में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कमी आई है। इन 10 सालों में शिक्षा का बजट दोगुना यानी 32 हजार करोड़ का हो गया है, लेकिन विद्यार्थियों की संख्या 50 लाख घट गई है। भाजपा सरकार का चेहरा तीन आंकड़े बताता है। जनसंख्या बढ़ी, स्कूलों में बच्चों की संख्या घटी और मुख्यमंत्री विज्ञापन व इवेंट में व्यस्त हैं। रोज देखते हैं कहीं स्कूलों के पास नाला बह रहा है, गटर हैं, डेंगू फैल रहा है। कहीं भवनविहीन स्कूल हैं, पेड़ के नीचे स्कूल लग रहा है।

रविवार को पीसीसी मुख्यालय में मीडिया से चर्चा में पटवारी ने कहा कि रीवा में घटना-दुर्घटना नहीं, बल्कि बच्चों की सरकारी हत्या है। ऐसे ही सागर जिले में बच्चों के साथ हुई दुर्घटना प्रशासन की लापरवाही का इससे बड़ा उदाहरण है। पटवारी ने बच्चों की मौत और स्कूली शिक्षा को लेकर श्वेत-पत्र जारी करने की मांग की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक भी मौजूद थे।

पेज एक से जारी

सृष्टि की मूल शक्ति मां

यह भटकाव कैसे रुके? इसके लिए अग्नि-सोम के यज्ञ में अधिदैव (परा) की भूमिका भी हो। शरीर अपरा का भाग है, जीव परा का अंग है। भोग योनि का परा प्रकृति से कोई सम्बन्ध नहीं बनता। अर्थात् प्रकृति-चक्र से भी सम्बन्ध नहीं बनता। शरीर का स्वच्छंद धरातल है। प्रत्येक पार्थिव युगल की तरह-दैहिक सम्बन्ध होता है।

भारत ही शायद विश्व में एक मात्र ऐसा देश है जहां हिन्दू पद्धति से विवाह होता है। इसमें वर-वधू के शरीर गौण रहते हैं। आत्मा के स्तर पर सारा अनुष्ठान चलता है। कन्यादान इसका प्रमुख पहलू है। पिता का बीज पुत्र में जाता है- पुत्री में नहीं जाता। यह प्राण रूप बीज विवाह में 'कन्यादान' के नाम से वर के प्राणों में समन्वित किया जाता है। तब स्त्री, पति का अंग अथवा अर्द्धांगिनी बन जाती है। अब पति का घर उसका हो जाता है। इसके अभाव में उसका संबंध पीहर से (जहां उसके प्राणांश रहते हैं) पूर्ववत बना रहता है। विवाह आत्मा का (अदृश्य-दिव्य रूप) संबंध है। इसका लक्ष्य ब्रह्म का प्रसार करना है, शरीर मात्र का नहीं। कन्यादान प्राणों का आदान है- देह का नहीं। इसमें कन्या के प्राण, नर के प्राण से एकाकार हो जाते हैं। अब कन्या कोई स्वच्छंद नारी नहीं रह जाती। वह भी दोनों प्रकृतियों की तरह तीसरी पत्नी की तरह पुरुष के हृदय में रहती है। अर्थात -मेरे हृदय में मेरे और पत्नी के प्राण साथ रहते हैं। हृदय में ब्रह्मा आग्नेय वेदी रूप है। इसी में पत्नी का स्त्री-भ्रूण रहता है। पुंभ्रूण (बीज) सम्पूर्ण शरीर में व्याप्त रहता है। प्रजनन प्रक्रिया में पुंभ्रूण रेत में समाहित हो जाता है। स्त्री-भ्रूण भी इसी के साथ आहुत होता है। दोनों ही भ्रूण डिम्ब में साथ-साथ पहुंचते हैं। मातरिश्वा वायु के कारण पुंभ्रूण बुदबुद में बन्द हो जाता है। बुदबुद का निर्माण स्त्रीभ्रूण से होता है। डिम्ब में दोनों भ्रूण अधिदैव (दैविक) रूप में प्रवेश करते हैं। डिम्ब स्थूल सृष्टि का अंग होता है। अतः अक्षर प्राण रूप जीवात्मा क्षर शरीर में जन्म लेने के सृष्टि चक्र से जुड़ जाता है।

इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में पति-पत्नी के सूक्ष्म प्राण साथ ही रहते हैं। पति के साथ, पीढ़ी के पितरों से पत्नी भी जुड़ जाती है। ये पितर प्राण पुंभ्रूण के साथ गर्भ में आ जाते हैं। पति का वर्ण भी आ जाता है। इसी के अनुरूप संतान पैदा होती है। इसमें माता-पिता एवं संतान के पूर्व कर्म भी जुड़े रहते हैं।

स्त्री में विवाह का समय ऋतुकाल है। पुरुष में सोलह वर्ष (चन्द्रमा की 16 कलाओं के भोग से) होती है। स्त्री का ऋतुकाल तथा पुरुष की बीज संस्था भी चन्द्रमास (28 दिवस) से संचालित होती है। बीज में सात पीढ़ी के अंश भी चन्द्रमा से अन्न में, अन्न से शरीर में (वैश्वानर) तथा अन्न से शुक्र में पहुंचते हैं। स्त्री का कामस्थल रक्त होता है। लगभग 50 वर्ष की उम्र में ऋतुकाल का अवसान हो जाता है।

मां, संतान का प्रथम गुरु है- गर्भकाल में। जीवात्मा सात्विक हो, इसके लिए दम्पति प्रार्थना करते हैं- ईश्वर से। जीव किस शरीर को छोड़कर आया, मां को गर्भ में प्रवेश के साथ ही पता चल जाता है। मां का स्वभाव, खान-पान, इच्छा, स्वप्न आदि सब जीव का परिचय देते हैं। तब मां उसे मानवता के संस्कार देती है। परिवार का परिचय, अपने अधूरे सपने, भविष्य का ज्ञान, संतान को ध्वनि/स्पंदन/मनोभाव एवं लौरियों के माध्यम से पहुंचाती है। अभिमन्यु बनाती है।

शरीरपरक मां का इन बातों से कोई परिचय नहीं होता। गर्भ में संस्कार निर्माण नहीं होते। जीव जैसा आया वैसा ही मानव शरीर धारण करके बाहर आता है। सौ वर्ष तक इस शरीर का उपयोग उसी तरह करता है, जैसे पुराने शरीर का करता था। पशु था, तो अब भी उसकी जीवन शैली- 'आहार, निद्रा, भय, मैथुन' तक ही सीमित रहेगी। आज जिस प्रकार अपराध और हिंसा का वातावरण बनता जा रहा है, उसका नियंत्रण केवल मां ही कर सकती है- गर्भकाल में। वही इस सृष्टि की मूल शक्ति, जननी, पोषक और दिव्यता की प्रतीक है।

देर से शादी का मुद्दा शरीरप्रेमियों का है। वे शादी से पहले इसका भोग कर चुके होते हैं। आत्मा कहीं चिंतन में नहीं होता। जीवन में स्थायी भाव, दिव्यता, मिठास, भक्ति जैसे सारे विषय पीछे छूट जाते हैं। साथी बदलते जाते हैं। संतान होना, नहीं होना, सिजेरियन होना आदि भौतिक जीवन के लक्षण हैं। न पत्नी लक्ष्मी (अर्द्धांगिनी), न ही पति का सात जन्म का साथ।

पिछले 10 साल में कई बजट घोषणाएं ऐसी, जो आज भी पूरी नहीं और अब उनका जिक्र तक नहीं

हाल-ए-बजट: घोषणा से खुशी भरमार, धरातल पर रहा इंतजार

शैलेंद्र अग्रवाल
patrika.com

जयपुर. पिछले 10 वर्ष में आमजन को बजट घोषणाओं से सपने तो खूब दिखाए गए, लेकिन कई घोषणाएं आज भी जमीन पर नहीं उतर पाई हैं। आदर्श ग्राम पंचायत, रीजनल वाटर ग्रिड, जनता क्लिनिक, एसओजी में परीक्षाओं के लिए एंटी चीटिंग सेल, 1.33 करोड़ परिवारों की महिलाओं को स्मार्टफोन और सरकारी दफ्तरों का ढर्रा सुधारने के लिए कानून लाने जैसी कई घोषणाएं हैं, जिनका लाभ जनता तक नहीं पहुंच पाया।

वित्त विधेयक पर विधानसभा में जवाब के समय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछली बजट घोषणाएं पूरी नहीं होने के लिए पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना भी साधा, जबकि विपक्ष ने उनकी योजनाओं को ही बजट में शामिल कर सरकार पर नई घोषणा बताने का आरोप लगाया। इन 10 सालों में पांच साल भाजपा ने शासन किया और पांच साल कांग्रेस ने। दोनों ही दलों ने विपक्ष में रहकर बजट घोषणाएं पूरी नहीं होने को लेकर सत्तापक्ष को घेरने का काम किया, लेकिन सत्ता में आते ही सब भुला दिया।

सीएजी ने उठाए सवाल...

- सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022-23 में एक करोड़ से अधिक बजट वाली 368 योजनाओं के लिए 10,149 करोड़ का प्रावधान किया गया, लेकिन इन पर काम ही शुरू नहीं हुआ।
- वर्ष 2023-24 का बजट पेश करते समय इनमें से 103 योजनाओं को तो सरकार ने स्वयं ही वापस ले लिया, जबकि 189 योजनाओं के लिए नाममात्र का बजट दिया।
- इसको लेकर सीएजी ने कहा कि बजट पेश करते समय ऐसी घोषणाओं से बचना चाहिए, जो पूरी ही नहीं की जा सकें। इसके अलावा सरकार को मॉनिटरिंग सिस्टम को मजबूत बनाने का सुझाव दिया है।

वित्तीय वर्ष: घोषणा और उनकी स्थिति

2014-15 ■ राजस्थान टाउन प्लानिंग एंड अरबन डवलपमेंट बिल, विरासत संरक्षण विधेयक एवं सुशासन विधेयक, जो कभी सदन में आए ही नहीं।

2015-16 ■ गांवों की स्थिति में सुधार के लिए मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम योजना, जो पहले ही साल में ठंडे बस्ते में चली गई।

2018-19 ■ पेयजल की उपलब्धता एवं आपूर्ति के लिए रीजनल वाटर ग्रिड

2019-20 ■ जयपुर में मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के लिए डीपीआर की तैयारी, आज तक दूसरा चरण का कार्य शुरू नहीं। लोगों को उनके आसपास स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जनता क्लिनिक और जयपुर को भिक्षावृत्ति से मुक्ति और एक उद्यमी-एक खेल योजना, इनके लिए आधा-अधूरा कार्य ही हुआ।

2021-22 ■ एसओजी में परीक्षाओं के लिए एंटी चीटिंग सेल, 1.33 करोड़ चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखियाओं को स्मार्ट फोन देने की घोषणा, इन पर भी पूरी तरह अमल नहीं।

2022-23 ■ 1.33 करोड़ चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखियाओं को स्मार्ट फोन देने की घोषणा पुनः की गई, पचपदरा-बाड़मेर में पेट्रोलियम, केमिकल एवं पेट्रो केमिकल्स इन्वेस्टमेंट रीजन की स्थापना। इनमें से स्मार्ट फोन देने की घोषणा का दायरा घटा दिया गया और पीसीपीआईआर का काम अब भी जारी है।

2023-24 ■ प्रदेश में 17 नए जिले बना दिए गए, लेकिन इनको आधारभूत ढांचा तक नहीं मिला। ईआरसीपी को 13 हजार करोड़ रुपए देने की घोषणा की गई, लेकिन धरातल पर काम नजर नहीं आया।

■ प्रतापगढ़, जालोर व राजसमंद में मेडिकल कॉलेज की घोषणा के बावजूद कार्य शुरू नहीं।

■ जयपुर में राजीव गांधी एविएशन यूनिवर्सिटी व कोटा संभाग में माइनिंग यूनिवर्सिटी, जो अब ठंडे बस्ते में चली गई हैं।

■ गिग वर्कर्स को संरक्षण के लिए कानून भी बन गया, लेकिन उसे लागू ही नहीं किया जा रहा है।

हरियाली तीज पर एक करोड़ पौधे लगाएंगे

मंत्री दिलावर का आग्रह... जिस घर में एसी, वे 50 पौधे लगाएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर @ पत्रिका. हरियाली तीज के मौके पर 7 अगस्त को प्रदेश भर में एक करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। पौधारोपण में आमजन की भागीदारी भी तय की गई।

रविवार को शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिस घर में एसी हैं, उस परिवार को 50 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। हम कोई बलपूर्वक नहीं कह रहे हैं बल्कि पौधे लगाने का आग्रह कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बाइक चालक को पांच, कार मालिक को 10, ट्रक-बस मालिक को 20 पौधे लगाने होंगे। वहीं 200 पौधों की सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी मनरेगा श्रमिक को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दूदू के गाडोता स्थित एसडीआरएफ परिसर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान वन महोत्सव की शुरुआत करेंगे।

दिलावर ने कहा कि पौधारोपण के लिए शिक्षा विभाग को 37 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बजट दिया गया है। इसके तहत प्राइमरी स्कूल को 15 हजार, माध्यमिक स्कूल को 35 हजार और सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लिए 55 हजार का प्रावधान रखा गया है। कक्षा 1 से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों को भी पौधे लगाने होंगे।

पेज एक का शेष

बांग्लादेश में ...

जल संसाधन राज्य मंत्री जाहिद फारुक के बरिशाल स्थित घर में रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे तोड़फोड़ की गई। वहीं पूर्व सेनाध्यक्ष इकबाल करीम भुइयां ने सेना को बैरकों में लौटने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक संकट में सेना को शामिल करने की पहल सैन्यीकरण के समान है। यूनिवर्सिटी और कॉलेज शिक्षकों के एक समूह ने भी शेख हसीना सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए अंतरिम सरकार के गठन की मांग की है, जिसमें छात्र प्रतिनिधियों को भी जगह दी जाए। गौरतलब है कि प्रदर्शनकारी विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं, जिसके तहत सरकार ने 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले लड़ाकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। इसे लेकर जुलाई में भी देशभर में दंगे भड़क गए थे। सरकार को कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हाल में कर्फ्यू हटाने के बाद फिर लोग सड़कों पर आ गए।

ब्रिटेन में...

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों में कई घायल हो गए। लिवरपूल में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर भी हमले किए। इन लोगों ने प्रवासियों के घर और दुकानों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। मैनचेस्टर और बेलफास्ट पहले ही असंतोष की आग में झुलस रहा है। बताया जा रहा है कि 13 साल बाद यह सबसे बड़ा हिंसक प्रदर्शन है। इससे पहले लंदन में 2011 में पुलिस की गोली से एक अश्वेत की मौत के बाद हजारों लोग सड़कों पर उतर आए थे। दक्षिणपंथी संगठनों ने सोमवार को देश में प्रदर्शन तेज करने की चेतावनी दी है।

'जल रहा है देश, पीएम सैर सपाटे की तैयारी में': आंतरिक सुरक्षा मंत्री यवेटे कूपर ने शनिवार रात प्रदर्शनकारियों को चेतावनी देते हुए कहा, हिंसा और गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे लोगों को कड़ी सजा देने वाले पुलिसकर्मियों को मेरा पूरा समर्थन है। इस बीच प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के परिवार सहित घूमने जाने के प्रस्तावित दौरे पर सांसदों ने आपत्ति जताई है। इनका कहना है कि एक तरफ देश जल रहा है और दूसरी ओर प्रधानमंत्री सैर सपाटे की तैयारी कर रहे हैं।

शिवलिंग बना...

रविवार की छुट्टी के कारण बड़ी संख्या में लोग मंदिर में मौजूद थे। कई बच्चे भी शिवलिंग बनाने पहुंचे थे। जब वे एक जगह बैठकर शिवलिंग बना रहे थे, तभी मकान की दीवार ढह गई। हादसे के बाद मंदिर में चीख-पुकार मच गई। लोगों ने मलबे से एक-एक कर बच्चों को बाहर निकाला। नगर परिषद और पुलिस के जवान भी वहां पहुंचे। मलबे में दबे बच्चों में छह की मौके पर ही मौत हो गई। तीन ने अस्पताल में दम तोड़ा। लोग दो घायल बच्चों को लेकर शाहपुर अस्पताल पहुंचे तो वहां एक भी डॉक्टर नहीं मिला। मलहम पट्टी करने वाला भी मौजूद नहीं था। लोगों की शिकायत के बाद अस्पताल के कर्मचारी पहुंचे और बच्चों को भर्ती कर लिया। वहीं मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने हादसे पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख और घायलों को एक-एक लाख रुपए की मदद की घोषणा की चाहिए।

गजब है...

खास बात है कि यह शेयर ऐसे समय बेचे गए, जब अमरीकी शेयर बाजार ने रेकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था। हालांकि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से जुड़े शेयरों की रैली खत्म होने की आशंका से पिछले 3 हफ्तों से इंडेक्स लगातार गिरावट के साथ बंद हुआ। अमरीकी अर्थव्यवस्था से जुड़ी चिंताओं के कारण शुक्रवार को अमरीकी बाजार इंडेक्स में 1.8 फीसदी की गिरावट आई थी। बर्कशायर ने बैंक ऑफ अमरीका में भी अपनी हिस्सेदारी में 8.8 फीसदी की कटौती की है।

कंपनी के पास है 40 करोड़ शेयर : बर्कशायर ने 2016 में पहली बार एपल में अपनी हिस्सेदारी का खुलासा किया था। इसके बाद कंपनी ने 2021 में बताया कि उसके पास एपल के 90.8 करोड़ शेयर हैं, जिसे उसने सिर्फ 31.1 बिलियन डॉलर में खरीदा। जून तिमाही के अंत में उसके पास एपल के करीब 40 करोड़ शेयर बचे थे, जिनकी कीमत 84.2 बिलियन डॉलर है।

टैक्स के कारण बेचनी पड़ी हिस्सेदारी : बफे ने मई में शेयरधारकों की बैठक में कहा था कि उसने अमरीकन एक्सप्रेस कंपनी और कोका-कोला में भी निवेश किया है, लेकिन एपल इन दोनों के मुकाबले बेहतर बिजनेस वाली कंपनी है। उन्होंने कहा था कि एपल उनके पोर्टफोलियो की टॉप होल्डिंग्स कंपनी बनी रहेंगी। हालांकि अब लगता है कि टैक्स से जुड़े मुद्दों के कारण बर्कशायर को अपनी हिस्सेदारी बेचनी पड़ी है।

अमर जवानों के साथ पूर्व उपराष्ट्रपति शेखावत को किया नमन

भाजपा पार्टी ही नहीं परिवार भी है: राठौड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को शहीद स्मारक पर अमर जवानों और महापुरुषों को याद किया। पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत की समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित किए। राठौड़ ने कहा कि भाजपा पार्टी होने के साथ परिवार भी है। परिवार में सबको साथ लेकर चला जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा नाम के पौधे को वटवृक्ष बनाने में शेखावत का अद्वितीय योगदान था। पाली के लोगों का शेखावत पर विशेष अधिकार था और जब वे बाली से विधायक थे तब में पाली का जिलाध्यक्ष था। इस मौके पर भैरोंसिंह शेखावत के दौहित्र एवं पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अभिमन्यु सिंह राजवी, विधायक गोपाल शर्मा सहित कई मौजूद थे।

उपचुनाव की तैयारियों का लिया फीडबैक

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों में लगे नेताओं की बैठक लेकर जमीनी फीडबैक लिया। इससे पहले राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से उपचुनाव को लेकर चर्चा की।

'वेतन विसंगति जल्द होगी दूर'

जयपुर @ पत्रिका. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के उत्थान से ही विकसित राजस्थान का सपना साकार हो सकता है। इसलिए राज्य सरकार ने कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए बजट में कई प्रावधान किए हैं। सीएम रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बजट में कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के कल्याण के लिए वेतन विसंगति संबंधी सुधार, अधिकतम ग्रेच्युटी राशि में वृद्धि, पेंशन वृद्धि, चिकित्सा सुविधाओं में सुधार जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं।

भारतवंशी कमला हैरिस को मिला टेक दिग्गजों का साथ, सर्वेक्षणों में ट्रंप पर निर्णायक बढ़त

अमरीकी चुनाव

वॉशिंगटन @ पत्रिका. डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार भारतवंशी कमला हैरिस अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डॉनल्ड ट्रंप से तेज गति और लगातार बढ़त बना रही हैं। कई ताजा सर्वेक्षणों में उन्होंने ट्रंप को पीछे छोड़ दिया है। पिछले 48 घंटे में हुए छह जनमत सर्वेक्षणों के परिणामों में हैरिस चार सर्वेक्षणों में आगे थीं, जबकि ट्रंप केवल दो सर्वेक्षणों में आगे रहे। हैरिस सिविक्स सर्वेक्षण में 4 प्रतिशत अंकों, लेगर सर्वेक्षण में 3 अंकों, यूगोव सर्वेक्षण में 2 अंकों और इस्पोस सर्वेक्षण में एक अंक से आगे थीं। ट्रंप को मैकलॉघलिन सर्वेक्षण में 2 अंकों और एक्टिवोट सर्वेक्षण में 2.6 अंकों की बढ़त मिली। स्विंग राज्यों में एरिजोना को छोड़कर कमला सभी राज्यों में ट्रंप पर बढ़त बना चुकी हैं। पोलिंग एग्रीगेटर वेबसाइट के अनुसार कमला सभी सर्वेक्षणों के औसत में ट्रंप से करीब 1.4 फीसदी की बढ़त बना चुकी हैं।

डिबेट की तारीखों और प्लेटफार्म को लेकर तनातनी: इस बीच, हैरिस ने ट्रंप की फॉक्स न्यूज पर प्रेसिडेंशियल डिबेट की पेशकश ठुकरा दी है। दरअसल, मई में ट्रंप और राष्ट्रपति जो बाइडन ने दो प्रेसिडेंशियल डिबेट में भाग लेने पर सहमति जताई थी। दूसरी डिबेट 10 सितंबर को निर्धारित है, जिसे एबीसी द्वारा होस्ट किया जाना है। ट्रंप ने एबीसी के साथ अपनी मुकदमेबाजी का हवाला देते हुए फॉक्स न्यूज पर डिबेट करने को कहा था लेकिन हैरिस ने कहा कि वे एबीसी डिबेट के लिए ही तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं 10 सितंबर को वहां रहूंगी।

मिला सिलिकॉन वैली का साथ

टेस्ला के दिग्गज एलन मस्क के ट्रंप के पक्ष में उतरने के बाद अब सिलिकॉन वैली के सैकड़ों वेंचर कैपिटलिस्ट, निवेशक और टेक दिग्गज हैरिस का समर्थन करने के लिए एकजुट हुए हैं। 'वीसी फॉर कमला' नामक इस समूह में शामिल लिंक्ड-इन के संस्थापक रीड हॉफमैन, एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव वोज्नियाक और सन माइक्रोसिस्टम्स के सह-संस्थापक विनोद खोसला सहित टेक नेताओं ने कहा कि वे व्यापार, अमरीकी सपने, उद्यमशीलता और तकनीकी प्रगति के समर्थक होने के कारण लोकतंत्र को अहम मानते हैं और कमला के लिए समर्थन जुटाएंगे। समूह ने एक बयान में कहा कि 700 से अधिक टेक दिग्गजों ने उनके प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं।

सुरक्षाकर्मियों से हो रही तकरार

एयरपोर्ट पर अव्यवस्था का माहौल, नेताओं को भी जूझना पड़ रहा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. जयपुर एयरपोर्ट पर पिछले कुछ समय से अव्यवस्थाओं के चलते राज्य के नेताओं की सुरक्षाकर्मियों से तकरार हो रही है। केन्द्रीय मंत्री, राज्यपाल और राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं के आने पर स्वागत के लिए जाने वाले राज्य के नेताओं को एयरपोर्ट पर प्रवेश में परेशानी हो रही है। जानकारी के मुताबिक राजस्थान के नए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के पदभार ग्रहण के लिए जयपुर आने पर उनके स्वागत के लिए गए राज्य के नेताओं को रोक दिया गया। एक दिन पहले प्रदेश भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के जयपुर आने पर उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर गए तो मंत्री जोराराम कुमावत और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग को रोक दिया गया।

संवादहीनता बना सबसे बड़ा कारण: जब भी किसी बड़े नेता के आने पर प्रदेश के नेता उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट के अंदर जाते हैं तो उसका स्वागत करने के लिए जाने वालों की सूची बनती है। उस सूची में एयरपोर्ट के अंदर जाने वाले का नाम और उसकी गाड़ी का नंबर होता है। वो सूची एयरपोर्ट अथॉरिटी के पास जाती है। इसके बाद सूची के अनुसार नेताओं को अंदर जाने दिया जाता है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से प्रोटोकॉल से जुड़े अधिकारी आधी अधूरी जानकारी ही एयरपोर्ट अथॉरिटी को भेज रहे हैं, जिस वजह से नेताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विकसित राजस्थान की यात्रा में विमानन क्षेत्र अहम पड़ाव, आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी: सीएम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर). मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान की यात्रा में विमानन क्षेत्र अहम पड़ाव है, इसलिए सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। किशनगढ़ एयरपोर्ट की जमीन सहित अन्य सभी आवश्यकताओं के लिए सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। इससे यहां आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। सीएम ने कहा कि यह फ्लाइट स्कूल राज्य का पहला उड़ान प्रशिक्षण केन्द्र है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने यह बात रविवार को किशनगढ़ एयरपोर्ट पर अव्याना एविएशन की पायलट ट्रेनिंग एकेडमी के उद्घाटन समारोह में कही। समारोह में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने वीडियो संदेश भेजकर शुभकामनाएं दी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, कृषि एवं कृषक कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने भी विचार व्यक्त किए। उद्घाटन समारोह के दौरान पहली उड़ान भरने वाले विमान को वाटर सैल्यूट भी दिया गया। इससे पहले अव्याना एविएशन एकेडमी के डायरेक्टर शार्दुल सेठ ने मुख्यमंत्री का साफा पहनाकर स्वागत किया तथा विमान का मॉडल भेंट किया। समारोह में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री गौतम कुमार दक, सांसद लुम्बाराम चौधरी, विधायक अनीता भदेल, रामस्वरूप लांबा, किशनगढ़ एयरपोर्ट डायरेक्टर बी.एल. मीणा, उद्योगपति अशोक पाटनी सहित कई मौजूद थे।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बनने जा रहा भारतीय हवाई बाजार

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय हवाई बाजार दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हवाई बाजार बनने जा रहा है। हमारे हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या हर साल 15 से 20 फीसदी बढ़ रही है। उड़े देश का आम नागरिक योजना का अब तक 1.41 करोड़ से अधिक घरेलू यात्री लाभ उठा चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों की संख्या 22 प्रतिशत की दर से बढ़ कर 7 करोड़ हो चुकी है।

'इस वर्ष एक लाख युवाओं को नौकरी देंगे'

लालसोट (दौसा). मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को ग्राम डूंगरपुर में लालसोट विधायक रामबिलास मीना के आवास पर आयोजित बिल्व पत्र समारोह में पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि नेहरू से लेकर सोनिया व राहुल गांधी तक गरीबी हटाओ का नारा दे रहे हैं, कब तक यह नारा देते रहोगे। उन्होंने कहा कि सरकार इस वर्ष एक लाख युवाओं को नौकरी देगी।

किशनगढ़ एयरपोर्ट पर राज्य के पहले उड़ान प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन

हाईकोर्ट प्लेटिनम जुबली वर्ष | सम्मान समारोह में बोले पूर्व सीजेआई लोढा...

अस्पताल 365 दिन खुलते हैं तो कोर्ट क्यों नहीं?

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने कहा कि यहां रहे न्यायाधीशों ने न्याय को नई ऊंचाइयां दी हैं। पूर्व प्रधान न्यायाधीश आरएम लोढा ने कहा कि मुकदमों का भार बढ़ा है। इसलिए न्यायालयों में 365 दिन काम जरूरी है। जब अस्पताल और जलदाय विभाग 365 दिन काम करते हैं तो न्यायालयों में 365 दिन काम क्यों नहीं होता? इसके लिए उनके समय प्रयास भी हुए। उन्होंने बढ़ते मुकदमों के लिए विधायिका, कार्यपालिका व वकीलों को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने तीन नए कानून लाने पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि नाम नया है, लेकिन 15 से 20 साल से काम कर रहे जज और 40 साल से प्रैक्टिस कर रहे वकीलों को भी एबीसीडी सीखने को मजबूर कर दिया। हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली वर्ष के मौके पर आयोजित समारोह में रविवार को जयपुर में करीब सौ पूर्व मुख्य न्यायाधीश, पूर्व जज व वयोवृद्ध वकीलों का सम्मान किया गया। मुख्य न्यायाधीश श्रीवास्तव ने कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट का स्वर्णिम इतिहास रहा है, यहां से 25 न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचे हैं। यहां के न्यायाधीशों व वकीलों के आपसी त्याग व मिलकर चलने की भावना के कारण ही आज प्लेटिनम जुबली वर्ष मनाना संभव हो पाया है। भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम को बदले जाने पर उन्होंने कहा कि तीनों कानूनों को बदलना उचित नहीं है। बदलने के बजाय संशोधन किया जाता तो अच्छा होता।

जयपुर. हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश आर एम लोढा का सम्मान किया, जिसके बाद एक-दूसरे का अभिवादन करते हुए।

इनका भी हुआ सम्मान

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश शिवराज वी पाटिल, जीएस सिंघवी, बीएस चौहान, अजय रस्तोगी व एस रविन्द्र भट्ट, पूर्व मुख्य न्यायाधीश अनिल देव सिंह, एसएन झा व एसके मित्तल, एसएन भार्गव, एनके जैन, नगेन्द्र कुमार जैन, केएस झवेरी, आरएस चौहान, एमएन भंडारी, मोहम्मद रफीक व सबीना का सम्मान किया गया। लोकायुक्त पीके लोहरा व राज्य मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष जीआर मूलचंदानी को भी सम्मानित किया गया।

भावुक पल: पूर्व न्यायाधीश अनूप चंद गोयल का उनके पुत्र न्यायाधीश महेन्द्र गोयल व पुत्रवधू न्यायाधीश शुभा मेहता ने सम्मान किया। वहीं वयोवृद्ध अधिवक्ता ओमप्रकाश ढंड का उनके पुत्र न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड ने सम्मान किया।

मैरी बुजकोवा वॉशिंगटन ओपन के फाइनल में

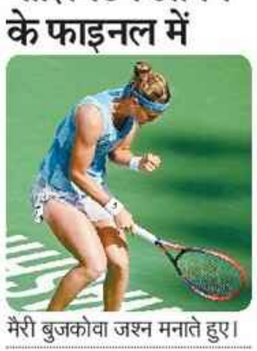

मैरी बुजकोवा जश्न मनाते हुए।

वाशिंगटन @ पत्रिका. चेक गणराज्य की मैरी बुजकोवा ने वर्षा बाधित मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए वाशिंगटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया। बुजकोवा ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को 6-4, 3-6, 6-3 से हराया। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पहली बार डब्ल्यूटीए 500 फाइनल में प्रवेश किया। अब फाइनल में स्पेन की पाउला बाडोसा से सामना होगा।

पूर्व क्रिकेटर बोले

लंबे समय तक नहीं टिक पाएंगे गंभीर

नई दिल्ली @ पत्रिका. भारत को 2007 टी-20 विश्व कप चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले जोगिंदर शर्मा ने दावा किया है कि गौतम गंभीर मुख्य कोच पद पर लंबे समय तक नहीं टिक पाएंगे। उन्होंने कहा, गंभीर टीम को संभालने वाला है, लेकिन हो सकता है कि किसी खिलाड़ी से मनमुटाव हो जाए। वह किसी की चापलूसी करने वाला नहीं है।

दूसरा वनडे: मेजबान श्रीलंकाई टीम ने 32 रन से जीता मुकाबला, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

वेंडरसे ने चटकाए 06 विकेट, भारतीय टीम ने खराब बल्लेबाजी के कारण गंवाया मैच

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलंबो. स्पिनर जेफ्री वेंडरसे (33 पर 6 विकेट) की शानदार गेंदबाजी से श्रीलंका ने यहां खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में भारतीय टीम को 32 रन से शिकस्त दी। रविवार को खेले गए मैच में श्रीलंका ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 240 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 42.2 ओवर में 208 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। तीन मैचों की सीरीज में श्रीलंका ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। पहला वनडे मैच टाई हो गया था।

भारतीय बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन: भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 13.3 ओवर में 97 रन जोड़ दिए। लेकिन रोहित का विकेट गिरने के साथ ही भारतीय पारी लड़खड़ा गई। रोहित ने 44 गेंदों में पांच चौकों और चार छक्कों के साथ 64 रन बनाए। गिल ने 44 गेंदों में तीन चौकों के साथ 35 रन की पारी खेली। वहीं, मध्यक्रम में अक्षर पटेल ने 44 रन बनाए।

दिग्गज हुए फ्लॉप : विराट कोहली 14 जबकि श्रेयस अय्यर सात रन बनाकर आउट हो गए। शिवम दुबे और लोकेश राहुल तो अपना खाता भी नहीं खोल सके।

श्रीलंका के जेफ्री वेंडरसे विकेट लेने का जश्न मनाते हुए।

रोहित का लगातार दूसरा अर्धशतक, सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे भारतीय बने

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया। इसके साथ ही वह अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित के नाम 264 वनडे मुकाबलों में 10831 रन हो गए हैं। इस दौरान उन्होंने 31 शतक और 57 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित से आगे सौरव गांगुली (308 मैचों में 11221 रन), विराट कोहली (294 मैच में 13886 रन) और सचिन तेंदुलकर (463 मैचों में 18426 रन) हैं। अब दोनों टीमों के बीच तीसरा व अंतिम मुकाबला बुधवार, 7 अगस्त को खेला जाएगा।

स्कोर बोर्ड

श्रीलंका	50 ओवर 240/09
बल्लेबाज	**रन गेंद 4 6**
निसांका कॉ राहुल बो सिराज	00 01 00 00
फर्नांडो कॉ एंड बो सुंदर	40 62 05 00
कुशल एलबीडब्ल्यू बो सुंदर	30 42 03 00
सदीरा कॉ कोहली बो अक्षर	14 31 01 00
असलंका कॉ अक्षर बो सुंदर	25 42 03 00
लियानगे कॉ एंड बो कुलदीप	12 29 00 00
वुनिथ कॉ शिवम बो कुलदीप	39 35 01 02
कामिंदु रन आउट	40 44 04 00
अकिला रन आउट	15 13 02 00
जेफ्री वेंडरसे नॉट आउट	01 01 00 00

अतिरिक्त: 24.

विकेट पतन: 1-0, 2-74, 3-79, 4-111, 5-136, 6-136, 7-208, 8-239, 9-240.

गेंदबाजी: सिराज 8-1-43-1, अर्शदीप 9-0-58-0, अक्षर 9-0-38-1, शिवम 2-0-10-0, सुंदर 10-1-30-3, कुलदीप 10-1-33-2, रोहित 2-0-11-0.

भारत	42.2 ओवर 208/10
बल्लेबाज	**रन गेंद 4 6**
रोहित कॉ निसांका बो वेंडरसे	64 44 05 04
गिल कॉ मेंडिस बो वेंडरसे	35 44 03 00
कोहली एलबीडब्ल्यू वेंडरसे	14 19 02 00
शिवम एलबीडब्ल्यू वेंडरसे	00 04 00 00
अक्षर कॉ एंड बो असालंका	44 44 04 02
श्रेयस एलबीडब्ल्यू बो वेंडरसे	07 09 01 00
राहुल बो वेंडरसे	00 02 00 00
सुंदर एलबीडब्ल्यू बो असालंका	15 40 00 00
कुलदीप नॉट आउट	07 27 00 00
सिराज एलबीडब्ल्यू बो असालंका	04 18 00 00
अर्शदीप रन आउट	03 04 00 00

अतिरिक्त: 15. **विकेट पतन:** 1-97, 2-116, 3-116, 4-123, 5-133, 6-147, 7-185, 8-190, 9-201, 10-208.

गेंदबाजी: फर्नांडो 7-0-31-0, वेलालागे 6-0-41-0, धनंजय 10-1-54-0, कामिंदु 3-0-19-0, जेफ्री वेंडरसे 10-0-33-6, असालंका 6.2-2-20-3.

फ्रैंडली फुटबॉल मैच: मैनचेस्टर सिटी ने चेल्सी को 4-2 से दी शिकस्त

हॉलैंड ने एक मिनट में दागे दो गोल, हैट्रिक बनाई

ओहियो @ पत्रिका. अर्लिंग हॉलैंड की हैट्रिक की बदौलत प्रीमियर लीग चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने फ्रैंडली मैच में चेल्सी को 4-2 से हराया। सिटी के लिए हॉलैंड ने मैच के शुरुआती पांच मिनटों में दो गोल दागे, जबकि दूसरे हाफ में ऑस्कर बॉब के 55वें मिनट में किए गए तीसरे गोल के बाद अगले ही मिनट में नार्वे के खिलाड़ी ने गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। वहीं, चेल्सी के रहीम स्टर्लिंग ने 59वें और मडुएके ने 89वें मिनट में गोल दागे।

मैनचेस्टर सिटी के अर्लिंग हॉलैंड।

लिवरपूल भी जीता

एक अन्य मुकाबले में लिवरपूल ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड को 3-0 से हराया। लिवरपूल की ओर से शुरुआती गोल पुर्तगाली स्ट्राइकर फैबियो कार्वाल्हो ने 10वें मिनट में किया। इसके बाद कर्टिस जोन्स ने 36वें और कोस्टास सिमिकास ने 61वें मिनट में गोल दाग लिवरपूल की जीत सुनिश्चित कर दी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : भारत कर चुका है पाकिस्तान जाने से इनकार

आइसीसी का 544 करोड़ का 'प्लान बी' तैयार

नई दिल्ली @ पत्रिका . चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होना है, लेकिन भारत ने पाक जाने से साफ इनकार कर दिया है। ऐसे में रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को एशिया कप 2023 की तरह ही चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन भी हाईब्रिड मॉडल के तहत करना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) भी इसके लिए तैयार है और 544 करोड़ रुपए का बजट भी तैयार कर लिया है।

19 फरवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट

चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 19 फरवरी से नौ मार्च तक होगा। पाकिस्तान में इसकी तैयारियां जारी हैं। आइसीसी ने तमाम अटकलों को देखते हुए 544 करोड़ रुपए का प्लान बी तैयार किया है। हालांकि आइसीसी ने इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, आइसीसी ने कोलंबो में अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में लगभग 65 मिलियन डॉलर (यानि 544 करोड़ रुपए) से भी ज्यादा के बजट को मंजूरी दी है।

संभावना बढ़ी... पीसीबी को मिली रकम में वो खर्च भी कवर है, जो भारत के टूर्नामेंट के लिए पाक नहीं जाने से होगा। पीसीबी को इतने पैसे मिले हैं कि वो भारत के मैचों का आयोजन पाक से बाहर कर सकता है।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7066...

बाएं से दाएं... 1. सीख, अच्छी शिक्षा, सदुपदेश (4), 5. अतिथि (4), 8. कंठ, गला (4), 9. प्राण, सांस, जान (2), 10. हार, पराजय, शिकस्त (2), 11. सपना, स्वप्न (2), 13. अवधि सूचक शब्द (2), 14. मल्ल, कुश्ती लड़ने वाला (5), 16. अविनाशी, अक्षय, नित्य (3), 17. मूल्य, भाव (3), 19. बौना, ठिगना, नाटा (3), 21. बलपूर्वक दबाना (3), 22. देश/ राज्य की सीमा (4), 25. धूल, गर्द (2), 26. आवश्यक, जरूरी (4), 30. निर्णीत, निश्चय (2), 31. आवेश में आना (5)

ऊपर से नीचे... 1. सुरीली आवाज, गाना, गीत (3), 2. स्वभाव, आदत (3), 3. पराकाष्ठा, अंतिम स्थिति तक, सीमा (2), 4. पगार, वेतन (4), 5. बादल, वर्षा (2), 6. नशीला (3), 7. आर्द्र, गीला (2), 12. शक्तिशाली, ताकतवर (4), 13. जांच-पड़ताल, खोजबीन, परीक्षण (4), 14. चिंता (4), 15. स्वदेश, राष्ट्र (3), 16. मौका, छुट्टी (4), 18. मोह, अपनापन (3), 20. सहायता, सहयोग (3), 23. चांदी (3), 24. कामनायुक्त, सफल मनोरथ (3), 27. लीन, तन्मय (2), 28. परंपरा, रिवाज (2), 29. ना, इनकार (2)

हल 7065

SUDOKU 6801...

8					4		9	
	4			8		7		
		5			2			3
			1	4			5	
4		3					6	
1								
			5			2		
				2				5
		7	9		3			

हल 6800

1	8	7	9	4	2	3	6	5
3	4	2	6	5	8	9	1	7
9	6	5	1	7	3	2	8	4
6	9	3	5	2	4	1	7	8
8	2	4	3	1	7	6	5	9
5	7	1	8	9	6	4	2	3
2	1	8	4	3	5	7	9	6
4	5	9	7	6	1	8	3	2
7	3	6	2	8	9	5	4	1

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

प्राइमरी मार्केट: निवेश और कमाई का मौका

इस हफ्ते पांच म्यूचुअल फंड स्कीम, 3 आइपीओ होंगे लॉन्च

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. भारतीय शेयर बाजार में आई रेकॉर्ड तेजी का फायदा उठाने के लिए कंपनियां जमकर आइपीओ लॉन्च कर रही हैं। म्यूचुअल फंड हाउस भी इस तेजी को कैश कराने के लिए खूब नई स्कीम यानी नए फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च कर रही हैं। इस हफ्ते 2 मेनबोर्ड और एक एसएमई आइपीओ लॉन्च हो रहे हैं, जबकि पिछले हफ्ते लॉन्च 5 आइपीओ में भी निवेश का आखिरी मौका है। म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए भी इस हफ्ते 5 नए एनएफओ लॉन्च हो रहे हैं।

इनमें अभी निवेश का मौका: सीगल इंडिया और धारीवाल कॉर्प के आइपीओ को 5 अगस्त तक सब्सक्राइब कर सकते हैं। वहीं ओला इलेक्ट्रिक, एफकॉम होल्डिंग्स और पिक्चर पोस्ट स्टूडियो के आइपीओ को 6 अगस्त तक सब्सक्राइब कर सकते हैं। इनमें ओला और सीगल इंडिया मेनबोर्ड आइपीओ हैं।

ये आइपीओ बाजार में देंगे दस्तक

ब्रेनबीज सॉल्यूशंस: क्लोदिंग ब्रांड फर्स्टक्राइ की पेरेंट कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस का 4193 करोड़ रुपए का आइपीओ 6 अगस्त को खुलेगा। निवेशक इसे 8 अगस्त तक सब्सक्राइब कर पाएंगे। इसका प्राइस बैंड 440 रुपए से 465 रुपए के बीच तय किया गया है। कंपनी 13 अगस्त को शेयर बाजारों में लिस्ट होगी।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस: ई-कॉमर्स एसएएएस प्लेटफॉर्म यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस का 276 करोड़ रुपए का आइपीओ 6 से 8 अगस्त तक खुला रहेगा। इसके शेयर का प्राइस बैंड 102 रुपए से 108 रुपए के बीच है। इसकी लिस्टिंग भी 13 अगस्त को होगी।

एस्थेथिक इंजीनियर्स: यह एसएमई आइपीओ 8 अगस्त से 12 अगस्त तक खुला रहेगा। कंपनी ने प्रति शेयर इश्यू प्राइस 55 से 58 रुपए के बीच तय किया है। कंपनी 26.47 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है।

ये एनएफओ भी होंगे लॉन्च

स्कीम	खुलेगा	बंद होगा
एचडीएफसी निफ्टी 500 मल्टीकैप	6 अगस्त	20 अगस्त
मोतीलाल ओ. बिजनेस साइकिल फंड	7 अगस्त	21 अगस्त
धन निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड	8 अगस्त	22 अगस्त
आ. बिड़ला निफ्टी डिफेंस इंडेक्स फंड	9 अगस्त	23 अगस्त
बैंक ऑफ इंडिया बिजनेस साइकिल फंड	9 अगस्त	23 अगस्त

दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट की आशंका: एआइ आधारित अमरीकी टेक स्टॉक्स क्रैश

'बीयर्स' के कब्जे में अमरीका-जापान, वैश्विक बिकवाली से भारत पर भी दबाव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. अमरीका में आर्थिक मंदी की आशंका, जापान में ब्याज दरें और बढ़ने के आसार, इजरायल-ईरान में तनाव बढ़ने से मिडिल-ईस्ट संकट और गहराने की आशंका से वैश्विक शेयर बाजार में 'बीयर्स फेज' में प्रवेश कर सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के दम पर बुल्स पर सवार अमरीकी टेक स्टॉक्स एक महीने में ही धराशायी हो गए हैं और ये 2024 के हाई से अब तक 58% तक टूट चुके हैं। जापान के निक्केई के साथ अमरीका का नैस्डेक करेक्शन टेरिटरी में एंटर कर गया है और इन शेयर बाजारों में और गिरावट आने की आशंका है।

ग्लोबल मार्केट में कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखा और शुक्रवार को 5 दिन से जारी तेजी पर विराम लग गया। अब भारतीय बाजार में भी उटापटक की आशंका है। मोतीलाल ओसवाल के रिटेल रिसर्च प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत के बीच मूल्यांकन अधिक होने से भारतीय बाजार पर प्रॉफिट बुकिंग हावी है। वोलाटिलिटी इंडेक्स बढ़ गया है जो दिखाता है कि निवेशक नर्वस हो रहे हैं। भारत में बाजार का ओवरऑल ट्रेंड मजबूत है। हालांकि, ग्लोबल फैक्टर्स का शॉर्ट टर्म में निगेटिव असर दिख सकता है।

एआइ स्टॉक्स लहूलुहान

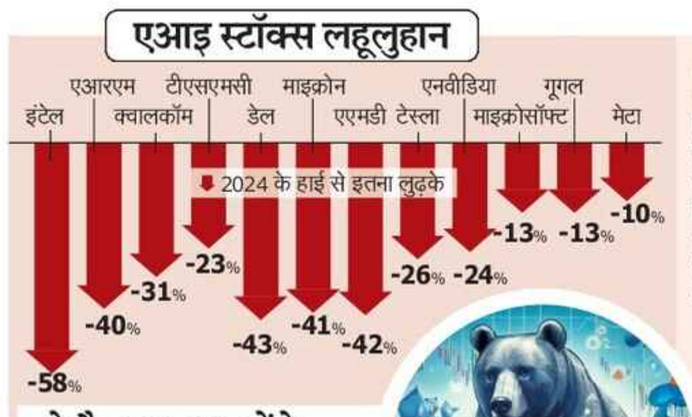

कैसी रहेगी चाल: एचडीएफसी सिक्योरिटीज के नागराज शेट्टी ने कहा, शॉर्ट टर्म में रिवर्स का ट्रेंड देखा जा रहा है। निफ्टी 50 में इस हफ्ते 24500-24200 की रेंज तक करेक्शन संभव है।

ये फैक्टर तय करेंगे बाजार की चाल...

ग्लोबल संकेत: स्वस्तिक इन्वेस्टमार्ट के संतोष मीणा ने कहा, इस सप्ताह निगाह वैश्विक बाजारों पर रहेगी। ग्लोबल बाजार में कमजोरी के संकेत दिखने लगे हैं, इससे भारतीय बाजार की मजबूती की परख होगी, जो अधिक लिक्विडिटी से अभी तक जुझारू बने हुए हैं।

आरबीआइ एमपीसी: 6 अगस्त से 8 अगस्त तक चलने वाली आरबीआइ एमपीसी बैठक में रेपो रेट 6.5% पर बरकरार रहने की उम्मीद है। हालांकि समीक्षा बैठक से ब्याज दरों के परिदृश्य पर कुछ संकेत मिलेगा, जो बाजार को दिशा देगा। हालांकि जापान की केंद्रीय बैंक फिर से ब्याज दरें बढ़ा सकता है, जिससे जापान के बाजार लुढ़क गए।

तिमाही नतीजे: पहली तिमाही के नतीजों के आखिरी दौर से बाजार में कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इसके अलावा विदेशी प्रवाह भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इस हफ्ते भारती एयरटेल, ओएनजीसी, एनएचपीसी, एलआइसी और एमआरएफ जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आएंगे।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट...

वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय कंपनियों की आय अब तक सुस्त दिखी है। बाजार का मूल्यांकन अधिक है। अमरीकी आइटी क्षेत्र से कमजोर आय, जापान में ब्याज दरें और बढ़ने की आशंका, मिडिल ईस्ट संकट और अमरीका-चीन की ग्रोथ में मंदी शेयर बाजार की धारणा को कमजोर कर रहे हैं। निफ्टी में 8 हफ्तों की तेजी पर विराम लगा है। बाजार पर प्रॉफिट बुकिंग हावी है। निफ्टी में 24,540 की रेंज में महत्वपूर्ण सपोर्ट है। वहीं 24900-24950 की रेंज में रेसिस्टेंस बना हुआ है। **-विनोद नायर,** रिसर्च हेड, जियोजीत फाइनेंशियल

पर्सनल फाइनेंस @ पत्रिका

अर्ली रिटायरमेंट: पहली नौकरी से करनी होगी फाइनेंशियल प्लानिंग

वेल्थ क्रिएशन के गोल्डन रूल्स, जो बना देंगे अमीर

नई दिल्ली @ पत्रिका. भारत में भी अब लोगों के बीच अर्ली रिटायरमेंट के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अर्ली रिटायरमेंट का फैसला कभी भी जल्दबाजी में नहीं करना चाहिए। अपनी मौजूदा वित्तीय हालत, वित्तीय लक्ष्यों और रिटायरमेंट के बाद की जरूरतों का आकलन कर लेना चाहिए। सेविंग करने के साथ बेहतर विकल्पों में निवेश भी करना चाहिए। 25-30 साल के युवाओं के लिए अर्ली रिटायरमेंट तभी संभव है जब वे वित्तीय आजादी हासिल कर लेते हैं। अर्ली रिटायरमेंट के लक्ष्य को हासिल करने के लिए फर्स्ट जॉब से ही फाइनेंशियल प्लानिंग करनी पड़ेगी।

यह रणनीति अपनाएं

- ***रिटायरमेंट कॉरपस:*** आपके पास मौजूदा सालाना खर्चों से 25-30 गुना फंड रिटायरमेंट कॉरपस के रूप में होनी चाहिए। मान लीजिए आपका सालाना खर्च अभी 6 लाख रुपए है तो रिटायरमेंट कॉरपस 1.80 करोड़ रुपए होना चाहिए।
- ***निवेश में विविधता:*** इक्विटी फंड्स के साथ पीपीएफ, एफडी जैसे सुरक्षित विकल्प और रेंटल प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं, जिससे सालों-साल इनकम होती रहे।
- ***हेल्थ इंश्योरेंस:*** मेडिकल खर्च से बचने के लिए पर्याप्त कवरेज वाला कॉम्प्रिहेंसिव इंश्योरेंस पॉलिसी लें जिसमें गंभीर बीमारियों के साथ ओपीडी खर्चों का कवरेज मिले।
- ***खर्च पर लगाम:*** अधिक से अधिक बचत और निवेश करना सबसे जरूरी है। वित्तीय हालत के अनुसार जीवनशैली अपनाएं और गैर-जरूरी खर्च से बचें।

वेल्थ क्रिएशन के थंब रूल्स

वेल्थ क्रिएशन दो मिनट का काम नहीं है। इसके लिए अनुशासित होकर लगातार बचत और लंबी अवधि के लिए निवेश करना होता है।

- ***100 माइनस एज:*** उम्र के आधार पर इक्विटी में कितना एसेट एलोकेशन होना चाहिए यह जानने के लिए इस नियम का इस्तेमाल होता है। यानी आपकी जितनी उम्र है, उसे 100 से घटाने पर जो संख्या बचती है उतना निवेश इक्विटी में होना चाहिए। उदाहरण के लिए अगर आपकी उम्र 35 साल है तो 100-35=65 यानी 65% निवेश इक्विटी में होना चाहिए। बाकी निवेश डेट और गोल्ड में करें।
- ***50-30-20 रूल:*** इसका इस्तेमाल बजट की प्लानिंग के लिए होता है। इसके मुताबिक आपकी जितनी आय है उसका 50% जरूरी चीजों पर खर्च करें, 30% खर्च अपने शौक पर करें और आय का 20% हर माह निवेश करें।
- ***फर्स्ट वीक रूल:*** निवेश में अनुशासन लाने के लिए अपनी आय का 20% महीने के पहले हफ्ते में ही निवेश करें। अक्सर किसी जरूरत के आ जाने पर पैसा खत्म हो जाता है और निवेश टल जाता है। इससे बचने के लिए निवेशक महीने के पहले हफ्ते में ही निवेश करें।
- ***40% ईएमआइ:*** किसी भी कीमत में आपकी कुल ईएमआइ राशि कुल इनकम का 40% से अधिक नहीं होना चाहिए। जितना कम कर्ज रहे वेल्थ क्रिएशन के लिए उतना अच्छा होता है।
- ***6 गुना इमरजेंसी फंड:*** मासिक आय का 6 गुना इमरजेंसी फंड बनाएं, ताकि किसी अनहोनी के समय आर्थिक तंगी न हो।

रिपोर्ट: सीएमआइई के मुताबिक, रोजगार के मामले में शहरों के मुकाबले गांवों में हालात बेहतर, जुलाई में बेरोजगारों की संख्या घटकर 3.54 करोड़ रह गई

12% बढ़ी हायरिंग, जुलाई में बेरोजगारी दर 1.3% घटकर 7.9% रही

4.14 करोड़ थी जून में देशभर में बेरोजगारों की संख्या जून 2024 में जो जुलाई में घटकर 3.54 करोड़ रह गई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. रोजगार के लिहाज से जुलाई, 2024 भारत के लिए बेहतर साबित हुई। नौकरी जॉबस्पीक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने भारतीय कंपनियों में सालाना आधार पर हायरिंग 12% बढ़ी। अधिकांश सेक्टर्स में हायरिंग ग्रोथ रेट डबल डिजिट में बढ़ी। यह इस साल का पहला महीना है जब हायरिंग में पॉजिटिव ग्रोथ देखी गई। वहीं, सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआइई) की रिपोर्ट के मुताबिक, नई नौकरियां बढ़ने से जुलाई में बेरोजगारी दर 1.3% घटकर 7.9% पर आ गई जो जून 2024 में 9.2% पर पहुंच गई थी।

किस सेक्टर में कितनी बढ़ी हायरिंग

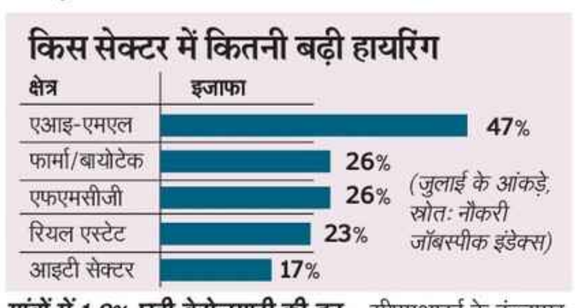

गांवों में 1.8% घटी बेरोजगारी की दर ... सीएमआइई के कंज्यूमर पिरामिड हाउसहोल्ड सर्वे के मुताबिक, जुलाई में बेरोजगारों की संख्या घटकर 3.54 करोड़ रह गई। पिछले महीने जून में यह 4.14 करोड़ थी।

महिलाओं में बेरोजगारी ज्यादा

देश में पुरुषों की बेरोजगारी दर जून में 7.8% से घटकर जुलाई में 7.1% पर आ गई। वहीं महिलाओं में बेरोजगारी की दर 18.6% से गिरकर 13.2% रह गई। महिलाओं की बेरोजगारी में इस बड़ी गिरावट के बावजूद उनकी बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसका कारण फैक्टरी गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी पर कई राज्यों की ओर से लगाए प्रतिबंध हो सकते हैं।

फॉर्मल सेक्टर में खूब बढ़ी नौकरियां

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के आंकड़ों ने मई में फॉर्मल सेक्टर में नौकरी में वृद्धि का संकेत दिया। अप्रेल के 16 लाख की तुलना में मई में 20 लाख अधिक लोग फॉर्मल सेक्टर से जुड़े। इनमें से 45% कर्मचारी 25 वर्ष या इससे कम उम्र के थे।

आज का पोल

क्या लक्ष्य सेन बैडमिंटन में कांस्य पदक मुकाबला जीतने में सक्षम हैं?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

रविवार का जवाब

हां **90%** नहीं **10%**

पिछला सवाल: क्या भारतीय पुरुष हॉकी टीम क्वार्टरफाइनल में ब्रिटेन को शिकस्त दे पाएगी?

एथलेटिक्स

पारुल चौधरी तीन हजार स्टीपलचेज हीट में 8वें स्थान पर

पेरिस @ पत्रिका. भारत की राष्ट्रीय रेकॉर्ड धारक पारुल चौधरी ने पेरिस ओलंपिक में रविवार को यहां महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज की हीट रेस में निराशाजनक प्रदर्शन किया। वह इस हीट में आठवें स्थान पर रहने के कारण फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। ओलंपिक से पहले अमरीका में पेरिस की अनुकूल परिस्थितियों में अभ्यास करने वाली 29 वर्षीय पारुल ने नौ मिनट 23.39 सेकेंड में दूरी तय की, जो उनके इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह हालांकि अपने राष्ट्रीय रेकॉर्ड नौ मिनट 15.31 सेकेंड से काफी पीछे रही जो उन्होंने 2023 में विश्व चैंपियनशिप में बनाया था। तीन हीट रेस में से प्रत्येक में शीर्ष पांच में जगह बनाने वाले एथलीट फाइनल में प्रवेश करते हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024 : ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से शिकस्त देकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में किया प्रवेश

पदक का रंग बदलने के लिए सिर्फ एक जीत और...

2020 टोक्यो ओलंपिक खेलों में भारतीय टीम ने जीता था कांस्य पदक

विशेष संवाददाता
patrika.com

पेरिस . रोमांच और संघर्ष से भरपूर क्वार्टरफाइनल में ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर भारतीय पुरुष हॉकी ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य जीतने वाली भारतीय टीम को पदक का रंग बदलने के लिए सिर्फ एक जीत की दरकार है।

भारतीय टीम यदि फाइनल में पहुंचती है तो स्वर्ण और रजत जीतने की दावेदार बन जाएगी। लेकिन यदि भारतीय टीम अंतिम चार में हारती है तो उसे फिर कांस्य पदक के लिए ही खेलना पड़ेगा। भारतीय टीम आखिरी बार 1980 ओलंपिक में फाइनल तक पहुंची थी और चैंपियन बनी थी।

रविवार को खेले गए अंतिम आठ मुकाबले में भारतीय टीम 10 खिलाड़ियों से खेलने के बावजूद ब्रिटेन के खिलाफ मैच जीतने में सफल रही। दरअसल, मैच के 17वें मिनट में अमित रोहिदास को रेड कार्ड मिला था और उन्हें पूरे समय के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा था।

निर्धारित समय तक मैच 1-1 से बराबरी पर थी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 22वें मिनट भारत के लिए जबकि इंग्लैंड के लिए 27वें मिनट में ली मोर्टन ने गोल किया। इसके मैच पेनल्टी शूटआउट में गया, जहां भारतीय टीम ने बाजी मार ली।

02 बार लगातार भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

रविवार को क्वार्टरफाइनल में जीत दर्ज करने के बाद भारतीय खिलाड़ी खुशी मनाते हुए।

नौ खिलाड़ियों के साथ भी खेलना पड़ा लेकिन टीम ने हार नहीं मानीं

भारतीय टीम के डिफेंडर अमित रोहिदास को मैच के 17वें मिनट में ही रेड कार्ड दिखा दिया गया था। इस कारण अगले 43 मिनट भारतीय टीम को सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा।

यही नहीं, मैच के 47वें मिनट में सुमित को मैच रेफरी ने ग्रीन कार्ड दिखाया और दो मिनट के लिए मैदान से बाहर कर दिया। ऐसे में मैदान पर सिर्फ नौ भारतीय खिलाड़ी रह गए।

हॉकी इंडिया ने की शिकायत: हॉकी इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद तीन बातों को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। इसमें अमित रोहिदास को रेड कार्ड दिखाना है, जो गलत फैसला माना जा रहा है। दूसरा, शूटआउट के दौरान गोलकीपर को बाहर से सलाह देना व गोलकीपर का वीडियो टेबलेट का इस्तेमाल करना शामिल है।

छलका दर्द : हार के बाद ब्रिटेन के कप्तान डेविड ने लिया संन्यास

भारत से हारने के बाद निराश ब्रिटिश के ली मार्टन।

क्वार्टरफाइनल में मिली निराशाजनक हार के बाद ब्रिटेन के कप्तान डेविड एम्स ने हॉकी से संन्यास लेने का फैसला किया। डेविड ने कहा, हमने जीत हासिल करने का बेहतरीन मौका गंवा दिया। भारत को श्रेय जाता है, जिसने 10 खिलाड़ियों के बाद जीत हासिल की। यह मेरा तीसरा ओलंपिक था और अब मुझे जिंदगी में आगे बढ़ने की जरूरत है। इस कारण में मैंने अब इस खेल से संन्यास लेने का फैसला किया है।

जीत का हीरो : गोलकीपर श्रीजेश ने 13 बचाव किए

भारतीय टीम की जीत के हीरो अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश रहे, जो गोलपोस्ट पर दीवार बनकर खड़े रहे। उन्होंने मैच में कुल 13 बचाव किए। अपना आखिरी ओलंपिक खेल रहे श्रीजेश ने पेनल्टी शूटआउट में भी दो बचाव किए और टीम को जीत दिला दी।

कप्तान हरमनप्रीत के पेरिस ओलंपिक में 08 गोल हुए

हम किसी भी टीम के खिलाफ खेलने के लिए तैयार हैं। ***हम पूरी कोशिश करेंगे कि देश को निराश नहीं करें और देश के लिए फिर पदक जीतें।***

भारतीय टीम की जीत में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने फिर अहम भूमिका निभाई। उन्होंने निर्धारत समय के भीतर एक गोल किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में भी एक गोल दागा। इस तरह वह इस टूर्नामेंट में अब तक कुल आठ गोल कर चुके हैं।

बैडमिंटन : मौजूदा चैंपियन विक्टर ने दी मात

लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में हारे लेकिन कांस्य जीतने का मौका

भारतीय शटलर लक्ष्य सेन मैच के दौरान रिटर्न लगाते हुए।

पेरिस @ पत्रिका. भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन पुरुष एकल के सेमीफाइनल में डेनमार्क के खिलाड़ी विक्टर एक्सलेसन से हार गए। टोक्यो ओलंपिक के चैंपियन और दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी विक्टर ने लक्ष्य को 22-20, 21-14 से हराया और लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई।

अब जिया से भिड़ंत : लक्ष्य सेन के पास हालांकि अब भी कांस्य पदक जीतने का मौका है। उनका सामना मलेशिया के खिलाड़ी ली जी जिया से होगा, जिन्हें थाइलैंड के कुनलावुत विदितसर्न के हाथों 14-21, 15-21 से हार झेलनी पड़ी। लक्ष्य ने जिया के खिलाफ तीन में से दो मैच जीते हैं।

निराशा : छह बॉक्सर उतरे थे और सभी हुए बाहर

लवलीना भी हारीं, मुक्केबाजी में भारत को कोई पदक नहीं

पेरिस @ पत्रिका. टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने निराश किया और वह क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो गई। इसके साथ ही पेरिस ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाजों का अभियान पदक के बिना खत्म हो गया। भारत के कुल छह मुक्केबाज उतरे थे।

बाउट के दौरान लवलीना (नीली जर्सी में)।

चीनी खिलाड़ी ने हराया : महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में लवलीना को चीनी मुक्केबाज और पिछले बार की रजत पदक विजेता ली क्विन ने 4-1 से करारी शिकस्त दी।

रविवार को स्वर्ण पदक जीतने के बाद नोवाक जोकोविच। **फोटो: पत्रिका।**

पुरुष एकल टेनिस : फाइनल में अल्कारेज को दी शिकस्त

जोकोविच ने जीता पहली बार ओलंपिक गोल्ड

2008 बीजिंग ओलंपिक में कांस्य जीता था

पेरिस @ पत्रिका. दुनिया के नंबर दो टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को पुरुष एकल के फाइनल में स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज को 7-6, 7-6 से शिकस्त दी। इसके साथ ही जोकोविच ने ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने का सपना भी पूरा कर लिया। नोवाक ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में कांस्य जीता था। वहीं, 21 वर्षीय अल्कारेज ने सबसे युवा ओलंपिक चैंपियन बनने का मौका गंवा दिया। अल्कारेज ने रजत और इटली के लोरेंजो मुसेटी ने कांस्य जीता।

बेटी संग खुशी के पल...

गोल्डन स्लेम पूरा करने वाले पांचवें खिलाड़ी: नोवाक चारों ग्रैंड स्लेम व ओलंपिक गोल्ड जीतने वाले दुनिया के पांचवें खिलाड़ी बने। उनसे पहले, राफेल नडाल, सेरेना विलियम्स, आंद्रे अगासी और स्टेफी ग्राफ ने यह कमाल किया है।

मेरे करियर की सबसे बड़ी सफलता : नोवाक

नोवाक ने कहा, पहली बार अपने देश के लिए स्वर्ण जीतकर रोमांचित महसूस हो रहा है। यकीनन यह मेरी सबसे बड़ी सफलता है। मैंने संभवत: अपने करियर में जीतने लायक हर चीज जीती। बस इसकी कमी थी।

04
स्वर्ण पदक चीन ने अब तक ***सबसे अधिक शूटिंग और 04 डाइविंग में जीते हैं***

ओलंपिक पदक तालिका

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	चीन	19	15	11	45
2.	अमरीका	18	26	25	59
3.	फ्रांस	12	14	17	43
4.	ऑस्ट्रेलिया	12	10	07	29
5.	ब्रिटेन	10	12	15	37
57	भारत	00	00	03	03

तालिका रविवार रात तक की है

ओलंपिक से जुड़े किस्से

भारत की सबसे युवा एथलीट थी आरती साहा, 11 वर्ष की उम्र में पदार्पण

स्पर्धा *के दौरान भारतीय तैराक आरती साहा।*

क्या आप जानते हैं कि ओलंपिक खेलों के इतिहास में भारत का सबसे युवा एथलीट कौन था? ये रेकॉर्ड पूर्व दिवंगत महिला तैराक आरती साहा के नाम अभी तक दर्ज हैं। कोलकाता की रहने वाली आरती ने सिर्फ 11 साल 10 महीने और 305 दिन की उम्र में ओलंपिक खेलों में पदार्पण किया था। वे 1952 में हुए हेलसिंकी (फिनलैंड) खेलों का हिस्सा बनी थीं।

200मी ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में शिरकत की

आरती ने 26 जुलाई, 1952 को महिलाओं की 200 मी ब्रेस्टस्ट्रोक हीट में भाग लिया और छठे स्थान पर रहीं। इस हीट में उनके साथ कांस्य पदक जीतने वाली ब्रिटेन की एलेनोर गॉर्डन भी थीं।

इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली एशियाई : आरती को पहचान इंग्लिश चैनल पार करने से मिली। वह यह कमाल करने वाली पहली एशियाई महिला खिलाड़ी बनीं। आरती ने सिर्फ चार साल की उम्र में तैराकी शुरू कर दी थी।

तैराकी : अमरीकी तैराक ने ओलंपिक खेलों में अपने करियर का कुल 09वां स्वर्ण पदक हासिल किया

केटी लेडेकी सर्वाधिक गोल्ड जीतने वाली महिला एथलीट बनीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. अमरीका की महिला तैराक केटी लेडेकी ने इतिहास रचते हुए पेरिस ओलंपिक की 800मी फ्रीस्टाइल में 11.04 सेकेंड के साथ स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही वह ओलंपिक इतिहास में सर्वाधिक नौ स्वर्ण पदक जीतने वाली संयुक्त पहली महिला एथलीट बन गई हैं। केटी के नाम अब ओलंपिक इतिहास में कुल 14 पदक हो गए हैं। यही नहीं, पेरिस ओलंपिक में यह उनका कुल चौथा पदक है। इसमें दो गोल्ड, एक रजत और एक कांस्य जीता।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद खुशी जताती हुई अमरीकी तैराक केटी।

14 पदक अब तक ओलंपिक खेलों में केटी ने कुल जीते

4 ***पदक पेरिस ओलंपिक में*** जीते, 02 गोल्ड, 01 रजत, 01 कांस्य

लारिसा के 60 साल पुराने रेकॉर्ड की बराबरी: 27 वर्षीय केटी ने 60 साल पुराने लारिसा लात्यिानिना के रेकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रूस की पूर्व महिला जिम्नास्ट लारिसा ने 1956, 1960 और 1964 ओलंपिक खेलों में कुल नौ स्वर्ण पदकों के साथ 18 पदक जीते थे। इस तरह केटी नौ गोल्ड संग उनकी बराबरी पर आ गई हैं।

मुक्केबाजी

जेंडर विवाद को पीछे छोड़कर यू टिंग ने पदक पक्का किया

पेरिस @ पत्रिका. ताइवान की लिन यू-टिंग ने पेरिस ओलंपिक की महिला मुक्केबाजी के फेदरवेट वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही हैं। लिन जेंडर विवाद विवाद के बीच पेरिस ओलंपिक में पदक हासिल करने वाली दूसरी मुक्केबाज बन गई हैं। उनसे पहले अल्जीरिया की इमान खलीफ सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का कर चुकी हैं। लिन ने रविवार को 34 वर्षीय स्वेतलाना स्टेनेवा को सर्वसम्मति से हराया। लेकिन मैच के बाद बुल्गारियाई कोच ने सुझाव दिया कि लिन को प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी। निराश स्टेनेवा ने अपनी उंगलियों से क्रॉस बनाते हुए "नहीं, नहीं" चिल्लाते हुए एरिना छोड़ दिया।

ऐतिहासिक उपलब्धि // पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर फर्राटा दौड़ में सेंट लूसिया की एथलीट ने 10.72 सेकेंड के साथ जीता स्वर्ण पदक

1,80,000 की जनसंख्या वाले देश से निकली नई 'फर्राटा क्वीन' अल्फ्रेड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. कैरेबियन आइलैंड सेंट लूसिया, की आबादी 1,80,000 के करीब हैं लेकिन इसके बावजूद इस देश ने अपना नाम ओलंपिक इतिहास में दर्ज करा लिया। शनिवार देर रात पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में सेंट लूसिया की जूलियन अल्फ्रेड ने स्वर्ण पदक जीता और नई फर्राटा क्वीन बनीं। वह इस छोटे से आइलैंड के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली एथलीट बन गई हैं। सेंट लूसिया का पदक जीतने का सपना उसके 8वें ओलंपिक में पूरा हुआ। वहीं, जमैका का दबदबा खत्म हुआ और 2004 के बाद उसकी कोई एथलीट पोडियम पर जगह नहीं बना सकी।

12 साल की उम्र में पिता को खोया

अल्फ्रेड जब 12 साल की थीं, तब उनके पिता जूलियन हेमिल्टन का निधन हो गया था। अल्फ्रेड छोटी थीं, यह उनके लिए बेहद मुश्किल वक्त था, लेकिन उनकी मां और आंटी ने उन्हें संभाला। अल्फ्रेड एथलेटिक्स से दूर हो गई थीं, लेकिन 14 साल की उम्र में उन्हें जमैका जाने का मौका मिला जो कि उनके आदर्श पूर्व ओलंपिक चैंपियन उसेन बोल्ट का देश है। अल्फ्रेड की मां ने उनका पूरा सहयोग किया।

शनिवार को 100मी फर्राटा रेस जीतने के बाद जूलियन अल्फ्रेड।

बस एक लक्ष्य था, ओलंपिक पदक जीतना

अल्फ्रेड ने बताया कि उनकी मां ने उन्हें जमैका भेज दिया था, इतनी कम उम्र में अपने परिवार और दोस्तों के बिना रहना मुश्किल था, लेकिन अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए अल्फ्रेड ने सबकुछ त्याग दिया। अल्फ्रेड अपनी उम्र से पहले ही बड़ी हो गई थीं, उनका बस एक ही लक्ष्य था ओलंपिक पदक जीतना जो उन्होंने पूरा कर दिखाया।

सुबह बोल्ट के वीडियो देखे

और रात को जीत लिया स्वर्ण पदक

अल्फ्रेड ने रेस की तैयारी के मद्देनजर शनिवार सुबह अपने आदर्श और पूर्व ओलंपिक चैंपियन उसेन बोल्ट के कई वीडियो देखे। रात को उन्होंने दुनिया की सबसे तेज धाविकाओं में अपना नाम दर्ज करा लिया। अल्फ्रेड ने 10.72 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि अमरीका की शा कैरी रिचर्डसन ने 10.87 सेकेंड के साथ रजत और मेलिसा जेफरसन ने 10.92 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। 1996 अटलांटा ओलंपिक के बाद पहली बार अमरीकी धावकों ने इस स्पर्धा में दो पदक जीते हैं।

पत्रिका पोल

Q शीर्ष कोर्ट में राज्यपालों के खिलाफ बढ़ते मामलों के मद्देनजर क्या राज्यपालों में निहित संवैधानिक शक्तियों का पुनर्मूल्यांकन होना चाहिए?

कल का सवाल था

क्या नौकरियों में जातिगत आरक्षण की नए सिरे से समीक्षा की जानी चाहिए?

जवाब

78% हां 22% नहीं

स्कैन करें...

इंडिया @ शॉर्ट रीड

महाराष्ट्र अबू सलेम को सेंट्रल जेल भेजा

नासिक@पत्रिका. मुंबई में 1993 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मुख्य आरोपी अबू सलेम को मनमाड शहर से कड़ी सुरक्षा के बीच नासिक रोड सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। सलेम को शनिवार को नई दिल्ली से मनमाड लाया गया था। वर्ष 2002 में एक उद्योगपति से रंगदारी मांगने के आरोप में अबू सलेम के खिलाफ दिल्ली पुलिस में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में सुनवाई के लिए उसे दिल्ली ले जाया गया था।

कश्मीर शंकराचार्य मंदिर में 'छड़ी मुबारक'

श्रीनगर@पत्रिका. श्री अमरनाथ की चांदी की गदा 'छड़ी मुबारक' को रविवार को हरियाली-अमावस्या के अवसर पर पूजा-अर्चना के लिए श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया। माना जाता है कि इस छड़ी में भगवान शिव की अलौकिक शक्तियां हैं। इस दौरान मंदिर में शंखों की ध्वनि से पूरा वातावरण मंत्रमुग्ध हो गया और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रदेश में शांति-समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना भी की गई।

महाराष्ट्र सेल्फी लेते हुए खाई में 60 फीट नीचे गिरी

पुणे. महाराष्ट्र के बोराने घाट में सेल्फी लेने की कोशिश में एक लड़की गहरी खाई में 60 फीट नीचे गिर गई। होमगार्ड और स्थानीय लोगों ने उसे बचाया। क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी, जिसके कारण थोसेघर समेत कई झरने उफान पर थे।

दिल्ली तीनों सेनाओं का वित्तीय सम्मेलन आज

नई दिल्ली@पत्रिका. प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान सोमवार को यहां तीनों सेनाओं के एक शीर्ष वित्तीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। मानेकशॉ सेंटर में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन का उद्देश्य सशस्त्र बलों के वित्तीय मुद्दों में एकीकरण और तालमेल बढ़ाना है। इसमें रक्षा मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय (वित्त), रक्षा लेखा महानियंत्रक, सेवाओं के एकीकृत वित्तीय सलाहकार, सरकारी ई-मार्केटप्लेस, भारतीय तटरक्षक मुख्यालय और सेवा मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे।

दिल्ली राष्ट्रपति तीन देशों की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली@पत्रिका. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रविवार को फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की छह दिवसीय यात्रा के लिए नई दिल्ली से रवाना हुईं। राष्ट्रपति मुर्मु फिजी राष्ट्रपति रातू विलियम मैवलिली कैटोनीवरे के निमंत्रण पर 5 अगस्त को पहली बार फिजी का दौरा करेंगी। यह पहली बार है जब कोई भारतीय राष्ट्राध्यक्ष फिजी की यात्रा पर गया है।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

वेनेजुएला मादुरो के खिलाफ प्रदर्शन, गिरफ्तार

कराकास@पत्रिका. वेनेजुएला में हजारों लोगों ने राजधानी में राष्ट्रपति चुनाव में निकोलस मादुरो की जीत के खिलाफ रैली निकाली। प्रदर्शन के दौरान लगभग 2,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राष्ट्रपति मादुरो ने विरोध करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा है कि इस बार कोई माफी नहीं मिलेगी। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि चुनाव में धोखाधड़ी हुई है और विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज असली विजेता हैं।

इजरायल चाकू से हमला, दो की मौत

तेल अवीव @पत्रिका. तेल अवीव के निकट चाकू से किए गए हमले में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हमलावर फिलिस्तीनी संदिग्ध को मौके पर गोली मारकर 'निष्क्रिय' कर दिया गया और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला है। दक्षिणी उपनगर होलोन में यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजरायल सहित मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है।

थाईलैंड कैसीनो को वैध बनाने की तैयारी तेज

बैंकॉक@पत्रिका. थाईलैंड पर्यटन को बढ़ाने और विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए कैसीनो को वैध बनाने की योजना की ओर बढ़ रहा है। 30 साल के लिए प्रारंभिक लाइसेंस वाले कैसीनो को अनुमति देने के लिए मसौदा नियम सरकार की कानूनी एजेंसी द्वारा 18 अगस्त तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया के लिए प्रकाशित कर दिए गए हैं। कैसीनो के पास परमिट को अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ाने का विकल्प होगा। होटलों, कन्वेंशन सेंटर और मनोरंजन स्थलों में कैसीनो लगाए जा सकेंगे।

मौसम: दिल्ली-एनसीआर में नहीं बरसेंगे मेघ

मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित 5 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

कश्मीर के गांदरबल में बादल फटने के बाद मलबे में दबी गाड़ियां।

नई दिल्ली@पत्रिका. मौसम विभाग (आइएमडी) ने कहा है कि मानसून अपने सक्रिय चरण में है। आइएमडी के अनुसार पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, कोंकण क्षेत्र, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि अगले दो दिनों में दिल्ली-एनसीआर में बारिश नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में केरल, तटीय कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है।

कश्मीर के गांदरबल में बादल फटा

मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के चेरवान पडाबल क्षेत्र के पास बादल फटने से हुए भूस्खलन के बाद रविवार को श्रीनगर-लेह राजमार्ग बंद कर दिया गया। धान के खेतों को नुकसान हुआ है, कई वाहन मलबे में फंस गए और पानी रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर गया है। जनहानि की सूचना नहीं है।

सौहार्द: मुस्लिम व सिख समुदाय के लोगों ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की यह तस्वीर देश में साम्प्रदायिक सौहार्द को और मजबूत करती है। त्रिवेणी संगम से गुजरते हुए कांवड़ियों का मुस्लिम और सिख समुदाय के लोगों ने फूल बरसा कर स्वागत किया। उधर, गुजरात के अहमदाबाद में मिनी अमरनाथ तक निकली कांवड़ यात्रा पर ड्रोन से पुष्प-वर्षा की गई।

ग्राउंड रिपोर्ट: तुलसेंदिरपुरम में सड़क किनारे बैनर, दुकानों-मकानों में फोटो

रानी बेटी राज करे... कमला हैरिस के ननिहाल से निकल रही है दुआ

तमिलनाडु के गांव के लोग उनके बारे में बताने को बेताब

संतोष तिवारी
patrika.com

तिरुवारूर. अमरीका में रिपब्लिकन पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस तमिलनाडु के तिरुवारूर जिले के अपने ननिहाल तुलसेंदिरपुरम गांव में लगे पोस्टर और बैनर में मुस्कुराती नजर आ रही हैं। जिले की मन्नारगुडी तहसील से 18 किमी दूर यह गांव दुनिया में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कमला इस गांव में नहीं आईं, लेकिन पत्रिका की टीम ने यहां के लोगों में उनके प्रति अपनापन महसूस किया।

कमला का तमिलनाडु के इस गांव से गहरा नाता है। उनके नाना-नानी सौ साल पहले इसी गांव में रहते थे। जब यहां के लोगों को पता चला कि उनके गांव की बेटी अमरीका में परचम फहराने को है तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। गांव में प्रवेश करते ही बैनर पर कमला हैरिस का मुस्कुराता चेहरा ध्यान खींचता है। दो स्थानों पर ऐसे बैनर लगाए गए हैं।

कमला हैरिस की ननिहाल तुलसेंदिरपुरम में लगे पोस्टर।

जीत के लिए मंदिर में सामूहिक प्रार्थना

धर्मशास्ता सेवग पेरुमाल आलयम मंदिर में हाल ही गांव वालों ने कमला हैरिस की जीत के लिए सामूहिक प्रार्थना की। पुजारी सेंथिल कुमार कहते हैं कि हमारे लिए यह खुशी की बात है। आगे भी ऐसे आयोजन होंगे। मंदिर परिसर में तिरुनावकरसू ने बताया कि जब कमला अमरीका की उपराष्ट्रपति बनी थीं, तब उनका गांव के साथ रिश्ता पता चला।

पुश्तैनी जमीन वीरान

गांव में कमला के नाना-नानी की पैतृक जमीन वीरान पड़ी है। इसे तार से घेर दिया है। पड़ोस में रहने वाली विजयलक्ष्मी ने कहा कि मीडिया से पता चला कि यह कमला हैरिस की सम्पत्ति है। हमें उनका पड़ोसी होने पर गर्व है।

1200 की आबादी

1200 की आबादी वाला गांव काफी शांत है। पानी, बिजली और सड़क की व्यवस्था ठीक-ठाक है। गांव में इक्का-दुक्का दुकानें हैं। दुकानों पर सुबह-शाम बैठने वाले लोगों में कमला हैरिस की चर्चा है।

आएंगी तो बाहें फैलाकर स्वागत...

मंदिर के बगल में किराने की दुकान चलाने वाले मणिकंठन ने कहा कि अगर अमरीका की राष्ट्रपति बनने के बाद कमला हैरिस यहां आती हैं तो वह बाहें फैलाकर उनका स्वागत करेंगे। पूरे गांव में उनके सम्मान में जश्न मनाया जाएगा। वह निश्चित रूप से यादगार होगा। इससे गांव का कायाकल्प हो जाएगा।

अब परिवार का कोई सदस्य गांव में नहीं

कमला हैरिस मां के निधन के बाद उनकी अस्थियां विसर्जित करने 2009 में बहन के साथ चेन्नई आई थीं, लेकिन वह तुलसेंदिरपुरम गांव कभी नहीं गईं, क्योंकि उनकी मां के परिवार का कोई सदस्य गांव में नहीं रहता। उनके नाना पी.वी. गोपालन दशकों पहले गांव छोड़कर चले गए थे। हैरिस ने 2014 में गांव के मंदिर के कुंभाभिषेक में दान दिया था। मंदिर की ओर से उन्हें सम्मान स्वरूप भेंट भेजी जाती रही। उनकी मां श्यामला 19 साल की उम्र में अमरीका चली गई थीं। वह जब भी भारत आती थीं, कमला को साथ लाती थीं।

एच-1 बी वीजा: अपील न्यायालय ने दिया फैसला

जीवनसाथी के अमरीका में काम के नियम की वैधता बरकरार

वाशिंगटन. अमरीकी अपील न्यायालय ने एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथी को काम करने की अनुमति देने वाले नियम की वैधता की पुष्टि की है। यह फैसला भारत सहित दुनियाभर के तकनीकी पेशेवरों की एक जीत माना जा रहा है। मामले को सेव जॉब्स यूएसए नामक एक समूह ने कोर्ट में चुनौती दी थी। यह अमरीकी तकनीकी कर्मचारियों का एक समूह है। इनका तर्क है कि विदेशी कामगार अमरीकियों की नौकरी खा रहे हैं। वहीं, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रमुख टेक फर्मों ने इस नियम का समर्थन किया क्योंकि यह कुशल विदेशी प्रतिभाओं को आकर्षित करने और उन्हें रोके रखने में मददगार है।

चिकित्सा: ब्रिटेन में सनबर्न से जुड़ा दुर्लभ मामला

जब तेज धूप से झुलसे छात्र को '25 मिनट के लिए आ गई मौत'

लंदन. एक 20 वर्षीय ब्रिटिश छात्र की अत्यधिक धूप से झुलसने के बाद सर्जरी के दौरान '25 मिनट तक मौत' हो गई। न्यू हैम्पशायर के समर कैंप के दौरान चार्ली विंसेंट के अत्यधिक धूप में रहने के कारण पैरों में गंभीर रूप से जलन होने लगी। अस्पताल में डॉक्टरों ने पाया कि उसे गंभीर सनबर्न के साथ निमोनिया भी हो गया है। चार्ली के परिवार के अनुसार सर्जरी के दौरान दौरान उसके दिल की धड़कन 25 मिनट के लिए रुक गई और एक छोटा स्ट्रोक भी आया। डॉक्टरों ने पाया कि उनका दिल बड़ा हो गया था, जिसे कार्डियोमेगाली कहा जाता है। जिसमें दिल को सामान्य से ज्यादा काम करना पड़ता है। विंसेंट अब रिकवरी कर रहा है।

अखिल गिरि ने छोड़ा जेल मंत्री का पद

कोलकाता@पत्रिका. ताजपुर में महिला वन अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार करने के मामले में पश्चिम बंगाल के जेलमंत्री अखिल गिरि ने रविवार को पद से इस्तीफा दे दिया है। गिरि ने बताया कि वे सोमवार को विधानसभा में सीएम ममता बनर्जी को बंद लिफाफे में इस घटना के संबंध में रिपोर्ट भी देंगे। बताया जाता है कि सीएम ने घटना पर नाराजगी जताते हुए गिरि को इस्तीफा देने को कहा था।

बढ़ी ताकत: पश्चिमी देशों से यूक्रेन को मिले एफ-16

***यूक्रेन** में अज्ञात स्थान पर राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की एफ-16 लड़ाकू विमानों के साथ सैन्य झंडा लेकर खड़े हुए। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को दिए गए एफ-16 लड़ाकू विमान जल्द ही रूस के हमलों का मुकाबले करते आसमान में उड़ते नजर आएंगे।*

गाजा संकट: बारूद के ढेर पर पश्चिम एशिया

आज ईरानी हमले की आशंका, इजरायल पहुंचे अमरीका के टॉप जनरल

रविवार को हिजबुल्लाह ने इजरायल पर 50 से ज्यादा रॉकेट दागे।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

तेहरान. पिछले एक हफ्ते में इजरायल की बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने जिस तरह से ईरान समर्थित प्रॉक्सी संगठनों के नेताओं का ईरान के अंदर और बाहर एक के एक बाद खात्मा किया है, उससे ईरान भीषण बदले की आग में जल रहा है। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी आशंका जताई है कि ईरान पलटवार जरूर करेगा।

माना जा रहा है कि यह हमला सोमवार सुबह हो सकता है। ऐसा होता है तो पश्चिम एशिया एक बड़े युद्ध की चपेट में आ सकता है। आशंका भांपते हुए, अमरीका ने ईरान के इजरायल पर हमलों को नाकाम करने के लिए अपने एयरक्राफ्ट कैरियर, युद्धपोत और फाइटर जेट स्क्वॉर्डन को मिडिल ईस्ट में भेज दिया है। इतना ही नहीं, अमरीकी सेंट्रल कमांड के जनरल माइकल कुरीला भी पश्चिम एशिया पहुंच गए।

हानिया को मारने के निर्णय पर होगा पछतावा: ईरानी स्पीकर

उधर, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ ने कहा कि इजरायल और अमरीका को कतई नहीं बख्शा जाएगा और ईरान के पलटवार से उन्हें हमास चीफ इस्माइल हानिया को मारने के अपने निर्णय पर पछतावा होगा।

20 साल बाद ईरान में जॉर्डन के विदेश मंत्री

वहीं, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच युद्ध को टालने के प्रयास भी तेजी पर हैं। इजरायल और अमरीका के करीबी समझे जाने वाले जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी तेहरान पहुंचे। यहां उन्होंने अपने ईरानी समकक्ष अली बाघेरी कानी से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्टिंग के मुताबिक इस यात्रा का मकसद पश्चिम एशिया में तनाव को बढ़ने से रोकना रहा। 20 साल में यह जॉर्डन के किसी विदेश मंत्री की पहली ईरान यात्रा है।

हमले में एक और हिजबुल्लाह कमांडर ढेर

इजरायल के एक हवाई हमले में रविवार को हिज्बुल्लाह के कमांडर अली नाजिया अब्द अली की मौत हो गई। नाजिया हिज्बुल्लाह के दक्षिणी क्षेत्र के मोर्चे पर कामकाज को संभालता था। हिज्बुल्लाह ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल पर एक साथ 50 मिसाइलें दागीं। हालांकि आयरन डोम की वजह से सारी मिसाइलें नाकाम हो गईं। जिससे इस हमले में इजरायल में किसी भी तरह के नुकसान की कोई भी खबर सामने नहीं है।

संसद: मानसून सत्र का आखिरी चरण

आरक्षण और वक्फ कानून में बदलाव पर गरमाएगी सियासत

नई दिल्ली @ पत्रिका. संसद का मानसून सत्र आखिरी चरण में पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी आरक्षण के कोटे में कोटे पर फैसले पर सियासत गरमा गई है। इस बीच केंद्र सरकार वक्फ एक्ट में संशोधन की तैयारी में है। यदि यह संशोधन विधेयक संसद में पेश किया गया तो इस पर घमासान मचना तय है।

दरअसल, केंद्र सरकार इस हफ्ते संसद में वक्फ बोर्ड की शक्तियों और उसकी कार्यप्रणाली में संशोधन से संबंधित विधेयक लाने की तैयारी में है। विधेयक को कैबिनेट में मंजूरी भी दी है। इस विधेयक को लेकर इंडिया गठबंधन के विरोध करने की तैयारी है, साथ ही एनडीए में शामिल टीडीपी और जेडीयू के रुख पर भी सबकी नजर रहेगी। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट के एससी एसटी आरक्षण के फैसले के विरोध में एससी-एसटी सांसद और संगठन विरोध में सामने आने लगे हैं। इस मामले को आरक्षित वर्ग के कुछ सांसद सदन में उठाने की तैयारी में है। एनडीए में शामिल मंत्री चिराग पासवान भी खुलकर फैसले का विरोध कर चुके हैं।

वक्फ बोर्ड की शक्तियां कम करने के प्रस्ताव

ऐसा बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार संसद में संशोधन से जुड़ा जो बिल पेश करने की तैयारी में है उसमें करीब 40 बदलावों का प्रस्ताव है। इसमें खास तौर पर वक्फ बोर्ड की शक्तियों को सीमित करना है। साथ ही बोर्ड की संरचना में परिवर्तन किया जा सकता है। किसी भी भूमि को वक्फ की संपत्ति घोषित करने से पहले उसका सत्यापन सुनिश्चित जरूर किया जाना चाहिए।

ट्रेंडिंग न्यूज

सेना को मांगनी होगी माफी: इमरान

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल 9 मई को भड़के दंगों के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि सेना उनसे माफी मांगे, क्योंकि अर्धसैनिक रेंजरों ने उनका 'अपहरण' किया है।

चीनी पीएम ने केरल पर भेजा संदेश

चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने केरल में भूस्खलन की घटनाओं को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी को शोक संदेश भेजा है। उन्होंने मृतकों के परिजनों और घायल लोगों के प्रति संवेदना जताई। भूस्खलन के चलते राज्य में करीब 400 लोगों की मौत हुई है।

मोदी फिर दुनिया में सबसे लोकप्रिय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय नेता बनकर उभरे हैं। मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा जारी की गई नवीनतम रेटिंग में उन्होंने अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर को पीछे छोड़ दिया।

प्रथम ज्योतिर्लिंग स्कंद पुराण, भागवत पुराण, शिवपुराण में मंदिर का उल्लेख, श्री कृष्ण ने यहीं त्यागी थी देह

कैलाश महामेरू प्रासाद शैली में हुआ सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार

ज्योतिर्लिंग यात्रा... 04

प्रभास पाटण (गुजरात) @पत्रिका. गुजरात में अरब सागर के किनारे बने सोमनाथ मंदिर में पहला ज्योतिर्लिंग है। यहां शिव की उपासना होती है, लेकिन मान्यता यह भी है कि भगवान श्रीकृष्ण ने यहीं अपनी देह त्यागी थी। गुजरात के प्रभास पाटण स्थित सोमनाथ मंदिर का अतीत काफी प्राचीन है, जिसका उल्लेख स्कंद पुराण, भागवत पुराण, शिवपुराण में भी मिलता है। 11वीं से 17वीं सदी तक 7 बार मुगल आक्रांताओं ने मंदिर पर हमले किए। देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रेरणा से कैलाश महामेरू प्रासाद शैली में मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया गया। 1951 में देश के राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इस मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की थी। मंदिर में गर्भगृह, सभामंडप, नृत्यमंडप के साथ 155 फीट ऊंचा शिखर है। शिखर पर 10 टन स्वर्ण जड़ित कलश स्थापित है, वहीं पूरे मंदिर में स्वर्ण जड़ित 1400 कलश लगे हुए हैं। 27 फीट लंबा ध्वजदंड लगा है।

साल में आते हैं सवा करोड़ लोग

सोमनाथ मंदिर में हर वर्ष औसत एक से सवा करोड़ लोग दर्शन के लिए आते हैं, जिनमें करीब 10 हजार विदेशी होते हैं। हर महीने करीब 7-8 लाख लोग आते हैं। हालांकि श्रावण में यह संख्या 12 लाख तक पहुंच जाती है। मंदिर में रोज शाम 7.45 से 8.45 बजे तक जय सोमनाथ लाइट एंड साउंड शो दिखाया जाता है।

ऑनलाइन पूजा सुविधा

ट्रस्ट की ओर से लोगों के सोमनाथ में ठहरने, पूजा करने, विशेष बिल्व पूजा, लाइव दर्शन, घर बैठे पूजा का संकल्प दिलाकर पूजा कराने, प्रसाद बुकिंग, दान आदि की ऑनलाइन सुविधा ट्रस्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भगवान शिव को अर्पित धोती और माता पार्वती को चढ़ाई साड़ी भी प्रसाद में मिलेगी।

सावन में रात 10 बजे तक खुला रहेगा मंदिर

गुजराती श्रावण महीने (5 अगस्त से) में मंदिर सुबह 5:30 से रात 10 बजे तक लगातार खुला रहेगा। मंदिर के संकीर्तन भवन में समूह में पूजा की विशेष व्यवस्था की है। इस दौरान दर्शन की विशेष व्यवस्था की गई है। पार्किंग से मंदिर तक वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगों के लिए श्री सोमनाथ ट्रस्ट के वाहनों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ट्रस्ट के भोजनालय में रोजाना 15-20 हजार लोग नि: शुल्क भोजन कर सकेंगे।

रिपोर्ट:
राजेश भटनागर. भास्कर वैद्य

"स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन। सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी"